हिन्दी दैनिक

रोजनामा इन्डो गल्फ

www.Newsindogulf.com/Email:-Newsindogulf730@gmail.com

सच्चाई में है दम, सच लिखते हैं हम

पटना,शुक्रवार | 29 नवम्बर 2024 | वर्ष : 02 अंक :193 | पृष्ठ -14 | PRGI NO - BIHHIN/2023/86924 | मूल्य - ₹ 3 | पटना संस्करण

ब्रीफ न्यूज

संभल विवाद: 19 को बाधा नहीं डाली जाती तो 24 को नहीं कराना पड़ता सर्वे

एजेंसी

लखनऊ। संभल की जामा मस्जिद का एक बार की जगह दो बार (19 और 24 नवंबर) सर्वे कराये जाने को लेकर जामा मस्जिद पक्ष के जो लोग विवाद खड़ा कर रहे थे, उस पर पुलिस के एक अधिकारी ने प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि 19 नवंबर को जैसे ही जिला प्रशासन के द्वारा मस्जिद के सदर और अन्य समिति के सदस्यों से सूचना देकर सर्वे करने सहमति ली गई थी तो कुछ चिह्नित लोगों को ही मस्जिद के अंदर जाना था लेकिन ऐसा हुआ नहीं और अनाधिकृत लोग भी अंदर घुसे। अत्यधिक भीड़ होने के चलते पहले दिन का कार्य अधूरा छोड़कर उसे स्थगित करना पड़ा। जिसकी वजह से ही 24 नवंबर को फिर से सर्वे करने का समय निर्धारित किया गया था। गौरतलब हो, जामा मस्जिद बनाम हरिहर मंदिर को लेकर चंदौसी सिविल जज (सीनियर डिवीजन) आदित्य सिंह के आदेश पर सर्वे कराया गया था।पुलिस के अधिकारी ने बताया कि 19 नवंबर को मस्जिद के सदर जफर अली के अलावा इंतजामिया समिति के सदस्यों की उपस्थिति में एडवोकेट कमिश्नर रमेश राघव को अपनी टीम के साथ सर्वे का कार्य करना था।

महाराष्ट्र के नए सीएम पर दिल्ली में मंथन

अमित शाह के साथ शिंदे, फडणवीस और पवार की बैठक

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में महायुति की ऐतिहासिक जीत के कुछ दिनों बाद शिंदे ने मंगलवार को महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया। मौजूदा विधानसभा का कार्यकाल 26 नवंबर को समाप्त हो गया।

एजेंसी

महाराष्ट्र: दावा किया जा रहा है कि जिस तरीके से महाराष्ट्र में चुनाव परिणाम आए हैं, उसके बाद भाजपा के ही मुख्यमंत्री बनेंगे। एकनाथ शिंदे ने बुधवार को ही प्रेस कांफ्रेंस करके यह कह दिया था कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमित शाह का जो भी फैसला होगा, उसे सेवा मंजूर करेंगे। उन्होंने साफ तौर पर कहा था कि मुख्यमंत्री पद को लेकर कोई अड़चन नहीं है। हम सब एनडीए के नेता हैं और हमारे जो प्रमुख नेता हैं, उनके कहे अनुसार काम होगा। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में महायुति की ऐतिहासिक जीत के कुछ दिनों बाद शिंदे ने मंगलवार को महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया। मौजूदा विधानसभा का कार्यकाल 26 नवंबर को समाप्त हो गया। राज्य विधानसभा चुनाव में महायुति गठबंधन की जीत के बाद महाराष्ट्र के अगले मुख्यमंत्री की घोषणा में देरी हो रही है। कथित तौर पर, एकनाथ शिंदे के खेमे के विधायकों को उम्मीद है कि मौजूदा मुख्यमंत्री अपने पद पर बने रहेंगे, उन्होंने

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में महायुति गठबंधन की जीत में उनके नेतृत्व को एक महत्वपूर्ण कारक बताया। चुनाव 20 नवंबर को हुए थे और नतीजे 23 नवंबर को घोषित किए गए थे।सूत्रों ने कहा कि एकनाथ शिंदे अपनी पार्टी के लिए महत्वपूर्ण विभागों पर नजर गड़ाए हुए हैं, उन्होंने कहा कि उनके पास शहरी विकास और महाराष्ट्र राज्य सड़क विकास निगम (एमएसआरडीसी) मंत्रालय बरकरार रहने की संभावना है। इसके अलावा, शिंदे राजस्व, कृषि, स्वास्थ्य, ग्रामीण विकास, उद्योग और सामाजिक न्याय सहित अन्य विभागों पर भी जोर दे रहे हैं। शिंदे केंद्र में एक कैबिनेट पद और एक राज्य मंत्री की भूमिका भी मांग सकते हैं।राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) नेता अजित पवार कथित तौर पर उपमुख्यमंत्री पद के साथ-साथ वित्त विभाग के लिए भी पैरवी कर रहे हैं। हालाँकि, भाजपा रणनीतिक महत्व का हवाला देते हुए वित्त और योजना पर नियंत्रण बनाए रखने की इच्छुक है। पवार द्वारा कृषि, खाद्य और नागरिक आपूर्ति, महिला और बाल कल्याण, चिकित्सा शिक्षा, खेल, ग्रामीण विकास और सहयोग सहित अन्य प्रमुख विभागों से भी अनुरोध करने की संभावना है।महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में महायुति की ऐतिहासिक जीत के कुछ दिनों बाद शिंदे ने मंगलवार को महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया। मौजूदा विधानसभा का कार्यकाल 26 नवंबर को समाप्त हो गया। उन्होंने सोशल मीडिया मंच ह्यएक्सह्न पर एक पोस्ट में कहा, ह्यह्यभारतीय संस्कृति विश्व स्तर पर गूंज रही है। मैं जहां भी जाता हूं, मुझे अपने इतिहास और संस्कृति के प्रति अपार उत्साह दिखाई देता है, जो बेहद खुशी की बात है।वीडियो में लोगों को ऑस्ट्रिया में ह्यवंदे मातरमह्न गाते और पोलैंड और मास्को (रूस) में गरबा, कजान (रूस) में ढोलिडा, भूटान में डांडिया रास, सिंगापुर में भरतनाट्यम और लाओस और ब्राजील।

भारतीय संस्कृति विश्व स्तर पर गूंज रही है: प्रधानमंत्री मोदी

एजेंसी

नई दिल्ली: प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विभिन्न देशों में भारतीय संस्कृति की प्रस्तुतियों का एक वीडियो संकलन साझा करते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि भारतीय संस्कृति विश्व स्तर पर गूंज रही है।प्रधानमंत्री मोदी की विदेश यात्राओं के दौरान अक्सर पारंपरिक भारतीय सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति की झलक देखने को मिलती है। उन्होंने सोशल मीडिया मंच ह्यएक्सह्न पर एक पोस्ट में कहा, ह्यह्यभारतीय संस्कृति विश्व स्तर पर गूंज रही है। मैं जहां भी जाता हूं, मुझे अपने इतिहास और संस्कृति के प्रति अपार उत्साह दिखाई देता है, जो बेहद खुशी की बात है।वीडियो में लोगों को ऑस्ट्रिया में ह्यवंदे मातरमह्न गाते और पोलैंड और मास्को (रूस) में गरबा, कजान (रूस) में ढोलिडा, भूटान में डांडिया रास, सिंगापुर में भरतनाट्यम और लाओस और ब्राजील में रामायण गाते हुए दिखाया गया है। इसमें भूटान के कलाकार भी शामिल थे, जो प्रधानमंत्री का उल्लेख करते हुए एक गीत गा रहे हैं।

वीडियो में लोगों को ऑस्ट्रिया में ह्यवंदे मातरमह्न गाते और पोलैंड और मास्को (रूस) में गरबा, कजान (रूस) में ढोलिडा, भूटान में डांडिया रास, सिंगापुर में भरतनाट्यम और लाओस और ब्राजील में रामायण गाते हुए दिखाया गया है।

अजमेर शरीफ को महादेव मंदिर आखिर किस आधार पर बताया जा रहा है? याचिका में क्या देख कर कोर्ट ने जारी किया है नोटिस?

एजेंसी

नई दिल्ली: देश में मंदिर मस्जिद को लेकर बढ़ते विवाद के बीच ताजा मामला राजस्थान के अजमेर से सामने आया है। जहां हिंदू सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष विष्णु गुप्ता ने अजमेर शरीफ को महादेव का मंदिर बताते हुए अदालत में याचिका दाखिल की। अदालत ने याचिका पर सुनवाई करते हुए संबंधित पक्षों को नोटिस भी जारी कर दिये हैं। हम आपको बता दें कि याचिकाकर्ता विष्णु गुप्ता ने अपनी याचिका में पूर्व न्यायाधीश हरबिलास सारदा की 1911 में लिखी किताब- अजमेर: हिस्टॉरिकल एंड डिस्क्रिप्टिव का हवाला दिया है। बताया जा रहा है कि इस पुस्तक में दावा किया गया है कि मंदिर के मलबे से दरगाह का निर्माण किया गया। पुस्तक में यह भी दावा किया गया है कि इसके नीचे गर्भगृह और परिसर में एक जैन मंदिर स्थित है। बताया जा रहा है कि पुस्तक में दावा किया गया है कि दरगाह के भीतर एक तहखाना है जिसमें एक शिवलिंग है। पुस्तक में यह भी दावा किया गया है कि अजमेर पर राज करने वाले पृथ्वीराज चौहान के वंशजों ने यह मंदिर बनवाया था।

चौथी बार झारखंड के मुख्यमंत्री बने हेमंत सोरेन, मंच पर दिखी ईन्डिया ब्लॉक की ताकत

एजेंसी

झारखंड मुक्ति मोर्चा (जेएमएम) नेता हेमंत सोरेन ने गुरुवार को रांची में झारखंड के 14वें मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली। झारखंड के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने सोरेनी को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। राज्य के मुख्यमंत्री के रूप में सोरेन का यह चौथा कार्यकाल है। सोरेन ने झारखंड के मुख्यमंत्री के रूप में अपनी अगली पारी से पहले अपने पिता और पार्टी संस्थापक शिबू सोरेन से आशीर्वाद लिया।झारखंड के मुख्यमंत्री के शपथ समारोह में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, विपक्ष के नेता राहुल गांधी, बंगाल की मुख्यमंत्री ममता

बनर्जी, दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान, राजद नेता तेजस्वी यादव, कांग्रेस नेता तारिक अनवर, सपा प्रमुख अखिलेश यादव, निर्दलीय सांसद पप्पू यादव सहित विपक्ष के कई शीर्ष नेता शामिल हुए। झारखंड के 14वें सीएम के रूप में हेमंत सोरेन के शपथ लेने के बाद उनकी बहन और जेएमएम नेता अंजनी सोरेन का कहना है, "आज पूरा झारखंड खुश है... हमें पहले से ही यह उम्मीद थी कि हम पूर्ण बहुमत से जीतेंगे। राज्य के मुख्यमंत्री के रूप में सोरेन का यह चौथा कार्यकाल है। सोरेन ने झारखंड के मुख्यमंत्री के रूप में अपनी अगली पारी से पहले अपने पिता और पार्टी संस्थापक शिबू सोरेन से आशीर्वाद लिया।

वहां तो पीएम भी हर साल चादर भेजते हैं... अजमेर दरगाह विवाद पर बोले असदुद्दीन ओवैसी

एजेंसी

नई दिल्ली: राजस्थान में अजमेर शरीफ दरगाह को लेकर हुए हालिया विवाद के बाद ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) पर निशाना साधा। इससे पहले, राजस्थान की एक अदालत ने अजमेर शरीफ दरगाह को भगवान शिव का मंदिर होने का दावा करने वाली हिंदू सेना की

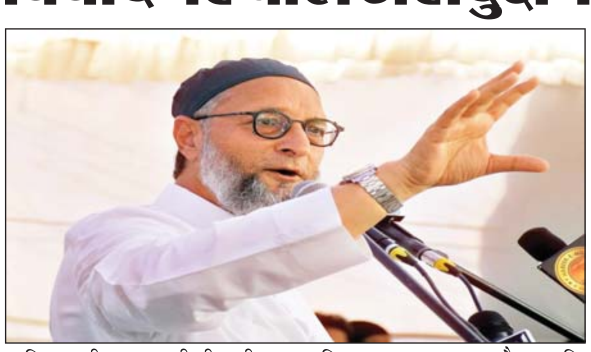

याचिका स्वीकार कर ली थी।उसी पर बोलते हुए, ओवैसी ने दरगाह के इतिहास पर प्रकाश डाला और कहा कि जवाहरलाल नेहरू से लेकर पिछले प्रधानमंत्रियों ने दरगाह पर चादरें भेजी हैं। विवाद को लेकर उन्होंने कहा कि यह दरगाह पिछले 800 वर्षों से वहां मौजूद है। उस समय मुगलों का शासन था। बादशाह अकबर ने वहां बहुत सी चीजें बनवाईं। फिर मराठों का शासन आया बाद में अजमेर को 18,000 रुपये में अंग्रेजों को बेच दिया गया। 1911 में जब महारानी एलिजाबेथ वहां आईं तो उन्होंने वहां एक जलघर बनवाया। उन्होंने कहा कि नेहरू से लेकर कई प्रधान मंत्री दरगाह पर चादर भेजते रहे हैं।

अल्पसंख्यकों के जीवन की रक्षा करना बांग्लादेश की जिम्मेदारी, संसद में विदेश मंत्रालय का बयान

एजेंसी

नई दिल्ली: विदेश मंत्रालय ने गुरुवार को बांग्लादेश में हिंदू मंदिरों और देवताओं के अपमान और क्षति की घटनाओं पर चिंता व्यक्त की और सरकार से हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने का आह्वान किया। संसद में विदेश मंत्रालय का बयान बांग्लादेश में एक हिंदू नेता की गिरफ्तारी और कट्टरपंथी इस्लामी संगठनों द्वारा इस्कॉन और अन्य मंदिरों को निशाना बनाए जाने को लेकर अशांति की ताजा लहर के बीच आया है।राज्यसभा में एक

जवाब में, विदेश राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह ने कहा कि भारत सरकार ने ऐसी घटनाओं पर अपनी चिंता व्यक्त की है, जिसमें ढाका के तांतीबाजार में एक पूजा मंडप पर हमला और दुर्गा पूजा 2024 के दौरान सतखिरा में जेशोरेश्वरी काली मंदिर में चोरी शामिल है। पिछले महीने ढाका के तांतीबाजार इलाके में एक दुर्गा पूजा मंडप पर देसी बम फेंका गया था। हालाँकि, कोई चोट नहीं आई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 2021 में अपनी यात्रा के दौरान उपहार में दिया गया देवी काली का मुकुट जेशोरेश्वरी मंदिर से चोरी हो गया। 5 अगस्त को शेख हसीना की अवामी लीग सरकार के पतन के बाद हिंदू मंदिरों को निशाना बनाने की ऐसी ही घटनाएं तेज हो गई हैं।मंत्री ने कहा कि बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के जीवन और स्वतंत्रता की रक्षा करना मुहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार की जिम्मेदारी थी।

पिता एकनाथ शिंदे पर गर्व है, उन्होंने गठबंधन धर्म का पालन कर मिसाल कायम की: श्रीकांत शिंदे

एजेंसी

मुंबई । शिवसेना सांसद श्रीकांत शिंदे ने कहा है कि उन्हें अपने पिता एकनाथ शिंदे पर गर्व है, जिन्होंने व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा को दरकिनार करते हुए ह्यह्यगठबंधन धर्मह्नह्न का पालन करने का उदाहरण पेश किया है। एकनाथ शिंदे वर्तमान में महाराष्ट्र के कार्यवाहक मुख्यमंत्री हैं। सांसद ने बुधवार रात सोशल मीडिया मंच ह्यएक्सह्न पर एक पोस्ट में कहा कि उनके पिता का महाराष्ट्र के लोगों के साथ अटूट रिश्ता है। शिवसेना नेता ने कहा कि उन्होंने समाज के हर वर्ग के लिए दिन-रात मेहनत की। शिवसेना, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) की सहयोगी है।

उनका यह बयान एकनाथ शिंदे (60) द्वारा बुधवार को की गई घोषणा के बाद आया है, जिसमें उन्होंने (कार्यवाहक मुख्यमंत्री ने) कहा था कि शिवसेना महाराष्ट्र के अगले मुख्यमंत्री के नाम के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के फैसले का समर्थन करेगी, जिससे भाजपा के लिए नयी सरकार का नेतृत्व करने का रास्ता साफ हो गया। कार्यवाहक मुख्यमंत्री ने कहा है कि उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी और केंद्रीय मंत्री शाह से बात की और उन्हें आश्वासन दिया है कि राज्य में नयी सरकार के गठन में उनकी ओर से कोई बाधा नहीं आएगी।

कोई फॉमूर्ला नहीं है... अजित पवार ने बता दिया कैसे तय होगा महाराष्ट्र के नए CM का नाम

एजेंसी

महाराष्ट्र: महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने गुरुवार को दोहराया कि मुख्यमंत्री पद के लिए किसी फॉमूर्ले पर चर्चा नहीं की जा रही है और महायुति के सहयोगी नई दिल्ली में गृह मंत्री अमित शाह के साथ बैठक के बाद निर्णय लेंगे। 23 नवंबर को घोषित राज्य चुनाव परिणामों में, महायुति, जिसमें भाजपा, मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की शिवसेना और एनसीपी शामिल थी, ने 288 विधानसभा सीटों में से 230 सीटें हासिल कीं। यह लगभग तय है कि बीजेपी नेता और डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस तीसरी बार शीर्ष पद पर काबिज होने जा रहे हैं, क्योंकि उनकी पार्टी ने जिन 149 सीटों पर चुनाव लड़ा था उनमें से 132 सीटें हासिल कीं।एनसीपी प्रमुख अजित पवार ने कहा कि संसदीय चुनाव में, ईवीएम ठीक थी क्योंकि परिणाम उनके (महा विकास अघाड़ी) पक्ष में था। विधानसभा चुनावों में, परिणाम अलग हैं और

इसलिए वे ईवीएम को दोष दे रहे हैं। अजित पवार ने कहा कि हमारी पार्टी एक राष्ट्रीय पार्टी थी- उसके लिए हमें अभी और काम करने की जरूरत है, हम लड़ेंगे और सफलता हासिल करेंगे। महाराष्ट्र के कार्यवाहक मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने बुधवार को कहा कि वह अगले मुख्यमंत्री के नाम पर भाजपा नेतृत्व के फैसले का ह्लपूरा समर्थनह्व करेंगे, उन्होंने कहा कि वह इस प्रक्रिया में बाधा नहीं बनेंगे। भाजपा के एक वरिष्ठ नेता ने कहा कि शिंदे की घोषणा से भाजपा के लिए तीसरी बार मुख्यमंत्री पद के लिए देवेन्द्र फड़णवीस के नाम का रास्ता साफ हो गया है।महाराष्ट्र राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के नेता बृहस्पतिवार को यहां भाजपा के शीर्ष नेताओं से मुलाकात कर सकते हैं। सूत्रों ने यह जानकारी दी। सूत्रों ने साथ ही यह संकेत भी दिया कि राज्य की नयी सरकार में तीन प्रमुख ह्यमहायुतिह्न घटकों का प्रतिनिधित्व करने वाले एक मुख्यमंत्री और दो उपमुख्यमंत्रियों के फामूर्ले का अनुपालन किया जाएगा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को जहां मुख्यमंत्री पद मिलने की संभावना है, वहीं उसके दो सहयोगी दलों - शिवसेना और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) को दो उपमुख्यमंत्री का पद दिया जा सकता है।

लोजपा रामविलास के 24 वें स्थापना दिवस के अवसर पर एनडीए ने दिखाई एकजुटता

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

लोक जनशक्ति पार्टी (रा) के प्रदेश कार्यालय एक व्हीलर रोड में पार्टी का 24 वां स्थापना दिवस समारोह पूरे धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ आयोजित की गई । उक्त कार्यक्रम में लोजपा (रा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान अपने सभी सांसदों पार्टी के राष्ट्रीय और प्रदेश के वरिष्ठ पदाधिकारियों के साथ बिहार के प्रत्येक जिले से आए दल के हजारों कार्यकताओं की उपस्थिति में मनाया गया।

स्थापना दिवस कार्यक्रम की शुरूआत लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के संस्थापक, पूर्व केंद्रीय मंत्री, पद्मभूषण स्व. रामविलास पासवान जी के तैल चित्र पर पुष्पांजलि और पार्टी कार्यालय में झंडोत्तोलन से प्रारंभ हुआ। लोजपा (रा) के सभी सांसद जिसमें जमुई सांसद अरुण भारती, वैशाली सांसद वीणा देवी, खगड़िया सांसद राजेश वर्मा और समस्तीपुर की सांसद शांभवी चौधरी भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष बिहार सरकार के मंत्री दिलीप जायसवाल बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी मंच पर उपस्थित रहे। झारखंड चुनाव में लोजपा (रा) के नवनिर्वाचित विधायक जनार्दन पासवान भी आज स्थापना दिवस के कार्यक्रम में उपस्थित हुए जिनका स्वागत और अभिनंदन दल के वरिष्ठ नेताओं के द्वारा किया गया। सभा को अपनी माताजी रीना पासवान के आशीर्वाद के बाद अपने संबोधन में कहा कि मैं बार बार अपनी सभाओं में ये कहता हूं कि ह्लमैं शेर का बेटा हूंह्ल परंतु आज के इस भावुक क्षण में कहना है कि ह्लमैं शेरनी का भी बेटा हूंह्ल। केंद्रीय मंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि झारखंड चुनाव के परिणाम के पश्चात इस प्रकार का विश्वास स्थापित हो चुका है कि आगामी विधानसभा चुनाव लोजपा (रा) का टिकट जीत की गारंटी है। इसके साथ उन्होंने किसी प्रकार के आलोचना पर ध्यान न देते हुए सिर्फ पार्टी की मजबूती के लिए कार्य पर ध्यान केंद्रित करने पर जोर दिया। उन्होंने विशेष रूप से कहा कि कुछ लोगों को मेरी पार्टी की सफलता रास नहीं आ रही है। ऐसे लोग ये पचा नहीं पा रहे हैं कि लोजपा (रा) दिन प्रतिदिन कैसे पूरी मजबूती के साथ आगे बढ़ रहा है। कार्यकताओं को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री चिराग ने कहा कि पार्टी के 100 प्रतिशत स्ट्राइक रेट को मेनटेन करने की जिम्मेदारी बिहार के विधानसभा में हमारे कार्यकताओं और जिला संगठन की है। श्रद्धेय रामविलास पासवान जी का कभी संकल्प रहा था कि झारखंड में भी लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के सपने को साकार हो। झारखंड विधानसभा चुनाव में सफलता हेतु राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग ने पार्टी के नवनिर्वाचित विधायक जनार्दन पासवान,

बिहार विजन डॉक्यूमेंट 2047 को लेकर प्रमंडलीय आयुक्त की अध्यक्षता में एक दिवसीय प्रमण्डल स्तरीय कार्यशाला का हुआ आयोजन

वरिष्ठसंवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
शकील हैदर

विभिन्न हितधारकों के विचारों एवं प्राथमिकताओं को शामिल कर विकास की प्राथमिकताओं को चिन्हित कर एक ठोस दृष्टिकोण विकसित करना लक्ष्यः आयुक्त छपरा

बिहार सरकार राज्य की दीर्घकालिक विकास यात्रा को एक सुविचारित दिशा देने के उद्देश्य से बिहार विजन डॉक्यूमेंट 2047 का निर्माण कर रही है। यह दस्तावेज न केवल बिहार की मौजूदा चुनौतियों का समाधान प्रस्तुत करेगा बल्कि राज्य को आने वाले 25 वर्षों में देश के अग्रणी राज्यों की श्रेणी में लाने के लिए आवश्यक रणनीतियों का खाका तैयार करेगा। इस दस्तावेज का लोकार्पण 26 जनवरी 2025 को प्रस्तावित है। इस विजन डॉक्युमेंट के निर्माण को लेकर आज प्रमंडलीय आयुक्त श्री गोपाल मीणा की अध्यक्षता में प्रमंडल स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।

इस कार्यशाला में बिहार विजन डॉक्यूमेंट 2047 के नोडल ऑफिसर श्री आर्य गौतम, वरीय सहायक निदेशक बिपार्ड, विषय विशेषज्ञ प्रोफेसर डॉक्टर वी वेंकटेश (टीस, मुंबई), जिलाधिकारी सारण, सिवान एवं गोपालगंज, उप विकास आयुक्त सारण एवं गोपालगंज तथा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रमण्डल के तीनों जिला के सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी जुड़े थे।

इस विजन डॉक्यूमेंट में जनता की भागीदारी अत्यंत महत्वपूर्ण है इसमें आमलोगों के विचारों को सर्वे के माध्यम से संकलित किया जायेगा।

मुख्य फोकस विद्यार्थी, शिक्षक, किसान एवं प्रत्येक पेशे से जुड़े लोगों पर करना है। सर्वे के लिए पब्लिक से पूछे जाने वाले प्रश्नों को और भी विस्तृत करने की आवश्यकता बताई गई, ताकि सही ढंग से सर्वे का कार्य कराया जा सके। सर्वे कार्य हेतु सेविका, सहायिका, आशा, जीविका, पंचायत स्तरीय अन्य कर्मियों को भी लगाना है। सभी आरटीपीएस काउंटर पर भी एक कार्यपालक सहायक रहेगा जो लोगों से फॉर्म भरवाने का काम करेगा। सोनपुर मेला में भी स्टॉल लगाकर लोगों को जानकारी देकर उनका फीडबैक प्राप्त किया जायेगा।

बिहार विधानसभा में विपक्ष ने उठाया जमीनों के दाखिल खारिज में भ्रष्टाचार का मामला, सरकार के मंत्री बोले- मेरा मुहं ना खुलवाएं

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

विपक्ष के हंगामे के बीच बिहार विधानसभा में आज चौथे दिन की कार्यवाही जारी है। सदन की कार्यवाही के दौरान एआईएमआईएम के सदस्य अख्तरुल ईमान ने बिहार में राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के अंदर जमीन के दाखिल खारिज के मामले लंबित होने का सवाल मजबूती से उठाया। सरकार की तरफ से विभागीय मंत्री दिलीप जायसवाल ने जवाब दिया ।एआईएमआईएम के विधायक अख्तरुल ईमान ने आरोप लगाया कि ऊ्छफऔर दूसरे पदाधिकारी रिश्वत लेते हैं और मामले को लंबित रखते हैं। जिसके जवाब मे विभाग के मंत्री दिलीप जायसवाल ने कहा कि हमने दोषी अधिकारी के ऊपर करवाई करने के लिए जाना जाता हूं लेकिन आप को बता दूं कि चुनाव के कारण इतने मामले लंबित हुए है जिसे अगले कुछ महीने मे निपटा दिया जायेगा। चुनाव में ऊ्छफ और उड सबस ज्यादा काम करते है उनके ऊपर विभाग से जायदा चुनाव से जुड़े काम होते हैं ।इस पर विपक्ष के तरफ से रिश्वत लेने की बात कही गई तो मंत्री दिलीप जायसवाल ने राजद के विधायकों एवं पूर्व सरकार के मंत्री पर बिना नाम लिए ही चेतावनी देते हुए कहा कि मेरा मुहं ना खुलवाएं। दिलीप जायसवाल ने कहा कि मैं तो कार्रवाई करने के लिए ही जाना जाता हूं। अब तक 100 से अधिक दोषी अधिकारियों पर एक्शन हुआ है और बाकी जो दोषी होंगे उन पर भी एक महीने कार्रवाई हो जाएगी ।वहीं बीजेपी विधायक पवन जायसवाल के सवाल का जवाब देते हुए मंत्री दिलीप जायसवाल ने कहा कि मुझे इस विभाग का मंत्री बनने मे थोड़ा लेट हो गया जब से बना हूं सभी दोषियों करवाई हो रही है। मेरा नाम तो कार्रवाई करने के लिए ही विभाग में जाना जाता है।

भूमि सर्वे के नियमों में होगा बदलाव, जल्द कैबिनेट में आएगा प्रस्तावह्न नीतीश के मंत्री का बड़ा एलान

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

बिहार में भूमि सर्वे को लेकर चल रहे घमासान के बीच विभागीय मंत्री दिलीप जायसवाल ने बड़ा एलान कर दिया है। उन्होंने कहा है कि सर्वे को लेकर बिहार के लोगों को परेशान नहीं होने दिया जाएगा। मंत्री ने एलान किया है कि सरकार भूमि सर्वे के नियमों में बदलाव करेगी और जल्द ही कैबिनेट में इसको लेकर प्रस्ताव लाया जाएगा ।मंत्री दिलीप जायसवाल ने कहा है कि बिहार के एक भी जनता जमीन सर्वे से परेशान नहीं होगा। जबतक जनता को सारा कागजात उपलब्ध नहीं करा देंगे, तबतक कोई भी कर्मचारी और पदाधिकारी बिहार की जनता को सर्वे के कारण कोई दिक्कत नहीं देगा। एक नया मसौदा एक सप्ताह के भीतर आ रहा है, जिसमें जनता के हित में सर्वे करने का काम किया जाएगा ।उन्होंने कहा कि सरकार जमीन सर्वे में कुल 13 तरह की छूट देने जा रही है। कैबिनेट में प्रस्ताव लाया जाएगा, इसके बारे में पहले जानकारी नहीं दे सकता लेकिन जिस तरह से जिस तरह से स्मार्ट मीटर का हवा निकल गया उसी तरह से जमीन सर्वे का भी हवा निकल गया है। विपक्ष का हवा निकल चुका है और वह बेवजह हंगामा कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हम तो चाहते हैं कि नेता की जमीन को सीज कर गरीबों में बांच दिया जाए।

बिहार में शिक्षकों की नियुक्ति कब, योग्य अभ्यर्थी जाने अगली तारीख...

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

बिहार में माध्यमिक और उच्च माध्यमिक शिक्षकों की नियुक्ति के तीसरे चरण के लिए 40,000 अभ्यर्थियों को परिणाम का इंतजार करना पड़ रहा है। शिक्षा विभाग से अभी तक रोस्टर क्लीयरेंस प्राप्त नहीं हुआ है, जिसके कारण बीपीएससी (बिहार लोक सेवा आयोग) को यह जानकारी नहीं भेजी जा सकी है।

विलंब के कारणः

इस चरण में विषयों की संख्या अधिक होने के कारण रोस्टर क्लियरेंस में देरी हो रही है। प्राथमिक और मध्य विद्यालयों के लिए पहले ही परिणाम जारी किया जा चुका है, लेकिन माध्यमिक और उच्च माध्यमिक के अभ्यर्थियों का रिजल्ट अभी लंबित है। वहीं शिक्षा विभाग द्वारा रोस्टर क्लीयरेंस न मिलने के कारण बीपीएससी प्रक्रिया में आगे नहीं बढ़ पा रहा है।

अभ्यर्थियों की प्रतिक्रियाः

अभ्यर्थी शिक्षा विभाग और जिलाधिकारी कार्यालय के चक्कर लगा रहे हैं। उन्होंने प्राथमिक और मध्य विद्यालयों के रिजल्ट के बाद अपने परिणाम जल्द जारी करने की मांग की है। मामले पर आयोग सचिव सत्य प्रकाश शर्मा ने बताया कि शिक्षा विभाग से रोस्टर क्लीयरेंस प्राप्त होने के एक सप्ताह के भीतर रिजल्ट जारी कर दिया जाएगा।"

शिक्षा विभाग से क्लीयरेंसः

यदि शिक्षा विभाग जल्द रोस्टर क्लीयर कर देता है, तो प्रक्रिया तेज हो सकती है। इस दौरान रोस्टर क्लीयरेंस के बाद एक सप्ताह में बीपीएससी परिणाम जारी करेगा।

बीपीएससी 32वीं न्यायिक सेवा का रिजल्ट जल्द*

बीपीएससी 32वीं न्यायिक सेवा का रिजल्ट एक से दो दिनों में जारी होगा। रिजल्ट को अंतिम रूप दिया जा रहा है। साक्षात्कार की प्रक्रिया समाप्त हो चुकी है। आयोग के सचिव ने बताया कि रिजल्ट गुरुवार से शुक्रवार तक घोषित कर दिया जाएगा।

झारखंड में इंडिया गठबंधन की सरकार करेगी सबका विकासः डॉ. अखिलेश

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

- झारखंड में हेमंत सोरेन के शपथ के बाद प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष डॉ अखिलेश प्रसाद सिंह ने दी बधाई
- झारखंड में इंडिया गठबंधन की सरकार करेगी समावेशी विकास: डॉ अखिलेश प्रसाद सिंह

पटना. गुरुवार, 28 नवम्बर 2024

झारखंड में मुख्यमंत्री पद पर हेमंत सोरेन के शपथ ग्रहण के बाद उन्हें शुभकामना और बधाई देते हुए बिहार प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष डॉ अखिलेश प्रसाद सिंह ने सर्व समाज का नेता करार दिया और कहा कि इंडिया गठबंधन झारखंड के समावेशी विकास पर कार्य करेगी ।प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष डॉ अखिलेश प्रसाद सिंह ने कहा कि झारखंड में पूर्ण बहुमत के साथ बनी हेमन्त सोरेन के नेतृत्व वाली इंडिया गठबंधन की सरकार वहां के मूलनिवासियों और सभी नागरिकों के लिए बिना किसी भेदभाव और पूर्वाग्रह पर आधारित विकास कार्यों को बढ़ावा देगी। झारखंड का शासन देश में इंडिया गठबंधन के कार्यों की नजीर बनेगा। हमने पिछले कार्यकाल में भी वहां बेहतरीन काम किया है और इस बार भी अपने विकासवादी कार्यों को आगे बढ़ाएंगे। भाजपा की तरह हम पूंजीपतियों के लाभ के लिए झारखंड के संसाधनों और मूलनिवासियों को हाशिए पर नहीं रखेंगे और न ही उनकी तरह झारखंड के संसाधनों का दोहन होने देंगे। हेमंत सोरेन को दूरदर्शी नेता बताते हुए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष डॉ अखिलेश प्रसाद सिंह ने कहा कि झारखंड की जनता ने जितना प्यार झामुमो कांग्रेस और राजद गठबंधन को दिया है हम उसको काम करके लौटाएंगे। जनता के उम्मीदों पर शत प्रतिशत खरा उतरने का काम हम करेंगे। देश में अराजकता का माहौल बनाने वाले भाजपा और उसके सहयोगियों ने राम मंदिर के नाम पर बहुत राजनीति की लेकिन ना शिलान्यास में तत्कालीन दलित समुदाय के राष्ट्रपति को बुलाया और ना ही उद्घाटन समारोह में आदिवासी समुदाय की हमारी वर्तमान राष्ट्रपति को ही आमंत्रित किया। झारखंड की जनता ने राम के व्यापारियों को हरा कर संदेश दे दिया है कि दलित, आदिवासी और पिछड़ों के साथ समाज के सभी वर्गों को लेकर चलने का माद्दा केवल इंडिया गठबंधन के पास ही है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को बधाई देते हुए उन्होंने कहा कि राज्य में उन्नति और तरक्की में वो अपना योगदान देते रहेंगे और सभी के लिए समावेशी विकास की अवधारणा पर काम करते रहेंगे।

मोतिहारी में प्रधानाध्यापक की मौत, तीन शिक्षिका घायल,

स्कूल जाने के दौरान टैंकर ने ऑटो में मारी टक्कर

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

मोतीहारी* : पूर्वी चंपारण में भीषण सड़क हादसा हुआ है, मोतिहारी-पकड़ीदयाल रोड में मधुबनीघाट के पास एक टैंकर और ऑटो की टक्कर हो गई। जिस घटना में एक शिक्षक की मौत हो गई, वहीं तीन शिक्षिकाएं जख्मी हो गई हैं, जिला के मुफ्फसिल थाना क्षेत्र का यह मामला है। जख्मी तीनों शिक्षिकाओं को इलाज के लिए सदर अस्पताल लाया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। मृत शिक्षक की पहचान नरेश कुमार राम के रूप में हुई है, जो भेलवा स्कूल में प्रधानाध्यापक पद पर पदस्थापित थे। जबकि जख्मी अन्य शिक्षिकाएं उसी स्कूल में पदस्थापित हैं। मिली जानकारी के अनुसार, मधुबन के भेलवा स्कूल के प्रधानाध्यापक नरेश कुमार राम मधुबन के भेलवा गांव के रहने वाले थे और मोतिहारी में भी उनका मकान है, वह मोतिहारी से ऑटो में सवार होकर विद्यालय जा रहे थे, ऑटो में उनके साथ शिक्षिका सुषमा पटेल, अनिता कुमारी और नाहिद कमर भी विद्यालय जा रहीं थी, मधुबनी घाट पुल के पास पहुंचने पर घने कुहासे के कारण एक टैंकर ने ऑटो में जोरदार टक्कर मार दी, घटना में ऑटो सवार नरेश कुमार राम की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। जबकि उसमें सवार अन्य तीन शिक्षिकाएं जख्मी हो गईं, घटना के बाद आस पास के लोग दौड़कर आए और ऑटो में फंसे लोगों को बाहर निकाला, घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और जख्मियों को इलाज के लिए भेजने के बाद मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया, 'घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस टीम मौके पर पहुंची थी, घायलों को इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया, मृतक की पहचान शिक्षक के रूप में हुई है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है."-

कृषि एवं किसानों के कल्याण के लिए दृढ़ संकल्पित हैं मोदी सरकार - अरविन्द सिंह

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

पटना, 28 नवम्बर :- भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता अरविन्द कुमार सिंह ने कहा है कि कृषि एवं किसानों के कल्याण के लिए दृढ़ संकल्पित हैं मोदी सरकार। इसी के फल स्वरुप केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने केन्द्र प्रायोजित योजना के रूप में राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन शुरू करने को मंजूरी दे दी है, किसानों को खेती में आने वाली लागत और बाहर से खरीदे गए संसाधनों पर निर्भरता में कमी होगी।

एनडीए सरकार में कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के अंतर्गत केन्द्र प्रायोजित योजना पर मिशन मोड में प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने का काम एनडीए सरकार काम कर रही है। इस पर कुल परिव्यय 2,481 करोड़ होगा। श्री अरविन्द ने कहा कि इससे खेती में आने वाली लागत को कम करने के लिए किसानों को सहायता मिलेगा और स्वस्थ मृदा पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण एवं रखरखाव होगा, जैव विविधता को बढ़ावा और विविध फसल प्रणालियों को प्रोत्साहन मिलेगा।

इसमें इच्छुक ग्राम पंचायतों के 15,000 समूहों में लागू किया जाएगा। 7.5 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में प्राकृतिक खेती की होगी शुरूआत। 1 करोड़ किसान होंगे लाभान्वित।

आवश्यकता-आधारित 10,000 जैव-इनपुट संसाधन केन्द्रों की होगी स्थापना साथ ही लगभग 2,000 प्राकृतिक खेती मॉडल प्रदर्शन फार्मों की होगी स्थापना।और 30,000 कृषि सखियों/सीआरपी की तैनाती की जाएगी।

डोरीगंज थानांतर्गत हत्याकांड के नामजद मुख्य अभियुक्त को हरियाणा राज्य के बहल थाना से किया गया गिरफ्तार

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
शकील हैदर

वर्ष-2024 के माह जुलाई में डोरीगंज थाना क्षेत्र के निवासी टार्जन कुमार उर्फ छोटु को अभिषेक उर्फ मनीष कुमार एवं उसके अन्य साथी के द्वारा हत्या कर उसके शव को रेलवे ट्रेक पर फेक देने की घटना कारित की गई थी। इस संबंध में मृतक के परिजन के लिखित आवेदन के आधार पर डोरीगंज थाना कांड सं0-165/24, दिनांक-31.07.24 धारा-103 (1)/238/61 (2)/3(5) बी०एन०एस० दर्ज कर अनुसंधान प्रारंभ किया गया। अनुसंधान के क्रम में प्राप्त आसूचना के आधार पर पूर्व में भी इस कांड में 01 नामजद अभियुक्त रजनीश कुमार को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है। पुनः तकनिकी अनुसंधान एवं प्राप्त आसूचना के आधार पर इस कांड के मुख्य अभियुक्त अभिषेक उर्फ मनीष कुमार, पिता- झगरू राय, साकिन जलालपुर, थाना- डोरीगंज, जिला- सारण को हरियाणा राज्य के बहल थाना से गिरफ्तार किया गया तथा इस कांड में संलिप्त अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु अग्रतर कार्रवाई की जा रही है।

>गिरफ्तार अभियुक्त का नाम एवं पता

1. अभिषेक उर्फ मनीष कुमार, पिता- झगरू राय, साकिन-जलालपुर, थाना- डोरीगंज, जिला- सारण।

?टीम में शामिल पुलिस पदाधिकारी

1. श्री राजकिशोर सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक-सह-अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, सदर-1
2. पु०अ०नि० प्रवेश कुमार थानाध्यक्ष डोरीगंज थाना।
3. पु०अ०नि० मनीष कुमार डोरीगंज थाना।
4. पु०अ०नि० सुजीत कुमार-2, जिला आसूचना ईकाई।

बिहार में कोहरे के कारण स्कूलों में ऑनलाइन उपस्थिति पर रोक लगाने की मांग उठाई गई

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मोहम्मद जुबैर

बिहार में कोहरे के कारण स्कूलों में ऑनलाइन उपस्थिति पर रोक लगाने की मांग उठाई गई है। बिहार जदयू शिक्षा प्रकोष्ठ के प्रदेश महासचिव डॉ. शहजाद मंजर ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से अनुरोध किया है कि कोहरे के कारण स्कूलों में ऑनलाइन उपस्थिति पर अस्थायी रूप से रोक लगाई जाए।

डॉ. शहजाद मंजर ने कहा कि कोहरे के कारण सड़कों पर दृश्यता कम हो जाती है, जिससे स्कूल जाने वाले शिक्षकों एवं बच्चों की सुरक्षा खतरे में पड़ जाती है। उन्होंने कहा कि आए दिन कोहरे के कारण एक्सीडेंट हो रहा है, जिसमें शिक्षकों एवं बच्चों की मौत हो रही है।

उन्होंने कहा कि ऑनलाइन उपस्थिति पर रोक लगाने से शिक्षकों एवं बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सकती है। डॉ. शहजाद मंजर ने कहा कि सरकार को इस मामले में जल्द से जल्द निर्णय लेना चाहिए ताकि शिक्षकों एवं बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

डॉ. शहजाद मंजर ने कहा कि इस अनुरोध को जनहित में किया गया है और इसका उद्देश्य शिक्षकों के साथ साथ बच्चों की सुरक्षा और शिक्षा को सुनिश्चित करना है। मुख्यमंत्री से अनुरोध किया गया है कि वे इस मामले में तुरंत ध्यान दें और आवश्यक कदम उठाएं।

कोर्ट ने सुनाया अभियुक्त विनोद सिंह को पांच वर्ष की सजा और एक लाख जुमार्ना

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। विशेष न्यायाधीश उत्पाद संजय कुमार '' ने मंगलवार को सुनवाई करते हुए उत्पाद वाद संख्या 53 / 2018 के अभियुक्त विनोद सिंह पिता प्रभु महतो, साकिन पातेपुर थाना पूसा जिला समस्तीपुर निवासी को अंतर्गत धारा 30 (ए) बिहार मध निषेध एवं उत्पाद अधिनियम 2016 के तहत दोषी पाते हुए अभियुक्त विनोद सिंह को पांच साल की सश्रम कारावास एवं एक लाख रुपये का अर्थ दंड सुनाया गया। कोर्ट ने बताया की जुमार्ना की राशि अदा नहीं करने पर छः माह का अतिरिक्त सजा भुगतनी पड़ेगी। बताया जाता है कि दिनांक 22 फरवरी 2018 को संध्या 7: 45 ग्राम पातेपुर थाना पूसा जिला समस्तीपुर स्थित अभियुक्त विनोद सिंह के कब्जे वाले बथान जहां मवेशी बांधे हुए हैं में जमीन में गाड़कर सात कार्टून अवैध विदेशी शराब कुल मात्रा 57.420 लीटर अवर निरीक्षक मध निषेध विभाग के अरविंद प्रसाद की टीम ने छापामारी के दौरान बरामद करते हुए अभियुक्त विनोद सिंह को गिरफ्तार किया गया। अभियोजन पक्ष के ओर से उत्पाद विभाग के अधिवक्ता पंकज कुमार ने बहस किया। वही बचाव पक्ष के ओर से अधिवक्ता विश्व विजय कुमार ने बहस किया। इस मामले में अधिवक्ता ने अपने मुवक्किल को बचा नही सके और अभियुक्त का जेल जाना पड़ा।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सह राजस्व और भूमि सुधार मंत्री डॉ.दिलीप जायसवाल की दो टूक, 'अधिकारी खुद सुधर जाएं नहीं तो सुधार दिया जाएगा'

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

- अगले दो से तीन महीने में पेंडिंग कार्यों को निष्पादित कर लिया जाएगा : डॉ. दिलीप जायसवाल
- मैं कार्रवाई करने में पीछे नहीं रहता, यही मेरी पहचान : डॉ.दिलीप जायसवाल

पटना, 28 नवंबर। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सह बिहार के राजस्व और भूमि सुधार मंत्री डॉ. दिलीप जायसवाल ने आज एक प्रश्न के जवाब में कहा कि भ्रष्टाचार किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को चेतावनी देते हुए कहा कि वे खुद सुधर जाएं नहीं तो उन्हें सुधार दिया जाएगा।भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. दिलीप जायसवाल ने कहा कि अंचलाधिकारी का काम राजस्व से अधिक प्रशासनिक कार्यों में होता है। उन्होंने स्वीकार किया कि लोकसभा चुनाव के कारण काम पेंडिंग हो गया। लेकिन, अब सरकार ने सभी सीओ, डीसीएलआर, डीएम और कमिशनर को पत्र जारी किया है कि किसी भी परिस्थिति में जो भी मामले पेंडिंग हैं उसको जल्द से जल्द निपटारा करवाएं। उन्होंने दावा करते हुए कहा कि अगले दो से तीन महीने में पेंडिंग कार्यों को निष्पादित कर लिया जाएगा।एक अन्य सवाल के जवाब में उन्होंने सदन में कहा, "मैं राजस्व मंत्री के तौर पर इसी लिए जाना जाता हूं कि मैं कार्रवाई करने में पीछे नहीं रहता हूं। बिहार के अंचलाधिकारी और उनके समकक्ष ग्रेड के 180 पदाधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की गई है। 149 सीओ का वेतन रोक दिया गया है। अधिकारी या तो खुद सुधर जाएं या फिर उनको सुधार देंगे।विपक्ष के टोकाटोकी के बीच उन्होंने यह भी कहा कि अब मेरा मुंह मत खुलवाइए कि विभाग को किसने गड़बड़ाया। मैं मुंह नहीं खोलना चाहता। मंत्री डॉ. दिलीप जायसवाल ने आगे कहा कि एक- एक पदाधिकारी काम करेंगे, नहीं तो उन पर कारवाई की जाएगी। उन्होंने विपक्ष के सदस्य को आश्वस्त करते हुए कहा कि अधिकारियों की सूची काफी लंबी है कि कितने लोगों को हमने ट्रैप किया और गिरफ्तार किया।उन्होंने विपक्ष के सदस्य से कहा कि आप जितना चाहते हैं, उससे ज्यादा होगा।

रजवा पंचायत से पैक्स अध्यक्ष पद चुनावीं मैदान में रामनाथ कुमार

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

समस्तीपुर। जिले के ताजपुर प्रखंड के रजवा पंचायत से पैक्स अध्यक्ष पद पर समाजसेवी रामनाथ कुमार ने चुनावी मैदान में कूद पड़े हैं वे जो भी वार्डों में जा रहे हैं उन्हें आम मतदाताओं और किसानों का भरपूर सहयोग मिल रहा है। इसी से अंदाजा लगाया जा रहा है कि इस बार रामनाथ कुमार पैक्स अध्यक्ष पद कामयाब होंगे। पूछे जाने पर उम्मीदवार ने बताया कि पूर्व के पैक्स अध्यक्ष द्वारा किसानों को कोई लाभ नहीं मिला इसलिए यहां के किसान मतदाताओं में पूर्व के पैक्स अध्यक्ष के प्रति नाराजगी देखी जा रही है और के मतदाताओं ने नए अध्यक्ष चुनने के मन बना लिया है। उन्होंने बताया कि अगर रजवा पंचायत की जनता मुझे जिताती है तो किसी भी किसान को खेती करने के लिए परेशानी नहीं होगी और उन्हें ससमय और सरकारी दर पर खाद, यूरिया और कीट नाशक दवा उपलब्ध कराया जाएगा। इधर उन्होंने शिकायत करते हुए बताया कि मुझे पूर्व में किताब छाप आवंटित किया गया था जो अब बदलकर ईंट छाप कर दिया गया है।इस संबंध में उम्मीदवार रामनाथ कुमार ने गुरुवार को जिलाधिकारी को आवेदन देकर केंद्रीय चुनाव एवं राज्य चुनाव आयोग से लिखित शिकायत की है।

किसान की समस्या मेरी समस्या : बलवंत सिंह पप्पू पैक्स अध्यक्ष पद पर विजयी बनाने कि अपील की

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। पैक्स चुनाव में अध्यक्ष पद के लिए बलवंत सिंह पप्पू एक ऐसे नेता हैं जिन्होंने हमेशा किसानों के हक के लिए संघर्ष किया है। वे पिछले कई वर्षों से किसानों के मुद्दों को उठाते आये हैं और उनके जीवन को बेहतर बनाने के लिए लगातार कार्यरत रहे हैं। उनका मानना है कि किसानों की समस्याओं का समाधान केवल राजनीति के माध्यम से नहीं, बल्कि उनके साथ मिलकर और उनकी आवाज को हर मंच पर उठाकर ही संभव है। बलवंत सिंह पप्पू ने हमेशा किसानों के संघर्षों को समझा है और उनके समस्याओं के समाधान के लिए काम किया है। चाहे वो कृषि में आधुनिक तकनीक का समावेश हो या फिर खेती के लिए उचित मूल्य की सुनिश्चितता, हमेशा किसानों के अधिकारों के लिए अपनी आवाज बुलंद की है। उनके नेतृत्व में किसानों को खूब लाभ मिला हैं और उनकी समस्याओं का समाधान वास्तविक रूप से होगा। उन्होंने कई बार यह साबित किया है कि उनका दिल किसानों के साथ धड़कता है। यदि वे पैक्स अध्यक्ष पद पर चुनाव फिर से जीतकर आते हैं तो वे हमेशा किसानों के बीच रहेंगे और उनकी समस्याओं को अपनी समस्याओं के रूप में समझकर न केवल उनकी मदद करेंगे, बल्कि उनके लिए एक स्थिर और समृद्ध भविष्य की दिशा में काम करेंगे। बलवंत सिंह पप्पू का उद्देश्य केवल एक नेता बनना नहीं है, बल्कि किसानों की परिस्थितियों को बेहतर

बनाना है। वे मानते हैं कि हमारे देश की असली शक्ति हमारे किसान हैं। यदि किसान खुशहाल होंगे, तो देश खुशहाल होगा। इसलिए उन्होंने हमेशा यह सुनिश्चित किया है कि किसानों को सभी जरूरी संसाधन, सुविधाएं और मदद मिले। उनका उद्देश्य किसानों को न केवल उनके अधिकार दिलवाना है, बल्कि उनकी जीवनशैली में भी सुधार करना है। बलवंत सिंह पप्पू की प्राथमिकता यह रही है कि वे किसानों के साथ काम करें और उनके समस्याओं के समाधान के लिए ठोस कदम उठाएं। उन्होंने कई योजनाओं को किसानों के फायदे में लागू करने की कोशिश की है और उनका कहना है कि पैक्स के अध्यक्ष बनने के बाद वे और भी अधिक प्रभावी तरीके से किसानों की मदद कर सकेंगे। उनका यह विश्वास है कि एक मजबूत पैक्स संस्था किसानों के हितों की रक्षा कर सकती है और कृषि क्षेत्र में सुधार ला सकती है। इसलिए उन्होंने कहा कि मुरदपुरपुर बंगरा पंचायत के सभी पैक्स मतदाताओं से अनुरोध करते हैं कि वे अपना बहुमूल्य वोट दें। उनका चुनावी जीत केवल उनकी नहीं, बल्कि हमारे किसानों की भी जीत होगी। बलवंत सिंह के नेतृत्व में पैक्स संस्था और किसानों के लिए एक नया सवेरा होगा। उनका विजयी होना किसानों के लिए आशा और विश्वास का प्रतीक होगा। उनका उद्देश्य न केवल किसानों की समस्याओं को दूर करना है, बल्कि उनके जीवन स्तर को ऊंचा उठाना है। यदि हम सभी मिलकर समर्थन देते हैं, तो हम न केवल एक सशक्त नेतृत्व को चुनेंगे, बल्कि हमारे किसानों के लिए एक उज्जवल भविष्य की ओर एक कदम और बढ़ाएंगे। इसलिए हम सभी से निवेदन करते हैं कि वे बलवंत सिंह पप्पू को अपने मतों से जितायें, ताकि पैक्स संस्था को एक मजबूत और किसान - हितैषी नेतृत्व मिल सके।

डीएम ने की रिसोर्स पर्सन पैनल को लेकर बैठक

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। जिलाधिकारी रोशन कुशवाहा की अध्यक्षता में उनके कार्यालय प्रकोष्ठ में शिक्षा विभाग अंतर्गत केआरपी अर्थात की रिसोर्स पर्सन के पैनल के अनुमोदन संबंधी बैठक की गई। विदित हो कि प्रत्येक प्रखंड में एक की रिसोर्स पर्सन का चयन किया जाना है पूर्व में 11 प्रखंडों में की रिसोर्स पर्सन कार्यरत है शेष 9 प्रखंडों में इनका चयन किया जाना है, जिसके लिए पैनल अनुमोदन समिति की बैठक की गई एवं पूर्व में प्राप्त आपत्तियों का निराकरण करते हुए पैनल को अनुमोदित किया गया। जिलाधिकारी द्वारा जिला शिक्षा पदाधिकारी को निर्देश दिया गया कि सूची को जिला के वेबसाइट पर प्रदर्शित करना सुनिश्चित करेंगे। बैठक में अपर समाहर्ता लोक शिकायत निवारण शशिकांत पासवान, जिला शिक्षा पदाधिकारी कामेश्वर प्रसाद, जिला कार्यक्रम पदाधिकारी स्थापना नरेंद्र कुमार, जिला मत्स्य पदाधिकारी नियाजुद्दीन एवं अन्य संबंधित पदाधिकारी मौजूद थे।

जल जमाव के कारण बाईक से गिरे अमीन, उपचार जारी

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। जिले के वारिसनगर थाना क्षेत्र के डरसूर पंचायत के बल्लीपुर गांव स्थित सड़क पर लगे पानी में गिरने से अंचल अमीन चंदेश्वर सिंह घायल हो गये। जिनका उपचार निजी क्लीनिक में कराया गया है। मिली जानकारी के अनुसार अमीन चंदेश्वर सिंह बुधवार को अपने बाईक से बांसडीह कोई काम से गए थे। वहां से अपना काम निपटाने के बाद संध्या अपने घर डरसूर वापस आ रहे थे। जैसे ही वह बल्लीपुर के पास पहुंचे की सरपंच उमेश राय के घर के पास लगे पानी में उनका बाईक फिसल गया और उक्त स्थान पर गिर गये जिससे उनका पैर फैक्चर हो गया, जिनका उपचार चल रहा है। बताया जाता है कि डरसुर पंचायत के सरपंच उमेश राय के घर का पानी सड़क पर फेंका जाता है जिससे आए दिन कोई न कोई राहगीर हादसे का शिकार हो रहे हैं। हद तो इस बात का है कि उक्त स्थान पर जल जमाव रहता है और हथौड़ी पंचायत के मुखिया राम बालक राय मूक दर्शक बने रहते हैं। यहां के जनप्रतिनिधि का यह हाल है तो आम जनता का क्या हाल होगा।

अपनी मांगों को लेकर राजद कार्यकताओं ने दिया धरना

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। जिला मुख्यालय स्थित सरकारी बस पड़ाव के सामने राजद कार्यकताओं ने गुरुवार को एक दिवसीय धरना दिया। धरना की अध्यक्षता राजद जिलाध्यक्ष सह पूर्व विधान पार्षद रोमा भारती व संचालन जिला राजद प्रधान महासचिव विपीन सहनी ने की। प्रदर्शन कर रहे राजद नेताओं ने आरक्षण के मुद्दे पर प्रदेश की नीतीश सरकार और केंद्र की मोदी सरकार पर जमकर निशाना साधा। इसके साथ ही सरकार पर संविधान विरोधी सोच के तहत काम करने का आरोप भी लगाया। धरना को संबोधित करते हुए राजद जिलाध्यक्ष सह पूर्व विधान पार्षद रोमा भारती ने कहा कि बिहार में जाति आधारित गणना के बाद आरक्षण का दायरा बढ़ाया गया। नौकरियों और उच्च शिक्षण संस्थानों में आरक्षण को बढ़ाकर 65 प्रतिशत कर दिया गया। जाति सर्वेक्षण के निष्कर्षों के आधार पर तत्कालीन

महागठबंधन की सरकार ने अनुसूचित जातियों के लिए कोटा बढ़ाकर 20 प्रतिशत, अनुसूचित जनजातियों के लिए दो प्रतिशत, अत्यंत पिछड़ा वर्ग के लिए 25 प्रतिशत और पिछड़ा वर्ग के लिए 18 प्रतिशत कर दिया। मगर राज्य सरकार के नकारात्मक रवैये और न्यायालय में सही तरीके से बातों को नहीं रखने के कारण न्यायालय ने इस पर रोक लगा दी है। उन्होंने कहा कि भाजपा आरक्षण विरोधी है तथा भाजपा सरकार में संविधान, लोकतंत्र तथा कौमी एकता खतरे में है। अगर बढ़े हुए आरक्षण को संविधान की नौवीं अनुसूची में शामिल कर लिया जाता है तो न्यायायिक प्रक्रिया पर स्वतः रोक लग जाएगी, लेकिन भाजपा तथा जनता दलयू ऐसा नहीं चाहती है। उन्होंने कहा कि देश की मौजूदा केंद्र सरकार और बिहार की राज्य सरकार अपनी संविधान विरोधी सोच और मानसिकता पर जिस प्रकार का काम कर रही है, उससे लग रहा है कि सरकार आरक्षण कोटि को समाप्त करना चाह रही है। राष्ट्रीय जनता दल पहले की तरह इस लड़ाई को लड़ती रहेगी और अंजाम तक ले जाएगी। राष्ट्रीय जनता दल ने इस मामले को सर्वोच्च न्यायालय में वाद दाखिल किया है। वंचित लोगों की हक की लड़ाई के लिए राजद का एक - एक कार्यकर्ता अपनी जिम्मेदारी पूर्वक कार्य कर रहा है। प्रदर्शनकारियों ने बिहार में बढ़ी हुई आरक्षण सीमा को जल्द से जल्द लागू करने की मांग की। इसके साथ ही केंद्र की भाजपा सरकार से इसे नौवीं अनुसूची में शामिल करने की मांग भी की गई। धरना में प्रांतीय महासचिव प्रेम प्रकाश शर्मा, राजद अति पिछड़ा प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष अरविन्द सहनी, उजियारपुर संगठन जिलाध्यक्ष राजेश्वर महतो, जिला प्रधान महासचिव विपीन सहनी, वरीय उपाध्यक्ष चंद्रिका प्रसाद सिंह, वरीय नेता प्रोफेसर राजेन्द्र भगत, पूर्व जिलाध्यक्ष राजेन्द्र सहनी, मिथिला डेयरी के अध्यक्ष उमेश राय, वरीय नेता मदन राय, जिला राजद प्रवक्ता राकेश कुमार ठाकुर, जिला उपाध्यक्ष राम विनोद पासवान, राजद अनुक्ष जाति/जनजाति प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष सत्यविन्द पासवान, जिला उपाध्यक्ष ललन यादव, वरीय नेत्री विभा देवी,

आतिश बाजी के कारण घर में लगी आग, लोगों ने किया आग पर काबू

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

विद्युत बहाल कराया गया कल्याणपुर प्रखंड क्षेत्र के अजना पंचायत के वार्ड संख्या 6 में बुधवार की रात डीजे गाड़ी के साथ बरात में आतिशबाजी करने को लेकर लगभग 11:00 बजे रात में गांव के ही उचित राय के घर में अचानक आग लग गई और शोर शराबा करने पर काफी संख्या में ग्रामीण के जुटने के बाद आग पर काबू पाया गया

समस्तीपुर। पटाखे से घर में लगी आग काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया, वहीं दूसरी ओर विद्युत पोल टूटा, कनीय अभियंता की उपस्थिति में पुनः विद्युत बहाल कराया गया कल्याणपुर प्रखंड क्षेत्र के अजना पंचायत के वार्ड संख्या 6 में बुधवार की रात डीजे गाड़ी के साथ बरात में आतिशबाजी करने को लेकर लगभग 11:00 बजे रात में गांव के ही उचित राय के घर में अचानक आग लग गई और शोर शराबा करने पर काफी संख्या में ग्रामीण के जुटने के बाद आग पर काबू पाया गया अन्यथा बड़ा हादसा हो जाता। वहीं दूसरी ओर डीजे गाड़ी के विद्युत तार में गाड़ी फंसने को लेकर विद्युत पोल झुकते हुए हजम टोली में मिंटू ठाकुर दिनेश ठाकुर भीम ठाकुर आदि के घर में लगे विद्युत संपर्क भंग हो गये भाग अच्छा था कि लोग सोए हुए लोगों को नींद टूट गई अन्यथा बड़ा हादसा हो जाता। कनीय अभियंता कुणाल कुमार द्वारा मानव बल को सूचना मिली। गुरुवार की सुबह आकर बिजली पोल बदलते हुए बिजली आपूर्ति व्यवस्था बहाल कराया गया।

छह पैक्स अध्यक्षों ने बचाया अपना ताज, तीन पैक्स को मिले नये अध्यक्ष, समर्थकों में जश्न, जमकर उड़े रंग गुलाल

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। जिले के विद्यापतिनगर प्रखंड अंतर्गत 09 पैक्सों में कराए गये चुनाव का परिणाम गुरुवार को घोषित कर दिया गया। चुनाव परिणाम जानने व अपने प्रत्याशियों के समर्थन में मतगणना केंद्र पर लोगों की भारी भीड़ अहले सुबह से ही लगी रही। जारी चुनावी परिणाम में हरपुर बोचहा पैक्स से अध्यक्ष पद पर नौवीं बार सुरेंद्र प्रसाद सिंह, बंगराहा पैक्स से चौथीं बार मुन्ना कुमार तथा बढ़ौना पैक्स से बिहार किसान यूनियन के संयोजक कुणाल कुमार तीसरी बार जीत दर्ज करने में सफल रहे। साहित पैक्स से निवर्तमान मंडल भाजपा अध्यक्ष

प्रकाश कुमार पिंटू ने जीत दर्ज की। उन्होंने निकटतम प्रतिद्वंद्वी मनीष कुमार को 56 मतों से पराजित किया। मऊ धनेशपुर दक्षिण पैक्स से रामबिहारी सिंह पप्पू ने दूसरी बार बड़ी जीत दर्ज करते हुए निकटतम प्रतिद्वंद्वी रजनीश प्रकाश को एकतरफा मुकाबले में बड़े अंतर से पराजित किया। सिमरी पैक्स अध्यक्ष पद पर मनोज कुमार को 746 मतों से जीत मिली। वाजिदपुर पैक्स से श्याम सुंदर गुप्ता को 368 मत मिले। उन्होंने निकटतम प्रतिद्वंद्वी धर्मशिला देवी को 192 मत से हराया। सोठगामा पैक्स से मुन्ना कुमार ने चौथी बार जीत दर्ज की। उन्होंने निकटतम प्रतिद्वंद्वी जितेंद्र कुमार राय को 39 मत से पराजित किया। बंगराहा पैक्स से राजेश्वर राय को 687 मत मिले। उन्होंने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी को 302 मत से हराया। वहीं शेरपुर ढ़ेपुरा पैक्स से रामशकिल चौधरी पहली बार अध्यक्ष चुने गये। मतगणना कार्य में सुरक्षा की कड़ी व्यवस्था की गई थी। सीओ कुमार हर्ष, थानाध्यक्ष फिरोज आलम, एसआई कृष्णानंद झा सहित अन्य पुलिस अधिकारी मौजूद रहे। प्रखंड निर्वाचन पदाधिकारी सह बीडीओ महताब अंसारी, सहायक निर्वाचन अधिकारी सह बीपीआरओ अमित कुमार, एमओ राजेश कुमार भगत, कल्याण पदाधिकारी विक्रम कुमार, सांख्यिकी पदाधिकारी रंजीत कुमार, संजय कुमार आदि मतगणना स्थल विद्यापति उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मऊ वाजिदपुर दक्षिण पर मुस्तैद रहे। उधर चुनाव परिणाम के बाद नव निर्वाचित अध्यक्षों व प्रबंधकारिणी सदस्यों ने विद्यापतिधाम उगना महादेव मंदिर में जाकर पूजा अर्चना किया। रंग

समस्तीपुर: गंगा नदी में टीले से नाव टकराया, दो शिक्षिका जख्मी, आधा दर्जन बाइक नदी में समाया

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मोहम्मद जुबैर

समस्तीपुर जिले के मोहनपुर में गंगा नदी में नाव हादसा हुआ है। हालांकि नाव पर सवार लोग बाल-बाल बच गए। नदी के अंदर स्थित टीले से टकराने से नाव असंतुलित हो गयी थी। जिससे नाव से स्कूल जा रही दो शिक्षिका जख्मी हो गयी। वहीं करीब आधा दर्जन बाइक नदी में गिर गयी।जानकारी के अनुसार, नाव मोहनपुर के रसलपुर घाट से हरदासपुर जा रही थी। नाव पर करीब 70 लोग सवार थे। जिसमें से करीब 20 शिक्षक व शिक्षिका थीं। शिक्षकों की बाइक भी नाव पर ही थी।बताया गया है कि हादसे में राजकीय उत्क्रमित माध्यमिक स्कूल हरदासपुर की शिक्षिका नूतन कुमारी का पैर टूट गया जबकि शिक्षिका वैशाली को भी जख्म आया। दोनों को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया है।

मशरक में 9 पंचायतों में पैक्स चुनाव की मतगणना शांतिपूर्ण संपन्न , जीतें को दिया गया प्रमाण पत्र

वरिष्ठसंवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

मशरक प्रखंड के 9 पंचायतों में पैक्स चुनाव का मतगणना कार्य शांतिपूर्ण तरीके से सम्पन्न हो गया। निवार्ची पदाधिकारी बीडीओ पंकज कुमार के निर्देश पर हुए मतगणना में 9 पंचायतों में 3 पंचायत को छोड़ सभी पर निर्वतमान पैक्स अध्यक्षों ने बाजी जीत ली। मौके पर थानाध्यक्ष अजय कुमार ने सुरक्षा व्यवस्था में भारी संख्या में पुलिस बल लगाएं गये थें। परिणाम की जानकारी के लिए सुबह से ही समर्थकों की भीड़ मतगणना स्थल के बाहर उमड़ पड़ी। मतगणना में सेमरी पैक्स से कुमार सौरभ सिंह, पूर्वी पैक्स से शीला देवी, डुमरसन पैक्स से संजय प्रसाद, अरना पैक्स से अजय कुमार, जजौली पैक्स से मधुबाला कुमारी, बहरौली पैक्स से सुरेन्द्र सिंह, मदारपुर पैक्स से उपेन्द्र सिंह, बंगरा पैक्स से अनिता देवी, सोनौली पैक्स से विजेन्द्र तिवारी ने जीत दर्ज की। जिन्हें निवार्ची पदाधिकारी बीडीओ पंकज कुमार ने जीत का प्रमाण पत्र सौंपा। मौके पर सीओ सुमंत कुमार, पंचायती राज पदाधिकारी आकांक्षा कुमारी, बीसीओ श्री कांत समेत अन्य मौजूद रहें। जीत की घोषणा के साथ समर्थकों में खुशी की लहर दौड़ गई तो हार के बाद अभ्यर्थी के समर्थक निराशा देखे गये। जीत की घोषणा के बाद नव निर्वाचित अध्यक्ष के बाहर आने पर समर्थकों ने जमकर खुशी मनाई। समर्थकों ने नवनिर्वाचित को गुलाल अबीर और फूल माला से ढक दिया। निवार्ची पदाधिकारी बीडीओ पंकज कुमार के निर्देश पर हुए मतगणना में 9 पंचायतों में 3 पंचायत को छोड़ सभी पर निर्वतमान पैक्स अध्यक्षों ने बाजी जीत ली। मौके पर थानाध्यक्ष अजय कुमार ने सुरक्षा व्यवस्था में भारी संख्या में पुलिस बल लगाएं गये थें।

जमीनी विवाद में मारपीट में दंपति घायल

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

मशरक थाना क्षेत्र के सियरभुक्का पश्चिम टोला गांव जमीनी विवाद में जबरदस्ती मिट्टी गिराने से रोकने पर मारपीट में दंपति घायल हो गए। घायल सियरभुक्का पश्चिम टोला गांव निवासी 32 वर्षीय बहारण राय और 30 वर्षीय बबुन्ती कुमारी हैं। घायल पति-पत्नी का इलाज सीएचसी मशरक में चिकित्सक डॉ एस के विधार्थी ने किया। घायल दंपति ने बताया कि दोनों दरवाजे पर थे उसी दौरान गांव के ही सुनिल राय समेत अन्य उसकी जमीन पर जबरदस्ती मिट्टी गिराने लगा। जिसका विरोध करने पर धारदार हथियार से वार कर घायल कर दिया गया मामले में थाना पुलिस को आवेदन देने की बात बताई गयी।

भगवानपुर प्रखंड में पैक्स निर्वाचन को लेकर मतदान कर्मियों को उपलब्ध कराई सामग्री, आज मतदान

वरिष्ठसंवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
चंद्रकिशोर पासवान

पैक्स चुनाव को लेकर तीसरे चरण के तहत होने वाले पैक्स निर्वाचन 2024 को लेकर प्रशासनिक सभी तैयारियां अंतिम चरण में है। मतदान आज शुक्रवार को होगा। प्रखंड क्षेत्र के 15 पैक्सों में कुल 12 पैक्सों में मतदान किया जाना है। वहीं रसलपुर पैक्स से निवर्तमान पैक्स अध्यक्ष सिकंदर चौधरी के अलावे दूसरे लोगों द्वारा नामांकन नहीं कराए जाने से रसलपुर पैक्स से निर्विरोध अध्यक्ष निर्वाचित होने की संभावना है। वहीं महेशपुर पैक्स में चुनाव तत्काल स्थगित हो गया। वहीं बनवारीपुर पैक्स चुनाव का अवधि पूर्ण नहीं हुआ है। प्रखंड क्षेत्र में कुल 32 मतदान केंद्र बनाए गये है। जहां अध्यक्ष पद के 37 एवं प्रबंध कार्यकारिणी सदस्य पद के 133 उम्मीदवारों के भाग्य का फैसला 18576 मतदाता करेंगे। इसके सफल संचालन व निष्पक्ष एवं पारदर्शिता ढंग से सम्पन्न कराने को लेकर मतदान कर्मियों को सामग्री वितरण डिस्पैच स्थल प्रखंड मुख्यालय स्थित बाइट भवन को बनाया गया था। जहां शिक्षक पंकज कुमार, मनोज कुमार साह, चंदन कुमार, नदीम, दिलीप कुमार, पंकज कुमार के साथ प्रतिनियुक्ति कर्मियों के द्वारा सभी मतदान कर्मियों को मतदान से संबधित सामग्री उपलब्ध कराई गई। प्रखंड निवार्ची पदाधिकारी सह प्रखंड विकास पदाधिकारी धर्मवीर कुमार प्रभाकर ने बताया कि निष्पक्ष एवं स्वच्छ तथा पारदर्शी ढंग से चुनाव कराने को लेकर सभी तैयारियां पूरी कर ली गई है। निर्वाचन को लेकर प्रतिनियुक्ति सभी मतदान कर्मियों को पोलिंग पार्टी मिलान के साथ मतदाता सूची, मतपेटिका सहित अन्य सामग्री उपलब्ध करा दी गई है।

स्कॉर्पियो और एक्सयूवी कार में जोरदार टक्टर चिकित्सक और आर्मी जवान घायल

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मोहम्मद आरीफ

सिवान 28 नवम्बर बृहस्पतिवार। सिवान के महादेवा ओपी थाना क्षेत्र के दरोगा हाता स्टेट हाइवे पर दो गाड़ियों के आमने सामने जोरदार टक्कर हुई। जिसमें सिवान शहर के मशहूर ईएनटी चिकित्सक डॉक्टर एमडी शादाब और स्कॉर्पियो चला रहे आर्मी जवान गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनो गाड़ियों के आमने सामने टक्कर में गाड़ियों के परखच्चे उड़ गए। दोनो घायलों को सिवान सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया। वही स्थानीय थाना महादेवा ओपी को सूचना दी गई। स्थानीय थाना की पुलिस घटना स्थल पर पहुंची और बीच सड़क से गाड़ियों को साइड में हटा कर आवा गमन को बहाल किया। स्थानीय लोगों के सहयोग से घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया। महादेवा ओपी थाना प्रभारी ने बताया की अभी दोनों में से किसी का आवेदन नहीं मिला है। आवेदन मिलते ही आगे की कार्यवाई की जाएगी।

मशरक के विनीत आनंद रजिस्टार, सलोनी कश्यप बनी ब्लॉक वेलफेयर ऑफिसर, शिक्षिका पुत्री ज्योति बनी राजस्व अधिकारी गांव एवं परिवार में खुशी का माहौल

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

बिहार लोक सेवा आयोग की परीक्षा में मशरक के युवाओं ने लहराया परचम। मशरक के पकड़ी गांव निवासी भूतपूर्व सैनिक स्वर्गीय अवधेश तिवारी माता मंजू देवी के पुत्र विनीत आनंद बिहार लोक सेवा आयोग की परीक्षा में अपने कैटगरी में पांचवा स्थान पाकर रजिस्ट्रार के पद पर चयनित हुए हैं। तीन बहन में छोटे विनीत की बड़ी बहन किरण कुमारी है वही दूसरी बहन प्रिया कुमारी शिक्षिका जबकि छोटी बहन प्रीति कुमारी चार वर्ष पूर्व पुलिस सब इंस्पेक्टर बनी। विनीत ने मैट्रिक तक पढ़ाई उच्च विद्यालय बहुआरा से किया । बोर्ड परीक्षा में जिला टॉपर रहे।

दूसरी ओर मशरक तख्त गांव निवासी आदर्श मध्य विद्यालय के शिक्षक संजय कुमार एवं पूर्व सरपंच सरोज देवी की पुत्री सलोनी कश्यप ने बेहतर परिणाम के साथ बीपीएससी पास कर प्रखंड वेलफेयर ऑफिसर के पद पर चयनित हुई है। शालिनी ने 12 वी तक की पढ़ाई प्लस टू उच्च विद्यालय मशरक से की । 10 एवं 12 वी बोर्ड में जिला में टॉपर सूची में शामिल रही। मशरक पूरब टोला निवासी पूर्व प्रधानाध्यापक रामेश्वर सिंह रामेश्वर सिंह एवं चिंता देवी की पोती एवं प्रधानाध्यापिका सावित्री कुमारी और अजय कुमार सिंह की बेटी ज्योति कुमारी ने 69 वें बीपीएससी में राजस्व अधिकारी का पद हासिल कर पूरे परिवार को गौरवान्वित किया है। ज्योति की प्राथमिक शिक्षा दीक्षा गांव के स्कूल से ही रही है इसके बाद ग्रेजुएशन की पढ़ाई केमिस्ट्री से और मास्टर्स की पढ़ाई इन्होंने सोशियोलॉजी से की हैं ।कुछ समय से ये सिविल सर्विस की तैयारी कर रही थीं। ज्योति ने सफलता का श्रेय अपनी मां को देते हुए कहा की इन्हीं के समर्पण और संघर्ष से मैं कुछ कर पायी हुं और आगे भी निरंतर सफलता अर्जित करने को प्रयासरत रहूंगी। ज्योति का पैतृक आवास सीमावर्ती सीवान जिला के भगवानपुर थानांतर्गत मघरी गांव है ।इनकी सफलता पर परिवार एवं गांव में खुशी का माहौल है। परिजनों के अलावे कई प्रबुद्धजन एवं शिक्षकों ने बधाई दी है। बधाई देने वाले में विधायक केदारनाथ सिंह , विधान पार्षद इंजीनियर सच्चिदानंद राय, प्रखंड प्रमुख रविप्रकाश मंटू , प्रखंड मुखिया संघ अध्यक्ष अजीत सिंह के अलावे बगिश तिवारी , शिक्षक संतोष कुमार सिंह , अनिमेष मोहन, संजीव कुमार , मुकेश कुमार मिंटू, उमेश तिवारी शंभू नाथ तिवारी ,संतोष तिवारी ,देवी शरण तिवारी, सत्यदेव तिवारी ,डॉ रामेश्वर ठाकुर सहित अन्य शामिल है।

शीत कालीन सत्र में किसान हित में विभूतिपुर विधायक कॉमरेड ने जोरदार वकालत की

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

बिहार विधानसभा में चल रहे शीतकालीन सत्र में पूरक प्रश्न के माध्यम से संबंधित कृषि मंत्री से किसानों को सरकारी उचित व निर्धारित मूल्यों पर खाद की अनुपब्धता तथा कालाबाजारी द्वारा 2000 रुपे प्रति बैग मिलना सरासर अन्याय है तथा इसके लिए सरकार द्वारा क्या उपाय किए जा रहा है, के संबंध में जोरदार तरीके से सदन का ध्यानाकर्षण किया। कॉमरेड अजय कुमार ने उन्हे जिला प्रशासन द्वारा दिए गए खाद की उपलब्धता के आंकड़े और संबंधित कृषि मंत्री द्वारा पेश किए गए आंकड़े पर भी सवाल उठाए। उनने इस बात पर भी आपत्ति दर्ज की कि खाद की उपलब्धता के आंकड़े विपक्ष के विधायक को तत्संबंधी विषय वस्तु पर अलग आंकड़े और कृषिमंत्री द्वारा पेश आंकड़ों में आकाश जमीन का फर्क आखिर क्यों? एक ही प्रदेश में एक ही सदन में एक ही विषय वस्तु पर सरकार की प्रशासनिक एजेंसियों द्वारा प्रदत्त आंकड़े किसान और जनप्रतिनिधियों के आंख में धूल झोंकने जैसे है। कॉमरेड अजय कुमार ने बांका में खाद की आपूर्ति के सदर्व में संबंधित कृषि मंत्री द्वारा पेश आंकड़े 77% बताया जब की विधायक के पास जो आंकड़े जिला प्रशासन द्वारा दिए गए आंकड़े महज 10% ही था। आगे कालाबाजारी पर अंकुश लगाने के लिए अनुश्रवण समिति की बैठक जो पूर्व में होती थी, जो अब जिला कलेक्टर द्वारा नही हो पा रही है इस पर भी सरकार का ध्यानाकर्षण किया गया।

भगवानपुर प्रखंड मुख्यालय में पंचायत समिति अंश से बिना योजना शिलापट लगाए ही कराया जा रहा कार्य डीडीसी ने किया निरीक्षण

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
किशोर पासवान

साक्षरता भवन में मरम्मती सहित रंग रोदन कार्य सहित करीब आधे दर्जन योजनाओं में बिना शिलापट्ट लगाए ही जैसे तैसे करीब आधा दर्जन योजनाओं का क्रियान्वयन किया जा रहा है। जिसका निरीक्षण मंगलवार को दोपहर करीब तीन बजे जदयू प्रखंड अध्यक्ष पिंकी देवी के द्वारा किया गया। पिंकी देवी ने प्रखंड मुख्यालय में कराए जा रहे विभिन कार्यों का बारीकी से निरीक्षण कर बताया

भगवानपुर (बेगूसराय) ' प्रखंड मुख्यालय में पदाधिकारी व जनप्रतिनिधियों के नाक के नीचे पंचायत समिति अंश के लाखो रुपए की राशि से बिना योजना शिलापट्ट लगाए ही प्रखंड मुख्यालय भवन का मरम्मती कार्य व रंग रोदन सहित दो शौचालय निर्माण कार्य, प्रखंड मुख्यालय स्थित सामुदायिक भवन में टाइल्स निर्माण कार्य, प्रखंड मुख्यालय स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के ओपीडी परिसर में शेड निर्माण कार्य, प्रखंड मुख्यालय स्थित साक्षरता भवन में मरम्मती सहित रंग रोदन कार्य सहित करीब आधे दर्जन योजनाओं में बिना शिलापट्ट लगाए ही जैसे तैसे करीब आधा दर्जन योजनाओं का क्रियान्वयन किया जा रहा है। जिसका निरीक्षण मंगलवार को दोपहर करीब तीन बजे जदयू प्रखंड अध्यक्ष पिंकी देवी के द्वारा किया गया। पिंकी देवी ने प्रखंड मुख्यालय में कराए जा रहे विभिन कार्यों का बारीकी से निरीक्षण कर बताया की प्रखंड मुख्यालय में पदाधिकारी व जनप्रतिनिधियों के नाक के नीचे ही जब बिना शिलापट्ट लगाए योजना का जैसे तैसे क्रियान्वयन किया जा रहा है। जिससे यह प्रतीत हो रहा है कि उक्त सभी योजनाओं में कोई पारदर्शिता नहीं है। विभिन्न योजनाओं में पदाधिकारी व जनप्रतिनिधियों की मिली भगत से सरकारी रुपए का बंदर बांट किया जा रहा है। जिसको लेकर पिंकी देवी ने जिलाधिकारी से शिकायत कर जांच करवाते हुए करवाई की मांग की। वहीं बुधवार को डीडीसी सोमेश बहादुर माथुर के द्वारा प्रखंड मुख्यालय के सभी योजनाओं का स्थल पर जाकर निरीक्षण किया गया। और जाचोपरांत कार्रवाई करने की बात कही गई। मौके पर जदयू प्रखंड अध्यक्ष पिंकी देवी, बीडीओ धर्मवीर कुमार प्रभाकर सहित अन्य कर्मी उपस्थित थे।

धान अधिप्राप्ति हेतु नवनिर्वाचित सहित सभी पैक्स अध्यक्षों की बैठक

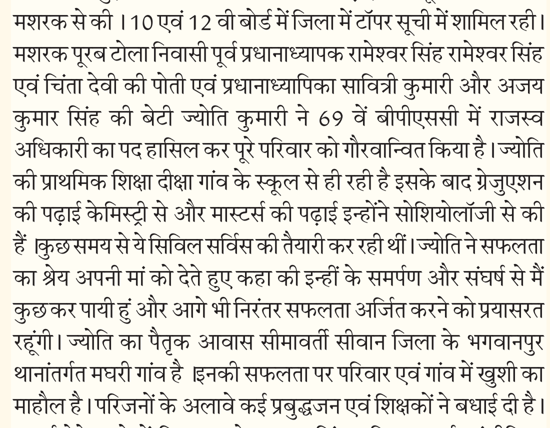

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

पैक्स चुनाव खत्म होते ही धान अधिप्राप्ति शुरू

रोजनामा इंडो गल्फ, वरिष्ठ संवाददाता, चंद्रकिशोर पासवान

नावकोठी (बेगूसराय) ' प्रखण्ड कार्यालय स्थित विमर्श कक्ष में नवनिर्वाचित पैक्स सहित प्रखण्ड के सभी पैक्स अध्यक्षों की वैठक गुरुवार को की गई। वैठक की अध्यक्षता वीसीओ अनिल कुमार चौधरी ने की। बैठक को संबोधित करते हुए बचो ने कहा कि प्रखण्ड के नौ पंचायतों में से सात पंचायतों के पैक्स अध्यक्ष धान अधिप्राप्ति करेंगे ।वहीं दो पंचायत नावकोठी एवं महेशवारा के नव निर्वाचित पैक्स अध्यक्ष कार्यकारिणी की बैठक कर धान अधिप्राप्ति हेतु प्रस्ताव लेगें उसके बाद धान की खरीदारी कर सकेंगे। वैठक में सभी नवनिर्वाचित पैक्स अध्यक्ष को शुभकामनाएं एवं जीत की बधाई दी गई ।वैठक को संबोधित करते हुए पैक्स अध्यक्ष रणवीर कुमार ने कहा सबसे पहला कार्य धान अधिप्राप्ति का है। किसानों को न्युनतम समर्थन मुल्य ?2300 क्विंटल की दर से धान अधिप्राप्ति की जाए एवं गरीब किसानों को वरीयता दी जाए।

बैठक में किसान एवं समिति के समन्वय से पैक्स का संचालन किया जाय ।बैठक में महेशवाड़ा पैक्स अध्यक्ष संजीव कुमार,डफरपुर पैक्स अध्यक्ष राम शंकर सिह, नावकोठी पैक्स अध्यक्ष देवेंद्र प्र० सिंह,हसनपुर बागर पैक्स प्रतिनिधि महेश महतो,रजाकपुर के राजेश कुमार,विशिष्ट अतिथि कुमार गणेश शंकर सिंह,महेश सिंह, तरूण कुमार सिंह, अरविंद कुमार,हरिनंदन कुमार,शिवेश रंजन, ललन कुमार,अंकित कुमार,नन्द किशोर पासवान आदि मोजूद थे।

अवैध शराब से होने वाले हादसों को रोकने के लिये पुलिस का जागरुकता चेतावनी, चौपाल लगाकर बता रहे नुकसान

वरिष्ठसंवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

मशरक थाना क्षेत्र में अवैध शराब पीने से लगातार हुए हादसे को लेकर थाना पुलिस ने इलाके में जागरूकता अभियान में तेजी लाई है। आपकों बता दें कि जहरीली शराब कांड में कई लोगों की जान जा चुकी है तो कई अपनी आंखों की रोशनी गंवा चुके हैं। अवैध जहरीली शराब पीने से होने वाले हादसों पर लगाम लगाने के लिए मशरक पुलिस जनता को जागरूक कर रही है। थानाध्यक्ष अजय कुमार लगातार सरकारी विद्यालयों और ग्रामीण इलाकों में चौपाल लगा कर लोगों को अवैध शराब के नुकसान बता रहें हैं वहीं डॉयल 112 गाड़ी और थाना की गश्ती दल से लोगों को लाउडस्पीकर से जागरुक किया जा रहा है। थानेदार अपनी थाने की गाड़ियों से चलते हुए भी लोगों को अवैध शराब के प्रति जागरुक कर रहे हैं। वहीं गश्ती वाहन पर लाउड स्पीकर लगा कर भी लोगों को अवैध शराब के नुक्सान बताए जा रहे हैं साथ ही अपना मोबाइल नंबर लोगों को बता कर सूचना देने के लिए सहयोग मांग रहें हैं ।पुलिस लोगों को उनकी जान की कीमत बता कर उन्हें ऐसी शराब से बचने की सलाह दे रही है जो उनके लिए घातक हो सकती है।

रात्रि रक्त पट्ट संग्रह में 100 व्यक्तियों का लिया गया ब्लड सैंपल

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
चंद्रकिशोर पासवान

नावकोठी (बेगूसराय) ' प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत समसा पंचायत के बगरस थानसिंह अनिल महतो के दरवाजे पर जिला वेक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम के तहत फाइलेरिया जांच हेतु 8 से 12 बजे के बीच रात्रि ब्लड सर्वे हेतु शिविर का आयोजन किया गया।पीएचसी प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ रामनरेश शर्मा,बीएचएम आनंद ईश्वर,बीसीएम उषा कुमारी एवं पंसस गौतम गोस्वामी ने संयुक्त रूप से फीता काटकर रात्रि रक्त पट संग्रह शिविर का उद्घाटन किया। उद्घाटन के दौरान डॉक्टर शर्मा ने कहा कि जांच के बाद उनके फाइलेरिया ग्रसित होने पर अस्पताल द्वारा आवश्यक चिकित्सकीय सहायता दी जाएगी। फाइलेरिया एक लाइलाज बीमारी है जिसकी पहले से ही पहचान होने पर उन्हें नियंत्रित रखा जा सकता है।इसलिए नाइट ब्लड सर्वे में ज्यादा से ज्यादा लोगों को भाग लेना चाहिए और अपने फाइलेरिया की जांच करवानी चाहिए।उन्होंने बताया कि इसके लिए आशा कर्मियों के द्वारा लोगों के बीच जन - जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है।नाइट ब्लड कलेक्शन शिविर में लोगों को फाइलेरिया ग्रसित होने से होने वाली समस्याओं की जानकारी देते हुए उन्हें पहले से फाइलेरिया की जांच करवाने के लिए जागरूक एवं प्रेरित किया।शिविर के दौरान फाइलेरिया के 100 संदिग्ध व्यक्तियों से ब्लड सैंपल कलेक्शन किया गया।शिविर में सीएचओ विक्रांत कुमार,सूर्यभूषण, काउंसलर राजकुमार सिन्हा,जीएनएम रवि शंकर कुमार,एएनएम रेणु कुमारी,सुपरवाइजर मो जैमूल,एलटी पंकज जोशी आदि थे।

बेतिया राज के जमीन मालिक को बड़ी राहत, अब सरकार ने दी इतने दिनों की मोहलत

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

संबंधित भूमि का खाता और खेसरा नंबर दिया जाएगा। दावा-अपत्ति के लिए संबंधित जिलों में विशेष पदाधिकारी नियुक्त किए जाएंगे। नोटिकेशन के 60 दिनों के अंदर विशेष पदाधिकारी दावा-आपत्ति स्वीकार करेंगे। दावा-आपत्ति दर्ज होने के 90 दिनों के अंदर मामले का निष्पादन कर दिया जाएगा।

पटना : बिहार विधान परिषद् में बेतिया राज की संपत्तियों को निहित करने वाले विधेयक, 2024 को प्रस्तुत करते हुए राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री दिलीप कुमार जायसवाल ने सदन को बताया कि यह कानून किसी के पक्ष या विरोध में नहीं है। कानून नोटिफाई हो जाने के बाद सरकार बेतिया राज की जमीन की सूची सार्वजनिक करेगी। जिसमें संबंधित भूमि का खाता और खेसरा नंबर दिया जाएगा। दावा-अपत्ति के लिए संबंधित जिलों में विशेष पदाधिकारी नियुक्त किए जाएंगे। नोटिकेशन के 60 दिनों के अंदर विशेष पदाधिकारी दावा-आपत्ति स्वीकार करेंगे। दावा-आपत्ति दर्ज होने के 90 दिनों के अंदर मामले का निष्पादन कर दिया जाएगा। सरकार की मंशा किसी को बेघर करने की नहीं है। बल्कि, अतिक्रमित जमीन का उपयोग सर्वहित में विकास को गति देने की है। राज्य के पूर्वी व पश्चिमी चंपारण, सीतामढ़ी, सारण, सिवान, गोपालगंज और पटना जिले में बेतिया राज की 15 हजार 215 एकड़ जमीन है।इसे अतिक्रमण मुक्त कर अस्पताल, मेडिकल कालेज, स्टेडियम, विश्वविद्यालय सहित सामुदायिक परियोजनाओं का निर्माण कराया जाएगा। कानून पास होने से जिला प्रशासन को अतिक्रमण से संबंधित विवाद के निष्पादन में काफी सहूलियत होगी। विधान परिषद् में ध्वनिमत से विधेयक को पास कर दिया गया। इस दौरान मुख्यमंत्री नीतीश कुमार भी सदन में मौजूद थे।

मधुबनी जिला पर्यावरण समिति की बैठक हुई आयोजित

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मो.अबु बकर सिद्दीकी

- मधुबनी जिला पर्यावरण समिति की बैठक हुई आयोजित।
- पर्यावरण संरक्षण हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है। हमें अपने जिले को हरा-भरा और स्वच्छ बनाने के लिए मिलकर काम करना होगा- जिलाधिकारी
- कचरा प्रबंधन के नियमों का सख्ती से करे पालन * .
  खुले में कचड़ा जलाने पर लगेगा जुमार्ना।
- बगैर ढके निर्माण सामग्री ले जा रहे वाहनों पर होगी कार्रवाई।

मधुबनी 28नवम्बर 2024। जिलाधिकारी अरविंद कुमार वर्मा की अध्यक्षता में कल बुधवार की देर शाम समाहरणालय सभा कक्ष में जिला पर्यावरण समिति की बैठक आयोजित की गई।बैठक में जिले में पर्यावरण संरक्षण और संवर्धन के लिए विभिन्न बिंदुओं पर व्यापक चर्चा की गई। जिलाधिकारी ने पर्यावरण संरक्षण के महत्व पर बल देते हुए उपस्थित अधिकारियों से विभागवार जिले में पर्यावरण संरक्षण के लिए किए जा रहे प्रयासों और आगे की रणनीति पर चर्चा किया। जिलाधिकारी ने कहा, "पर्यावरण संरक्षण हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है। हमें अपने जिले को हरा-भरा और स्वच्छ बनाने के लिए मिलकर काम करना होगा। बैठक में सड़क धूलकण प्रबंधन ,ठोस अवशिष्ट प्रबंधन, भवन निर्माण कार्य ,वाहन प्रदूषण, सड़क निर्माण कार्य, पटाखों का उपयोग, यातायात व्यवस्था, फसल अपशिष्ट प्रबंधन आदि पर विस्तृत चर्चा की गई एवं जिलाधिकारी द्वारा कई महत्वपूर्ण निर्देश दिए गए। उन्होंने बैठक में उपस्थित नगर निगम मधुबनी सहित जिले के सभी नगर निकायों के अधिकारियों को निर्देश दिया कि खुले में कचरा जलने पर अविलम्ब कार्रवाई करें और जुमार्ना लगाए। उन्होंने कहा कि शहरी क्षेत्र में खुले में निर्माण सामग्री पर पूर्ण प्रतिबंध लगाए।जिलधिकारी ने नगर निकायों के पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि सड़को पर जल छिड़काव के उपरांत सफाई मशीन से सड़को की सफाई हेतु व्यवस्था करे ताकि धूलकणों से होने वाले प्रदूषण को कमकिया जा सके।उन्होंने उपस्थित भवन निर्माण विभाग आदि के अभियंताओं को निर्देश दिया कि खुले में भवन निर्माण कार्य पर रोक लगाए साथ ही निर्माण सामग्रियों के परिवहन और संग्रहण पर भी विशेष निगरानी रखें। बगैर ढके निर्माण सामग्री ले जा रहे वाहनों पर नियमानुसार कार्रवाई करें। सड़क के किनारे खुले में संग्रहित की गई निर्माण सामग्रियों पर भी नियमानुसार कार्रवाई करें। उन्होंने जिला परिवहन पदाधिकारी को निर्देश दिया कि यह सुनिश्चित करें कि बालू आदि निर्माण सामग्रियों का परिवहन अनिवार्य रूप से ढककर हो। उल्लंघन कर्ता के विरुद्ध अविलम्ब कार्रवाई करें, साथ ही वाहनों के प्रदूषण स्तर। की नियमित रूप से जांच करें । उन्होंने निर्देश दिया कि बिना प्रदूषण सर्टिफिकेट के कोई भी ईंट भट्ठा का संचालन नहीं हो यह सुनिश्चित करें। फसल अपशिष्ट प्रबंधन को लेकर भी जिलाधिकारी ने कई आवश्यक दिशा निर्देश दिए। बैठक में निम्न बिंदुओं पर चर्चा उपरांत व्यापक सहमति बनी।जिले में हरियाली बढ़ाने के लिए व्यापक स्तर पर वृक्षारोपण अभियान चलाने का निर्णय लिया गया। सार्वजनिक स्थलों, स्कूलों, और ग्रामीण क्षेत्रों में पौधारोपण के कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।नदियों, तालाबों और अन्य जल स्त्रोतों को प्रदूषण मुक्त करने के लिए विशेष अभियान चलाने पर सहमति बनी। साथ ही जल संचयन और भूजल स्तर बढ़ाने के लिए तकनीकी उपायों को प्राथमिकता दी जाएगी।ठोस और तरल कचरे के प्रभावी प्रबंधन के लिए नई योजनाओं को लागू करने का निर्णय लिया गया। नगर निकायों को निर्देश दिया गया कि वे कचरा प्रबंधन के नियमों का सख्ती से पालन सुनिश्चित करें.जिलाधिकारी ने औद्योगिक इकाइयों द्वारा पर्यावरण नियमों के पालन की सख्ती से निगरानी करने का निर्देश दिया। औद्योगिक एवं मेडिकल कचड़े के सही निपटान और प्रदूषण नियंत्रण के उपायों को प्राथमिकता दी जाए.प्लास्टिक के उपयोग को रोकने और इसके दुष्प्रभावों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए व्यापक अभियान चलाने का निर्णय लिया गया। विशेष रूप से, सिंगल-यूज प्लास्टिक पर प्रतिबंध को प्रभावी ढंग से लागू किया जाएग. स्कूलों और कॉलेजों में पर्यावरण शिक्षा को सशक्त करने और युवाओं को जागरूक बनाने पर जोर दिया गया। उक्त बैठक में वन प्रमंडल पदाधिकारी दरभंगा,

संक्षिप्त डायरी

पैक्स चुनाव मतगणना शांतीपूर्ण सम्पन्न, जीते हुए प्रत्याशियों ने मनाई खुशी

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मोहम्मद आरीफ

सिवान महाराजगंज दारौंदा 28 नवम्बर बृहस्पतिवार। दुरौंधा प्रखण्ड के 12 पंचायत में पैक्स चुनाव का मतगणना शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हो गया। रसूलपुर पैक्स अध्यक्ष रामेश्वर राय, सिरसांव पैक्स अध्यक्ष संजीव कुमार उर्फ छोटकू सिंह, जलालपुर पैक्स अध्यक्ष राकेश गिरि, पकवलिया पैक्स अध्यक्ष शशि सिंह, कोडारी कला पैक्स अध्यक्ष तारा सिन्हा, पांडेयपुर पैक्स अध्यक्ष विकाश यादव, कोथूआ सारंगपुर पैक्स अध्यक्ष जय नारायण सिंह, शेरही पैक्स अध्यक्ष शिव पारस यादव, बाल बंगरा पैक्स अध्यक्ष जगलाल राय, रूकुन्दीपुर पैक्स अध्यक्ष संजू देवी निर्वाचित हुई। जीतने वाले को प्रमाण पत्र दिया गया। इसमें रसूलपुर पैक्स अध्यक्ष पद पर विजयी रामेश्वर राय को 615 मत मिले।वहीं दूसरे प्रत्याशी कमलेश राय को 575 मत मिले। सिरसांव पैक्स अध्यक्ष पद पर विजयी संजीव कुमार उर्फ छोटकू सिंह को 406 मत। वहीं दूसरे प्रत्याशी संजीव कुमार सिंह उर्फ पिंटू सिंह को 158 मत मिले। जलालपुर पैक्स अध्यक्ष पद पर विजयी राकेश गिरि को 682 मत।वहीं दूसरे प्रत्याशी पप्पू सिंह को 667 मत मिले।पकवलिया पैक्स अध्यक्ष पद पर विजयी शशि सिंह को 667 मत।वहीं दूसरे प्रत्याशी मिथलेश सिंह को 445 मत मिले। कोडारी कला पैक्स अध्यक्ष पद पर विजयी तारा सिन्हा को 344 मत । वहीं दूसरे प्रत्याशी राजेश यादव को 252 मत मिले। पांडेयपुर पैक्स अध्यक्ष पद पर विजयी विकाश कुमार को 772 मत। वहीं दूसरे प्रत्याशी शैलेश यादव को 326 मत मिले। कोथूआ सारंगपुर पैक्स अध्यक्ष पद पर विजयी जयनारायण सिंह को 387 मत मिले। शेरही पैक्स अध्यक्ष पद पर विजयी शिव पारस यादव को 530 मत। वहीं दूसरे प्रत्याशी रत्नेश यादव को 242 मत मिले। बाल बंगरा पैक्स अध्यक्ष पद पर विजयी जगलाल राय को 442 मत। वही दूसरे प्रत्याशी पवन कुमार यादव को 208 मत मिले। जीत के बाद समर्थकों ने खूब अबीर गुलाल लगायारसांव पैक्स अध्यक्ष संजीव कुमार उर्फ छोटकू सिंह, जलालपुर पैक्स अध्यक्ष राकेश गिरि, पकवलिया पैक्स अध्यक्ष शशि सिंह, कोडारी कला पैक्स अध्यक्ष तारा सिन्हा, पांडेयपुर पैक्स अध्यक्ष विकाश यादव, कोथूआ सारंगपुर पैक्स अध्यक्ष जय नारायण सिंह, शेरही पैक्स अध्यक्ष शिव पारस यादव, बाल बंगरा पैक्स अध्यक्ष जगलाल राय, रूकुन्दीपुर पैक्स अध्यक्ष संजू देवी निर्वाचित हुई। जीतने वाले को प्रमाण पत्र दिया गया। इसमें रसूलपुर पैक्स अध्यक्ष पद पर विजयी रामेश्वर राय को 615 मत मिले।वहीं दूसरे प्रत्याशी कमलेश राय को 575 मत मिले। सिरसांव पैक्स अध्यक्ष पद पर विजयी संजीव कुमार उर्फ छोटकू सिंह को 406 मत। वहीं दूसरे प्रत्याशी संजीव कुमार सिंह उर्फ पिंटू सिंह को 158 मत मिले। जलालपुर पैक्स अध्यक्ष पद पर विजयी राकेश गिरि को 682 मत।वहीं दूसरे प्रत्याशी पप्पू सिंह को 667 मत मिले।पकवलिया पैक्स अध्यक्ष पद पर विजयी शशि सिंह को 667 मत।वहीं दूसरे प्रत्याशी मिथलेश सिंह को 445 मत मिले। कोडारी कला पैक्स अध्यक्ष पद पर विजयी तारा सिन्हा को 344 मत । वहीं दूसरे प्रत्याशी राजेश यादव को 252 मत मिले। पांडेयपुर पैक्स अध्यक्ष पद पर विजयी विकाश कुमार को 772 मत। वहीं दूसरे प्रत्याशी शैलेश यादव को 326 मत मिले। कोथूआ सारंगपुर पैक्स अध्यक्ष पद पर विजयी जयनारायण सिंह को 387 मत मिले। शेरही पैक्स अध्यक्ष पद पर विजयी शिव पारस यादव को 530 मत। वहीं दूसरे प्रत्याशी रत्नेश यादव को 242 मत मिले। बाल बंगरा पैक्स अध्यक्ष पद पर विजयी जगलाल राय को 442 मत। वही दूसरे प्रत्याशी पवन कुमार यादव को 208 मत मिले। जीत के बाद समर्थकों ने खूब अबीर गुलाल लगाया

शराब कारोबार को लेकर चली गोली तीन घायल

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। जिले के विभूतिपुर थाना क्षेत्र के साखमोहन में शराब कारोबार को लेकर हुई विवाद में एक पक्ष के लोगों द्वारा फायरिंग की गई। जिसमें दो व्यक्ति घायल हो गये। मामले को लेकर साख मोहन वार्ड संख्या 11 निवासी राहुल पासवान ने स्थानीय थाना में एक आवेदन दिया है। जिसमें गांव के ही आधा दर्जन लोगों को आरोपित किया है। बताया जाता है कि राहुल कुमार 27 नवंबर की संध्या पड़ोस में भोज खाने जा रहे थे, तभी सभी मिलकर खींचकर अपने दरवाजे की ओर ले जाने लगा। मेरे पीछे आ रहे कुंदन कुमार और श्याम पासवान मुझे बचाने का प्रयास किया तभी वे लोग गोली चला दिया जो श्याम कुमार के बांह में और कुंदन कुमार के हाथ में लगी है। मुझे भी पिस्टल से सर में मारकर जख्मी कर दिया। ग्रामीणों के सहयोग से पुलिस के वहां से हमलोगों को उपचार के लिए विभूतिपुर सीएससी में भर्ती कराया गया। कुंदन कुमार एवं श्याम कुमार का उपचार बेगूसराय के निजी क्लीनिक में चल रहा है।

पुलिस के डर से बच्चे को छोड़ भागे किडनैपर्स

गोपालगंज। के थावे थाना क्षेत्र के थावे रेलवे स्टेशन के पास से अपहृत बच्चे को पुलिस ने बरामद किया है। बरामद बच्चे के परिजनों को इसकी सूचना देकर थाना बुलाया गया। उसको मेडिकल जांच के बाद सुपुर्द कर दिया गया। अपने बच्चे को पाकर परिजनों और पुलिस ने राहत की सांस ली। बताया गया कि पुलिस को सूचना मिली कि एक बच्चा थावे रेलवे स्टेशन पर मिला है। मौके पर पहुंची थावे थाना की पुलिस ने जब उसकी पहचान कराई तो वह मीरगंज थाना क्षेत्र के मटिहानी नैन बरई पट्टी निवासी अपहृत बच्चा बबलू कुमार का एक वर्षीय बेटा ऋषभ कुमार निकला। इसे 16 अगस्त को बाइक सवार बदमाशों ने किडनैप कर लिया था।अपहरणकताओं ने पुलिस दबिश के कारण उसे छोड़ा और फरार हो गए थे। खेलने के दौरान ही घर के बाहर से बच्चे का अपहरण हुआ था। मौके पर मौजूद जब उसकी 5 वर्षीय बहन रोते हुई शोर मचाई तब उसकी मां मौके पर पहुंची तब तक अपहरणकर्ता बच्चे को लेकर फरार हो चुके थे। इसकी सूचना पुलिस को दी गई। पुलिस मामले की जांच कर बच्चे की बरामदगी में जुट गई थी। साथ ही हथुआ एसडीपीओ के नेतृत्व में एसआईटी का गठन कर दिया गया था। एसआईटी ने विभिन्न जगहों पर लगे सीसीटीवी को खंगाल कर अपहरणकर्ता का एक फोटो निकाला गया और उस पर 25 हजार का इनाम घोषित किया गया। इसके अलावा लगातार बच्चे की बरामदगी और अपहरणकताओं की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की गई। जिसके बाद पुलिसिया दबिश के कारण आरोपियों ने बच्चा को थावे रेलवे स्टेशन पर छोड़ कर फरार हो गए।

लोगों ने चंदा वसूल 3 लाख में बनाया चचरी पुल

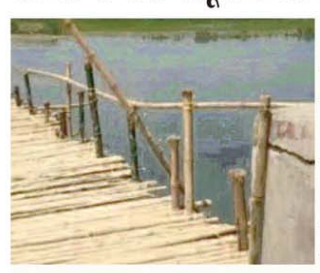

समस्तीपुर। के कल्याणपुर प्रखंड से गुजरने वाली शांति नदी पर बघला गांव के लोगों ने जज्बे का चचरी पुल बनाया है। मानसून शुरू होते ही शांति नदी में आई बाढ़ के कारण चकमेहसी और बघला गांव को जोड़ने वाली डायवर्सन के बह जाने से बघला का प्रखंड मुख्यालय से संपर्क भंग हो गया था। इसी स्थल पर नया पुल का भी निर्माण कार्य चल रहा है, लेकिन नदी में पानी आ जाने के बाद निर्माण कार्य को रोक दिया गया। लोगों के सामने आवागमन के लिए नाव ही एकमात्र सहारा बचा था। जिस कारण ग्रामीणों का कामकाज काफी प्रभावित हो रहा था।बगल गांव निवासी पंकज कुमार बताते हैं कि परेशानी को देखते हुए लोगों ने पंचायत प्रशासन से लेकर प्रखंड प्रशासन को भी मदद की गुहार लगाई। प्रखंड प्रशासन की ओर से नाव की व्यवस्था की गई। इसके बाद लोगों ने आपसी सहयोग कर चचरी का पुल बनाने का निर्णय लिया। ग्रामीणों द्वारा आपसी सहयोग से 3 लाख रुपए चंदा वसूली की गई और ग्रामीणों ने पुल बनाने में खुद मजदूर की भूमिका निभाई और करीब 20 दिनों की कड़ी मेहनत के बाद पुल का निर्माण कर लिया।

रेलवे स्टेशनों पर नई सेवा: 100 से अधिक रेलवे स्टेशनों पर चल रहा प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि केंद्र ।समस्तीपुर मंडल के समस्तीपुर और दरभंगा स्टेशनों पर खुला है ये केंद्र

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मो . अबु बकर सिद्दीकी

रेलवे स्टेशनों पर नई सेवा: 100 से अधिक रेलवे स्टेशनों पर चल रहा प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि केंद्र ।समस्तीपुर मंडल के समस्तीपुर और दरभंगा स्टेशनों पर खुला है ये केंद्र भारतीय रेलवे में बिहार के आरा, हाजीपुर, समस्तीपुर, दरभंगा, छपरा सहित 100 से ज्यादा स्टेशनों पर प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि केन्द्र चल रहे हैं ।

भारतीय रेलवे ने यात्रियों को यात्रा के दौरान सस्ती दवाइयां उपलब्ध कराने के लिए रेलवे स्टेशनों पर भी प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि केंद्र खोलने का निर्णय लिया है। इसका उद्देश्य ह्यकरोड़ों यात्रियों को आपातकाल के दौरान रेलवे स्टेशनों पर सस्ती कीमतों पर दवाइयां उपलब्ध कराना' है।

पिछले कुछ महीनों में, प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि केंद्रों (पीएमबीजेपी) ने 110 से ज्यादा रेलवे स्टेशनों पर सफलतापूर्वक काम करना शुरू कर दिया है। ये समस्तीपुर मंडल के दरभंगा , समस्तीपुर स्टेशन सहित पूमरे में पटना जंक्शन और पंडित दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन पर काम कर रहे हैं।पीएमबीजेपी पहल से यह सुनिश्चित हो रहा है कि हर नागरिक को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा उपलब्ध हो। और रेलवे भी इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है अब इस पहल की सफलता और लोगों के उत्साह को देखते हुए भारतीय रेलवे ने अन्य स्थानों पर भी प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि केंद्र के स्टॉल खोलने का फैसला किया है।

लोगों को सस्ती दवाइयां मिलेंगी

इस महत्वपूर्ण निर्णय से न केवल रोजगार के अवसर पैदा हों रहे हैं बल्कि लोगों को सस्ती कीमतों पर दवाइयां भी मिल रही है।यह योजना लाखों यात्रियों और रेलवे स्टेशनों पर आने वाले आगंतुकों को जन औषधि उत्पादों तक आसानी से पहुँचने में सक्षम बनाती है। इस योजना के तहत, पीएमबीजेके को 'वांछनीय यात्री सुविधा' माना जाता है, और तदनुसार, रेलवे परिचालन के लिए स्टेशनों के परिचालित क्षेत्रों और कॉनकोर्स में स्थान प्रदान करता है। आउटलेट सुविधाजनक स्थानों पर स्थित होते हैं ताकि आने वाले और जाने वाले दोनों यात्री लाभ उठा सकें। संबंधित रेलवे डिवीजनों के साथ ई-नीलामी द्वारा स्टॉल प्रदान किए जाते हैं, और सफल व्यवसायों को दवा की दुकान चलाने के लिए आवश्यक अनुमतियाँ और लाइसेंस प्राप्त करने होते हैं और दवाओं के भंडारण के लिए सभी वैधानिक आवश्यकताओं का पालन करना होता है। गौरतलब है कि

प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि केंद्रों का उद्देश्य सभी लोगों, खासकर गरीबों और वंचितों को सस्ती कीमतों पर गुणवत्तापूर्ण दवाइयां उपलब्ध कराना है। ताकि स्वास्थ्य सेवा में होने वाले खर्च को कम किया जा सके।

प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्रों पर ये सुविधाएं उपलब्ध हैं

प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि केंद्र के अंतर्गत विभिन्न उत्पादों में 2047 दवाइयां और 300 सर्जिकल उपकरण शामिल हैं, जो सभी प्रमुख चिकित्सीय समूहों जैसे कार्डियोवैस्कुलर, एंटी-कैंसर, एंटी-डायबिटिक्स, एंटी-इंफेक्टिव्स, एंटी-एलर्जिक, गैस्ट्रो-इंटेस्टाइनल दवाइयां, न्यूट्रास्युटिकल्स आदि को कवर करते हैं। प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि केंद्र में रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के लिए कई आयुर्वेदिक उत्पाद भी शामिल किए गए हैं और ये लोगों को किफायती दामों पर आसानी से उपलब्ध हैं।

प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्र क्या है

उल्लेखनिय है कि प्रधानमंत्री भारतीय जनऔषधि परियोजना के तहत जन औषधि केंद्रों के माध्यम से केवल गुणवत्तापूर्ण दवाओं की आपूर्ति की जाती है

पिछले 10 वर्षों में, जन औषधि केंद्रों के माध्यम से दवाओं की बिक्री से उपभोक्ताओं को अनुमानित 30,000 करोड़ रुपये की बचत हुईप्रधानमंत्री भारतीय ।जन औषधि परियोजना (पीएमबीजेपी) ने अक्टूबर 2024 में 1000 करोड़ रुपये की बिक्री करके एक उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। यह उपलब्धि सस्ती और गुणवत्तापूर्ण दवाओं पर लोगों के बढ़ते भरोसे और निर्भरता को दशार्ती है। यह केवल नागरिकों के अटूट समर्थन से ही संभव हो पाया है, जिन्होंने देश भर में 14,000 से अधिक जन औषधि केंद्रों से दवाइयां खरीदकर इस पहल को अपनाया है। यह पर्याप्त वृद्धि कम खर्च में स्वास्थ्य सेवा को सभी के लिए सुलभ और सस्ती बनाने की पीएमबीजेपी की प्रतिबद्धता का प्रमाण है।गौरतलब है कि कुछ दिन पहले ही पीएमबीजेपी ने सितंबर 2024 में एक ही महीने में 200 करोड़ रुपये की दवाइयां बेची थीं।विदित हो कि पीएमबीजेपी के तहत आपूर्ति की जाने वाली दवाइयों को विश्व स्वास्थ्य संगठन- गुड मैन्युफैक्चरिंग प्रैक्टिस (डब्ल्यूएचओ-जीएमपी) प्रमाणित आपूर्तिकताओं से ही खरीदा जाता है, ताकि उत्पादों की गुणवत्ता सुनिश्चित की जा सके। गोदामों में पहुंचने के बाद दवाओं के प्रत्येक बैच का परीक्षण ह्यराष्ट्रीय परीक्षण और अंशांकन प्रयोगशाला प्रत्यायन बोर्डह्ल (एनएबीएल) द्वारा मान्यता प्राप्त प्रयोगशालाओं में किया जाता है। गुणवत्ता परीक्षण पास करने के बाद ही दवाओं को जन औषधि केंद्रों (जेएके) में भेजा जाता है। गुणवत्ता मापदंडों को पूरा न करने वाले किसी भी बैच को आपूर्तिकर्ता को वापस कर दिया जाता है। जेएके के माध्यम से केवल गुणवत्तापूर्ण दवाओं की आपूर्ति की जाती है।पिछले 10 वर्षों में ऐसे केन्द्रों की संख्या में 170 गुना से अधिक की वृद्धि हुई है। ये केंद्र 2014 में केवल 80 थे और अब बढ़कर 14,000 से अधिक केन्द्र हो गए है, जो देश के लगभग सभी जिलों और चयनित रेलवे स्टेशनों में फैले हुए है।अगले 2 वर्षों में देश में 25000 जन औषधि केंद्र होंने का अनुमान है। लगभग 1 मिलियन लोग प्रतिदिन इन लोकप्रिय जन-हितैषी केंद्रों पर जा रहे हैं।

मानसून में घर की दीवारों में आ जाती है नमी, तो आज से ही करें ये काम

मानसून आते ही मौसम में ह्यूमिडिटी बढ़ जाती है, जिसके कारण घर की दीवारों का पेंट फूलने लगता है। इससे न सिर्फ दीवारें खराब होती है बल्कि इससे सटाकर रखी गई सामान भी बेकार हो जाती है।

मानसून का मौसम जल्द ही दस्तक देने वाला है। ऐसे में मौसम तो काफी सुहाना रहता है लेकिन इस दौरान अक्सर घरों में सीलन आने लगती है। दीवार पर मौजूद नमी धीरे-धीरे इससे सटे हुए सामान जैसे अलमारी, बेड आदि को खराब कर देता है। दरअसल, बारिश के मौसम में नमी का स्तर काफी बढ़ जाता है। ऐसे में घर की दीवारों को खास देखभाल करने की जरूरत होती है। ह्यूमिडिटी बढ़ने के कारण वॉल पर फफूंद के निशान और अजीब से दुर्गंध आने लगती है। अगर आप इस मानसून घर की दीवारों को खराब होने से बचाना चाहती है तो आज ही कर लें ये काम।

वाटरप्रूफ पेंट का करें इस्तेमाल

घर को सुंदर दिखाने में पेंट का अहम रोल होता है। ऐसे में पेंट करवाते समय वाटरप्रूफ कलर का इस्तेमाल करें। इस तरह से आप एक साथ दो काम कर सकते हैं पहला घर लंबे समय तक सुंदर और दूसरा बरसात से घर को सुरक्षित।

प्लम्बर से नल को कराएं चेक

घर में लगे पानी के टैप को समय-समय पर चेक करें। बारिश का पानी के बजाय कई बार पाइप कनेक्शन से रिसने वाले पानी के कारण दीवार में नमी आती है। ऐसे में दीवार में आने वाली नमी के कारण पेंट फूल कर गिरने लगता है, जिससे गंदगी और स्मेल दोनों बढ़ जाती है।

वेंटिलेशन का रखें ध्यान

बारिश होने के बाद घर की खिड़कियों को जरूर खोल दें। हल्की धूप निकलने पर घर के कपड़े से लेकर मैट परदे आदि को धूप दिखाएं। वेंटिलेशन का खास ख्याल रखें ऐसा करने से आप दीवारों को नमी से कुछ हद तक बचा सकते हैं।

पानी को निकलने वाली जगह को रखें क्लीन

घर में जहां पर पानी निकलने का सोर्स है उस जगह को हमेशा साफ रखें। कई बार नाली में जमी गंदगी व कचरे के कारण बारिश का पानी आसानी से बाहर नहीं निकल पाता। पानी एकत्र होने के कारण दीवार की मदद से वह ऊपर चढ़ने लगता है।

सर्दी हो या गर्मी हर मौसम में घर की सफाई रखनी जरूरी होती है। खासतौर इसकी जरूरत बारिश में ज्यादा हो जाती है क्योंकि इस दौरान नमी की वजह घर से स्मेल आने लगती है।

मानसून के मौसम में इन हैक्स की मदद से करें सफाई

क्लीन और स्मेल फ्री रहेगा घर

मानसून और बारिश में घर को साफ-सुथरा रखना किसी चैलेंज से कम नहीं होता। बारिश के कारण घर में 24 घंटे नमी बनी रहती है जिसकी वजह से लकड़ी के फर्नीचर और कपड़ों में स्मेल और दीमक लगने की संभावना बढ़ जाती है। वहीं बाहर से आने पर घर में पानी के साथ-साथ कीचड़-मिट्टी हो जाता है। हालांकि सही क्लीनिंग हैक्स की मदद से इससे निजात पा सकती हैं। इन हैक्स को अपनाकर आप कम मेहनत में अपने घर को क्लीन और स्मेल फ्री रख सकती हैं।

बारिश में घर को साफ करने के लिए अपनाएं ये हैक्स

आमतौर पर बारिश के मौसम में सफाई का काम कई गुना बढ़ जाता है। इस समय कम धूप और ज्यादातर बारिश होती रहती है जिसके कारण से सीलन और चिपचिपाहट बनी रहती है। बेशक ही तेज हवा और बारिश गर्मी से आराम दिलाता है लेकिन काम बढ़ा देता है। इस दौरान न सिर्फ कीचड़ घर के अंदर आता है बल्कि कीड़े-मकोड़े भी बढ़ जाते हैं।

पानी सोखने वाले डोरमैट का करें इस्तेमाल

डोरमैट का इस्तेमाल हम सभी पैरों और जूतों पर लगी मिट्टी को साफ करने के लिए करते हैं। इस मौसम में घर के दरवाजे पर ऐसा डोरमैट बिछाए जो पानी और गंदगी को आसानी से सोख लें। आज के समय लोग बाजार में मिलने वाले फैशनेबल मैट का इस्तेमाल करते हैं, जिसमें पानी और गंदगी को साफ करना आसान तो होता है लेकिन इन्हें साफ करना काफी मुश्किल हो जाता है। बारिश में हल्का और नमी सोखने वाला डोरमैट इस्तेमाल करें। आप चाहें तो इसे घर पर पुराने कपड़े की मदद से बना सकती हैं। पायदान को दूसरे व तीसरे दिन में धोकर सुखा दें।

घर के अंदर आने वाले पानी को रोके

बारिश में घरों में सीलन आने की समस्या काफी आम बात है। लेकिन इससे होने वाली दिक्कत हर किसी को परेशान करती है। ऐसे में बारिश शुरू होने से पहले सीलन की समस्या का उपाय खोज लें। इसके लिए घर में बनी नालियों को साफ करें। दीवारों पर वाटरप्रूफ पेंट करें। दरार वाली जगहों को चेक कर सही कराएं।

अलमारी को बारिश से पहले करें साफ

वैसे तो हर मौसम में अपनी अलमारी को साफ करना जरूरी है। लेकिन अगर आपने अलमारी को दीवार से चिपकाकर रखा है तो उसकी नमी कपड़ों तक पहुंच जाती है। ऐसे में बारिश शुरू होने से पहले अलमारी को दीवार से हटाएं। इसके बाद अलमारी के अंदर बनी रैक पर पेपर बिछाकर कपड़ों को सही से व्यवस्थित करें। नमी आने के कारण अक्सर कपड़े बदबू करने लगते हैं। ऐसे में आप कपूर, दालचीनी और नीम की पत्तियों को बांधकर इसके बीच में रखें। ये सामग्री नमी को सोखने का काम कर उन्हें सुरक्षित रखता है।

बरसाती कीड़ों से पाना है छुटकारा तो ऐसे करें घर की सफाई

बारिश के मौसम में बरसाती कीड़े के साथ ही घर में चीटी और काकरोच जैसी चीजें भी आने लगती है। ऐसे में अगर घर में छोटे बच्चे हैं तो आपको थोड़ा सतर्क रहना चाहिए। बारिश के मौसम में घर की सफाई करने के लिए आपको कुछ आसान हैक्स की मदद लेनी चाहिए।

दरार और छेद को बंद करें

घर की दीवारों, दरवाजों और खिड़कियों में मौजूद दरारों और छेदों को सीलेंट या प्लास्टर से बंद करें ताकि कीड़े घर के अंदर न आ सकें। ध्यान रखें कि मानसून के दिनों में घर की सफाई सही तरीके से करना चाहिए।

कूड़ेदान को साफ रखें

कूड़ेदान को रोजाना साफ करना चाहिए। अगर आप डेली कूड़ेदान को साफ नहीं करती हैं तो उसमें कीड़े लगने लगते है। कचरे को समय-समय पर बाहर निकालें। साथ ही आपको कूड़ेदान को भी धोते रहना चाहिए।

घर में जाली लगाएं

खिड़कियों और दरवाजों पर मानसून के महीने में जाली लगाएं ताकि कीड़े अंदर न आ सकें। साथ ही आपको रोजाना अपने घर को शाम के समय पोछा लगाना होगा।

गंदे बर्तन न छोड़ें

खाना खाने के बाद बर्तनों को तुरंत साफ करें। गंदे बर्तन लंबे समय तक छोड़ने के कारण बर्तन में कीड़े लगने लगते हैं। ऐसे में आपको ध्यान रखना है कि रात के समय भूलकर भी बर्तन को बेसिन में ना छोड़े।

बरसात में आपका घर न लगे अस्त-व्यस्त, इसलिए उसे इस तरह से करें व्यवस्थित

मानसून अपने साथ राहत लेकर आता है, यह तो हमको मालूम ही है। मगर आपने ध्यान दिया होगा कि अक्सर बारिश होने की वजह से चीजें अस्त-व्यस्त रहती हैं। घरों में सीलन आदि होने लगती है और इसी के कारण बदबू भी होने लगती है।

जरूरी है कि मानसून में आप अपने साथ-साथ घर का भी पूरा ख्याल रखें। अपने घर को मेंटेन रखने के लिए आप क्या-क्या तरीके अपना सकती हैं, इसके बारे में आपने सोचा है? अगर नहीं, तो हम ऐसे ही कुछ खास तरीके आपको बताने वाले हैं, जिसके साथ आप अपने घर को व्यवस्थित कर सकती हैं और मानसून की टेंशन से दूर हो सकती हैं।

खुशबू का रखें ख्याल

मानसून के कारण घरों में से एक अजीब से महक आना शुरू हो जाती है। वह दीवारों के गीले होने के कारण होती है। ऐसे में कभी आपके घर कोई मेहमान आ जाए तो आपको कितनी फजीहत होगी। ऐसा न हो इसके लिए हमेशा नियमित रूप से घर की साफ-सफाई करें। इसके अलावा अपने लिविंग रूम में एक पोटपोरी रखें, जिसमें एसेंशियल ऑयल डाला जाता है। इससे आपके कमरे खुशबू से महकते रहेंगे और गंदी बदबू से आपको छुटकारा मिलेगा।

इंडोर प्लांट्स लगाएं

अब इंडोर प्लांट्स तो आपके घर में होंगे ही, लेकिन ऐसे मौसम में उन पौधों को घर पर रखें, जो घर से ह्यूमिडिटी हटा सकें। साथ ही ऐसे पौधे भी लाएं, जो कम सनलाइट में भी बढ़ सकें। अगर किसी विशेष एरिया पर ज्यादा पौधे हैं, तो उन्हें हटाकर बालकनी की तरफ ले जाएं। मानसून में पौधों पर जल्दी कीड़े लगते हैं, इसका भी ध्यान रखें और उनकी देखभाल अच्छे से करें।

कारपेट्स को करें क्लीन

मानसून में सबसे ज्यादा गंदगी आपके कालीन पर होती है। वे जल्दी नम हो जाते हैं और उनमें धूल-मिट्टी भी चिपक जाती है। इस कारण कमरे में से गंदी बदबू आने लगती है। इसे हटाने के लिए कार्पेट को रोजाना वैक्यूम क्लीनर से क्लीन करें। हफ्ते में दो बार कार्पेट की डीप क्लीनिंग करें। वहीं, ऐसा बार-बार करना न चाहते हों, तो इस मौसम में कारपेट बिछाने से बचें। यह आप आपका वक्त भी बचाएगा और घर में गंदगी भी नहीं होगी।

लकड़ी के फर्नीचर का रखें खास ख्याल

हम सब जानते हैं कि मानसून में लकड़ी के फर्नीचर कितनी जल्दी खराब होते हैं। नमी के कारण लकड़ी फूल जाती है और दीमक की समस्या भी उत्पन्न होती है। इससे अपने फर्नीचर को बचाने के लिए नियमित रूप से वैक्सिंग का सहारा लें। अगर आपके दरवाजे, खिड़कियां फूली हुई लगें, तो सैंडपेपर की मदद से उन्हें साफ करें। ऐसे मौसम में किसी तरह का रेनोवेशन करवाने से भी बचना चाहिए। यह चीजों को और अस्त-व्यस्त कर सकता है।

किताबों की जगह बदलें

अगर आपके घर में सामान से ज्यादा किताबें रहती हैं, तो इस मौसम में उनका भी ख्याल रखें। अपने बुक शेल्फ को ऐसी जगहों से दूर कर दें, जहां नमी जल्दी पकड़ी हो। साथी ही उनके बीच कपूर की गोलियां डालना न भूलें। आप किताबों की आलमारी में सिलिका जेल के पाउच भी रख सकते हैं। इससे मॉइश्चर में कमी आती है और यह आसानी से बाजारों में उपलब्ध भी हो जाते हैं। इतना ही नहीं, घर की वायरिंग का भी खास ख्याल देना जरूरी है। मानसून में फ्लकचुएशन बहुत होती है। शॉर्ट सर्किट न हो इसके लिए अपनी वायरिंग की जांच भी करवाएं।

लुक चेंज करने के लिए पहनें माहेश्वरी साड़ी

साड़ी स्टाइल करना हम सभी को पसंद होता है। लेकिन यह तभी अच्छी लगती हैं, जब आप सही कलर और डिजाइन को इवेंट के हिसाब से वियर करते हैं।

साड़ी स्टाइल करना हम सभी को पसंद होता है। इसलिए जब भी साड़ी किसी खास दिन पर पहनने की बात आती है तो हम अलग-अलग डिजाइन ऑप्शन को सर्च करते हैं, ताकि सबसे अलग नजर आ सके। वहीं कई सारे लोग ऐसे होते हैं, जो इवेंट के हिसाब से साड़ी खरीदते हैं। वहीं कुछ फैब्रिक देखकर उन्हें खरीदना और पहनना पसंद करते हैं। अगर आपको भी कुछ नए फैब्रिक को ट्राई करना है तो आप इसके लिए मध्य प्रदेश की फेमस माहेश्वरी साड़ी को वियर कर सकती हैं। यह सिल्क फैब्रिक से तैयार की जाती है। साथ ही, पहनने में कंफर्टेबल होती है।

माहेश्वरी गोल्डन जरी वर्क साड़ी

साड़ी डिजाइन में आप गोल्डन वर्क वाली जरी वाले पैटर्न को ट्राई कर सकती हैं। इस तरह की साड़ी सॉफ्ट कपड़े से बनाई जाती है। इसलिए, इसे पहनना आसान होता है। वहीं इसमें जो वर्क किया जाता है वो बॉर्डर और पल्लू पर किया जाता है। इससे साड़ी और अच्छी लगती है। इसे हैवी टत देने के लिए छोटी-छोटी बूटी के डिजाइन को पूरी साड़ी में डिजाइन किया जाता है। साड़ी सिंपल भी लगती है। लेकिन जब एक्सेसरीज के साथ वियर की जाती है तो हैवी लुक देती है। आप इसे किसी भी इवेंट पर वियर कर सकती हैं। इसमें आपका लुक अच्छा लगेगा। इस तरह की साड़ी आपको मार्केट में 1,000 से 2,000 रुपये में मिल जाएगी।

बाटिक प्रिंट साड़ी डिजाइन

साड़ी स्टाइल करना पसंद है, तो आप बाटिक प्रिंट साड़ी स्टाइल कर सकती हैं। इस तरह की साड़ी दिखने में सुंदर लगती है। साथ ही, कॉटन साड़ी जैसा लुक देती है। आप इस तरह की साड़ी को ऑफिस या डे पार्टी में अच्छी एक्सेसरीज के साथ स्टाइल कर सकती हैं। इससे आपका लुक भी अच्छा लगेगा। साथ ही, आप सबसे अलग नजर आएंगी। इसमें आपको प्रिंट और डिजाइन अलग-अलग मिल जाएंगे, जिससे आपका लुक अच्छा लगेगा। मार्केट में इस तरह की साड़ी आपको 500 रुपये में मिल जाएगी।

कॉटन सिल्क माहेश्वरी साड़ी

आप फोटो में नजर आने वाली कॉटन माहेश्वरी सिल्क साड़ी को भी वियर कर सकती हैं। इस तरह की साड़ी डिजाइन डिफरेंट होते हैं। साथ ही, स्टाइल करने के बाद अच्छे लगते हैं। इसमें आपको डबल कलर के साथ बॉर्डर मिलेगा। साथ में गोल्डन जरी वर्क डिजाइन का पैटर्न मिलेगा। इससे साड़ी क्लासी नजर आएगी। आप इस साड़ी को किसी भी फंक्शन में स्टाइल कर सकती हैं। इससे आपका लुक अलग और सुंदर लगेगा। मार्केट में इस तरह की साड़ी आपको 1,000 से 2,000 रुपये में मिल जाएगी। मार्केट जाकर इस बार सिल्क या कॉटन नहीं बल्कि माहेश्वरी साड़ी को वियर करें। इसमें आपका लुक अच्छा लगेगा। साथ ही आपको कुछ नया ट्राई करने को मिलेगा।

महंगा होगा चावल, एक्पोर्ट में राहत देने की तैयारी में मोदी सरकार

नईदिल्ली, एजेंसी। उपभोक्ताओं के लिए चावल महंगी कीमत पर मिल सकता है क्योंकि मोदी सरकार एक्पोर्ट में राहत देने की तैयारी कर रही है। दरअसल, वरिष्ठ मंत्रियों की एक समिति चावल की कुछ किस्मों पर लगे प्रतिबंध की समीक्षा की जरूरत पर विचार कर रही है। अगर बैन हटा तो फिर चावल की कीमत में बढ़ौतरी होना तय है। वहीं, आंकड़ों से पता चलता है कि पिछले साल जुलाई-अगस्त में चावल निर्यात पर लगे प्रतिबंधों से बासमती की तुलना में गैर-बासमती चावल पर ज्यादा असर पड़ा है।

खुले बाजार में चावल बेचना शुरू करने जा रही सरकार

सूत्रों ने कहा कि समिति जल्द ही चावल की कुछ किस्मों के निर्यात पर प्रतिबंधों में ढील देने को लेकर दिए गए सुझावों पर विचार करेगी, क्योंकि इसका केंद्रीय पूल में भंडार जरूरत से ज्यादा हो गया है। कुछ पर्यवेक्षकों का मानना है कि समिति प्रतिबंधों में ढील देने का फैसला खरीफ में धान की बोआई की स्थितिसाफ होने तक के लिए टाल सकती है। अगले महीने से केंद्र सरकार खुले बाजार में चावल बेचना शुरू करने जा रही है। केंद्र ने राज्यों को बगैर किसी निविदा के उससे चावल खरीदने की अनुमति भी दे दी है इस चावल की बिक्री 28 रुपये किलो नियत भाव पर होगी। इस फैसले से कई राज्य, खासकर दक्षिण भारत के राज्य अपनी खाद्यान्न योजना फिर से शुरू कर सकेंगे।

इस बात की भी संभावना है कि भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) का अतिरिक्त चावल एथनॉल बनाने के लिए भी दिया जाए, जो पिछले कुछ महीने से रुका हुआ है। ऐसा इसलिए भी है, क्योंकि अनाज से एथनॉल बनाने वाले सरकार पर (ओएमसी) द्वारा एथनॉल की एफसीआई के गोदामों से सस्ते खरीद दर में वृद्धि करने की मांग की चावल की आपूर्ति बहाल करने की थी मांग कर रहे हैं। उनका तर्क है कि ऐसा न होने से उनके संयंत्र बंद हो जाने खतरा है। उनका कहना है कि पिछले 6 महीने में खुले बाजार में टूटे चावल की कीमत औसतन 22 से 24 रुपये किलो से बढ़कर 27 से 29 रुपये किलो हो गई है। मक्के की कीमत भी औसत 22 से 23 रुपये किलो से बढ़कर 26 से 27 रुपये किलो पहुंच गई है। इस कीमत पर भी आपूर्ति सीमित है। ग्रेन एथनॉल मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन (जीईएमए) ने हाल ही में केंद्रीय खाद्य मंत्री प्रह्लाद जोशी को पत्र लिखकर एफसीआई के अतिरिक्त चावल की आपूर्ति बहाल करने या तेल विपणन कंपनियों (ओपीएस) द्वारा एथनॉल की खरीद दर में वृद्धि करने की मांग थी। सेंट्रल पूल में 1 जुलाई को चावल का स्टॉक करीब 563.1 लाख टन (धान सहित) था, जो पिछले साल की समान अवधि के स्टॉक की तुलना में करीब 16 प्रतिशत ज्यादा है। साथ ही मौजूदा स्टॉक, बफर स्टॉक के मानकों से उल्लेखनीय रूप से अधिक है। सूत्रों ने कहा कि मंत्रियों की समिति बासमती के न्यूनतम निर्यात मूल्य को मौजूदा 950 डॉलर से घटाकर 850 डॉलर करने पर भी विचार कर सकती है। इसके अलावा कुछ रॉ राइस को 500 डॉलर प्रति टन के हिसाब से निर्यात की अनुमति मिल सकती है, साथ ही प्रीमियम चावल की किस्मों जैसे सोना मसूरी और गोविंद भोग के निर्यात की भी अनुमति मिल सकती है।

कॉलेज पासआउट दो से में एक युवा के पास रोजगार के लिए जरूरी योग्यता नहीं, सर्वे में खुलासा

नईदिल्ली, एजेंसी। आर्थिक सर्वे के अनुसार भारत की तेजी से बढ़ती जनसंख्या का 65 प्रतिशत 35 वर्ष से कम उम्र का है, लेकिन उमें से कई लोगों के पास आधुनिक अर्थव्यवस्था के लिए आवश्यक कौशल का अभाव है। अनुमान बताते हैं कि लगभग 51.25 प्रतिशत युवा रोजगार के योग्य माने जाते हैं। दूसरे शब्दों में इसका मतलब है कि सीधे कॉलेज से बाहर आने वाले लगभग दो में से एक युवा अब भी आसानी से रोजगार के योग्य नहीं है। हालांकि, यह ध्यान दिया जाना चाहिए कि पिछले दशक में स्किल्ड युवाओं का प्रतिशत लगभग 34 प्रतिशत से बढ़कर 51.3 प्रतिशत हो गया है। कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय (एमएसडीई) ने बताया कि भारत में शिक्षा और व्यावसायिक प्रशिक्षण की स्थिति पर एनएसएसओ, 2011-12 (68वें दौर) की रिपोर्ट के अनुसार, 15-59 वर्ष की आयु के व्यक्तियों में लगभग 2.2 प्रतिशत ने औपचारिक व्यावसायिक प्रशिक्षण प्राप्त किया है। वहीं, 8.6 प्रतिशत ने गैर-औपचारिक व्यावसायिक प्रशिक्षण प्राप्त किया है। आर्थिक सर्वे के अनुसार देश में बढ़ते मानव संसाधन को काम मुहैया कराने के लिए गैर कृषि क्षेत्र में 2030 तक सालाना 78.5 लाख रोजगार सृजन करने की जरूरत है। सर्वे में कहा गया है कि कामकाज की उम्र का हर व्यक्ति नौकरी ही नहीं करेगा। उनमें से कुछ स्वरोजगार भी करेंगे और कुछ लोग नियोक्ता भी बनेंगे। सर्वे में कहा गया है कि देश का आर्थिक विकास नौकरियों से ज्यादा लोगों को आजीविका मुहैया कराने की दृष्टि से महत्वपूर्ण है। सभी स्तर के सरकारों और निजी क्षेत्र को भी इस में योगदान देना होगा। आर्थिक सर्वे के अनुसार कृषि क्षेत्र का श्रम बल जो 2023 में 45.8 प्रतिशत है वह 2047 तक धीरे-धीरे घटकर 25 प्रतिशत पर पहुंच सकता है। इसलिए 2030 तक हमें गैर कृषि क्षेत्र में सालाना करीब 78.5 लाख रोजगार मुहैया कराने होंगे। सर्वे के अनुसार 78.5 रोजगार सृजन का लक्ष्य पीएलआई (5 साल में 60 लाख रोजगार), मित्र टेक्सटाइल स्कीम (20 लाख रोजगार) और मुद्रा योजनाओं के क्रियान्वयन से हासिल किए जा सकते हैं।

फाइनेंस फर्मों के साथ-साथ इन्फ्रा और ऑटो कंपनियों को हो सकता है फायदा

नईदिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के तीसरे कार्यकाल का पहला आम बजट मंगलवार 23 जुलाई को पेश होगा। सरकार से व्यक्तिगत टैक्स को कम करके या कंज्यूमर-सेंटर्ड क्षेत्रों पर खर्च बढ़ाकर एशिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था में खपत को बढ़ावा देने की उम्मीद है। रायटर्स के मुताबिक ब्रोकरेज फर्मों ने कहा कि इससे कंज्यूमर्स गुड्स मेकर्स, रियल एस्टेट और हाउसिंग फाइनेंस फर्मों के साथ-साथ इन्फ्रा और ऑटो कंपनियों को फायदा हो सकता है, लेकिन कुछ क्षेत्रों को नुकसान भी हो सकता है। सिटी के मुताबिक सरकार द्वारा खपत को बढ़ावा देने के लिए ग्रामीण योजनाओं के लिए अधिक धन आवंटित किए जाने की उम्मीद है। इससे हिंदुस्तान यूनिलीवर जैसी एफएमसीजी कंपनियों और टीवीएस मोटर व हीरो मोटोकॉर्प जैसी दोपहिया वाहन निर्माताओं को फायदा मिल सकता है।

जॉब रिजर्वेशन विवाद में बैकफुट पर फोनपे के मालिक, बिना शर्त मांगी माफी

नईदिल्ली, एजेंसी। कर्नाटक में अटके पड़े नौकरी आरक्षण विधेयक पर अपनी टिप्पणी को लेकर मचे बवाल के बीच फाइनेंशियल टेक्नोलॉजी कंपनी फोनपे के चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर और फाउंडर समीर निगम ने रविवार को बिना शर्त माफी मांगी। उन्होंने कहा कि उनका कभी भी राज्य और उसके लोगों का अपमान करने का इरादा नहीं था। बता दें कि हाल ही में एक बयान के कारण फोनपे को सोशल मीडिया पर आलोचना और बहिष्कार का सामना करना पड़ा था। दरअसल, निगम ने कर्नाटक सरकार के नौकरियों के लिए कोटा विधेयक की आलोचना की थी। इसमें मूल रूप से प्राइवेट सेक्टर में स्थानीय लोगों के लिए आरक्षण का प्रस्ताव था। यह प्रस्ताव फिलहाल निलंबित कर दिया गया है।

कंपनी ने क्या कहा?

रविवार को एक बयान जारी करते हुए समीर निगम ने कहा कि फोनपे का जन्म बेंगलुरु में हुआ था और टीम को ऐसे शहर में अपनी जड़ों पर अविश्वसनीय रूप से गर्व है, जो अपनी ग्लोबल टेक्नोलॉजी टैलेंट और वाइब्रेंट डायवर्सिटी के लिए जाना जाता है। निगम ने कहा, मैंने हाल ही में मीडिया में कुछ रिपोर्ट्स पढ़े हैं, जिनमें मैंने पिछले सप्ताह नौकरी आरक्षण विधेयक मसौदे के बारे में कुछ व्यक्तिगत टिप्पणियां की थीं। मैं सबसे पहले यह स्पष्ट करना चाहूंगा कि कर्नाटक और उसके लोगों का अपमान करने का मेरा कभी इरादा नहीं था।

130 रुपये के शेयर ने पहले ही दिन दोगुना किया पैसा, 90 प्रतिशत फायदे पर लिस्टिंग

नईदिल्ली, एजेंसी। सती पॉली प्लास्ट की शेयर बाजार में जबरदस्त लिस्टिंग हुई है। सती पॉली प्लास्ट के शेयर 90 पर्सेंट के प्रीमियम के साथ 247 रुपये पर नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट हुए हैं। आईपीओ में सती पॉली प्लास्ट के शेयर का दाम 130 रुपये था। कंपनी का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए 12 जुलाई 2024 को खुला था और यह 16 जुलाई तक ओपन रहा। सती पॉली प्लास्ट के पब्लिक इश्यू का टोटल साइज 17.36 करोड़ रुपये का था।

शानदार लिस्टिंग के बाद लगा अपर सर्किट

धमाकेदार लिस्टिंग के ठीक बाद सती पॉली प्लास्ट के शेयर 5 पर्सेंट के अपर सर्किट के साथ 259.35 रुपये पर पहुंच गए हैं। जिन इनवेस्टर्स को आईपीओ में कंपनी के शेयर अलॉट हुए हैं, उनका पैसा पहले ही दिन दोगुना हो गया है। आईपीओ से पहले कंपनी में प्रमोटर्स की हिस्सेदारी 86.30 पर्सेंट थी, जो कि अब 63 पर्सेंट रह गई है। सती पॉली प्लास्ट की शुरुआत जुलाई 1999 में हुई थी। कंपनी मल्टीफंक्शनल फ्लेक्सिबल पैकेजिंग मैटीरियल्स की मैन्युफैक्चरिंग करती है। सती पॉली प्लास्ट की 2 मैन्युफैक्चरिंग यूनिट्स हैं। एक प्लांट की हर महीने की कैपेसिटी 540 टन है। दूसरा प्लांट नोएडा के उद्योग केंद्र में है और इसकी कैपेसिटी भी महीने की 540 टन की है। कंपनी अपने पैकेजिंग मैटीरियल की सप्लाई असम, बिहार, छत्तीसगढ़, दिल्ली, गुजरात, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, झारखंड, मध्य प्रदेश, पंजाब, महाराष्ट्र और राजस्थान में करती है। सती पॉली प्लास्ट का आईपीओ टोटल 499.13 गुना सब्सक्राइब हुआ था। कंपनी के आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स का कोटा 670.62 गुना सब्सक्राइब हुआ। कंपनी के आईपीओ में नॉन-इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स का कोटा 569.52 गुना सब्सक्राइब हुआ। जबकि क्वॉलीफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स कैटेगरी में 146 गुना दांव लगा। सती पॉली प्लास्ट के आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स सिर्फ 1 लॉट के लिए अप्लाई कर सकते थे। आईपीओ की एक लॉट में 1000 शेयर हैं। यानी, रिटेल इनवेस्टर्स को 130000 रुपये का इनवेस्टमेंट करना पड़ा है।

1 से बढ़कर 110 पर आया टाटा का शेयर

नईदिल्ली, एजेंसी। टाटा टेलीसर्विसेज (महाराष्ट्र) (टीटीएमएल) के शेयर आज सोमवार को फोकस में हैं। कंपनी के शेयर आज 8 प्रतिशत तक चढ़कर 110 रुपये के इंट्रा डे हाई पर पहुंच गए थे। बता दें कि पिछले कई 5 कारोबारी दिन से टाटा ग्रुप के इस शेयर में रॉकेट की स्पीड है। पांच दिन में यह शेयर करीबन 50 प्रतिशत तक चढ़ गया है। इससे पहले शुक्रवार के इंट्रा-डे कारोबार में बीएसई पर यह शेयर 14 फीसदी की बढ़त के साथ 20 महीने के उच्चतम स्तर 111.48 रुपये पर पहुंच गया था। आपको बता दें कि टीटीएमएल के शेयर में लगातार मुनाफावसूली हो रही थी और यह शेयर 70 रुपये से नीचे पहुंच गया था। इसका 52 वीक का लो प्राइस 65.29 रुपये है। कंपनी का मार्केट कैप 20,999.83 करोड़ रुपये है। बता दें कि 27 मार्च 2020 को इस शेयर की कीमत 1 रुपये थी। यानी अब तक यह शेयर 10,900 प्रतिशत चढ़ गया है।

कंपनी का कारोबार

टाटा टेलीसर्विसेज लिमिटेड अपनी सहायक कंपनी टीटीएमएल (टाटा टेलीसर्विसेज) के साथ एंटरप्राइज क्षेत्र में बढ़ती बाजार प्रमुख है। यह टाटा टेली बिजनेस सर्विसेज (टीटीबीएस) ब्रांड नाम के तहत देश में व्यवसायों के लिए कनेक्टिविटी, सहयोग, क्लाउड और सास, सुरक्षा और मार्केटिंग सॉल्यूशंस का एक बड़ा पोर्टफोलियो प्रोवाइडर है। टाटा टेलीसर्विसेज के पास व्यापक, उच्च गुणवत्ता और मजबूत वायरलाइन नेटवर्क है और यह भारत भर के 60 से अधिक शहरों में अपने उत्पाद और सेवाएं प्रदान करता है।

24 जुलाई को है बोर्ड मीटिंग

हाल ही में एक एक्सचेंज फाइलिंग में टाटा समूह की कंपनी ने कहा कि कंपनी के बोर्ड मेंबर की एक बैठक बुधवार, 24 जुलाई, 2024 को होने वाली है। इसमें कई अहम फैसले लिए जा सकते हैं। वहीं, बुधवार, 17 जुलाई को टीटीएमएल ने कहा कि टाटा टेली बिजनेस सर्विसेज (टीटीबीएस) के एक नए रिसर्च के अनुसार, भारत के बढ़ते डिजिटल त्वरण से प्रेरित होकर, छोटे और मध्यम उद्यम (एसएमई) अपनी प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त के लिए तेजी से क्लाउड का लाभ उठा रहे हैं। देश भर में 58 प्रतिशत एसएमई का मानना है कि उनके पास उच्च स्तर की डिजिटल परिपक्वता है ।

5 शेयर करेंगे मालामाल ! अभी दांव लगाने से 3 से 4 वीक में ही हो जाएगा फायदा

नईदिल्ली, एजेंसी। भारतीय शेयर बाजार बेंचमार्क निफ्टी 50 में पिछले सप्ताह 0.12 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। इससे लगातार सातवें सप्ताह में तेजी देखी गई। शुक्रवार के बंद (19 जुलाई) तक बेंचमार्क इंडेक्स इस साल 13 फीसदी चढ़ा है। इस बीच, कई एनालिस्ट्स का मानना है कि बाजार के हाई वैल्यूएशन और मौजूदा आय सेशन की वजह से छोटी अवधि में कुछ उतार-चढ़ाव आ सकता है। अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव को लेकर अनिश्चितता और फेड रेट कट से भी बाजार का रुख बदल सकता है। निवेशकों को केंद्रीय बजट 2024 का इंतजार है, जिसे वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण मंगलवार, 23 जुलाई को पेश करेंगी। बाजार को उम्मीद है कि बजट वृद्धि समर्थक होगा और कुछ लोकलुभावन उपायों के साथ राजकोषीय विवेक पर भी ध्यान केंद्रित करेगा। एक्सपर्ट के मुताबिक, बाजार की दिशा आगामी बजट नतीजों से तय होगी। जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के रिसर्च प्रमुख विनोद नायर ने कहा, अगर बजट उम्मीद पर खरा उतरता है तो यह बाजार में अधिक स्थिरता प्रदान करेगा। ऐसे में एनालिस्ट निवेशकों को सतर्क रहने और क्वालिटी शेयरों पर दांव लगाने की सलाह देते हैं। छोटी अवधि के लिए वे उन शेयरों को खरीदने की सलाह देते हैं जो टेक्निकल इंडिकेटर पर आकर्षक दिखाई देते हैं। कई एक्सपर्ट्स की सलाह के आधार पर आपको हम 5 ऐसे शेयरों के बारे में बता रहे हैं, जो अगले 3-4 हफ्तों में 10-18 पर्सेंट चढ़ सकते हैं। जिगर एस. पटेल, आनंद राठी शेयर एंड स्टॉक ब्रोकर्स टाइटन कंपनी को लेकर पॉजिटिव हैं। एनालिस्ट का मानना है कि निवेशक टाइटन के शेयरों को 3,235-3,265 रेंज के भीतर खरीदने पर विचार कर सकते हैं। 3,575 के टारगेट प्राइस तक संभावित तेजी की उम्मीद की जा सकती है। स्टॉप लॉस 3,090 पर रख सकते हैं। एनालिस्ट के मुताबिक, टेक्निकल इंडिकेटर्स को ध्यान में रखते हुए बजाज फिनसर्व में 1,620-1,645 रुपये के दायरे में लॉन्ग पोजिशन शुरू करना समझदारी भरा लगता है। इस एंट्री रेंज से 1,800 का टारगेट प्राइस हो सकता है।

स्पेसेस बाय वेलस्पन ने दिखाई भोपाल की बेस्ट डीलरशिप्स

भोपाल । स्पेसेस बाय वेलस्पन ने भोपाल में स्थित अपने शीर्ष डीलरशिप स्टोर्स दानवी इंटरप्राइजेस (शेड्स एंड स्प्रेड्स) को मिली शानदार पहचान का जोरदार स्वागत किया। यह सम्मान दानवी इंटरप्राइजेस (शेड्स एंड स्प्रेड्स) के शानदार प्रदर्शन और अटूट समर्पण को दिखाता है। यह डालरशिप्स स्पेसेस ब्रांड के एक अभिन्न अंग रहा है जिसने असाधारण प्रतिबद्धता और वफादारी का प्रदर्शन किया हैए जिसने वास्तव में ब्रांड की सफलता और विकास को आगे बढ़ाया है। प्रीमियम होम टेक्सटाइल केटेगरी में एक मार्केट लीडर, स्पेसेस बाय वेलस्पन, इनोवेटिव और प्रीमियम प्रोडक्ट की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदान करता है जो स्टाइल और फंक्शन दोनों पर ध्यान केंद्रित करती है।

बजट के पहले सोने-चांदी के दाम गिरे

नईदिल्ली, एजेंसी। बजट के पहले कमोडिटी बाजार में भी सुस्ती दिखाई दे रही है। आज सोने में हल्की तेजी तो चांदी में गिरावट नजर आई। अंतरराष्ट्रीय बाजार में पिछले सत्र में सोना 50 डॉलर टूटकर 2400 डॉलर पर तो चांदी 3 प्रतिशत लुढ़ककर 29.30 डॉलर के नीचे आ गई थी। घरेलू बाजार में भी सोने में 1,200 रुपए और चांदी में 2,100 रुपए की भारी गिरावट आई थी। आज भी बाजार थोड़े कमजोर ही नजर आए।

भारतीय वायदा बाजार पर सोना 71 रुपए (0.1 प्रतिशत) की तेजी के साथ 73,061 रुपए प्रति 10 ग्राम पर चल रहा था। शुक्रवार को 72,990 पर बंद हुआ था। वैसे गोल्ड आज 73,184 के भाव पर खुला था। आज चांदी भी खुली तो हरे निशान में थी लेकिन इसके बाद इसमें 278 अंकों की गिरावट दर्ज हो रही थी और ये 89,368 रुपए प्रति किलोग्राम के आसपास चल रही थी। पिछले कारोबारी सत्र में ये 89,646 रुपए पर बंद हुई थी।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी गिरा सोना

अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना 2 फीसदी से ज्यादा गिरा है। इस हफ्ते सोना अपने ऑल टाइम हाई पर गया था। सितंबर में ब्याज दरों में कटौती की संभावनाओं से बाजार में तेजी बनी हुई थी लेकिन ऊपरी स्तरों से प्रॉफिटबुकिंग आने के चलते यूएस स्पॉट गोल्ड 1.9 प्रतिशत गिरकर 2,399.27 प्रति औंस पर आ गया और यूएस गोल्ड फ्यूचर्स 2.3 प्रतिशत गिरकर 2,399.10 प्रति औंस पर गया।

सर्राफा बाजार में भी लुढ़के सोना-चांदी

आभूषण विक्रेताओं की कमजोर मांग के बीच राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में शुक्रवार को सोना 750 रुपए की गिरावट के साथ 75,650 रुपए प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। इसके साथ सोने में पिछले छह कारोबारी सत्रों से जारी तेजी पर विराम लग गया। इससे पिछले कारोबारी सत्र में सोना 76,400 रुपए प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। इस बीच, 99.5 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना 800 रुपए घटकर 75,300 रुपए प्रति 10 ग्राम पर रहा। गुरुवार को यह 76,100 रुपए प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। चांदी की कीमत भी 1,000 रुपए टूटकर 93,000 रुपए प्रति किलोग्राम पर रही। पिछले कारोबारी सत्र में 94,000 रुपए प्रति किलोग्राम पर रही थी। सोने की कीमतों में गिरावट का कारण वैश्विक बाजारों में कमजोर रुख और देश में आभूषण विक्रेताओं की मांग में आई गिरावट रही।

स्टैंडर्ड कैपिटल मार्केट्स लिमिटेड ने पैसालो डिजिटल में बड़ा निवेश किया

नई दिल्ली, एजेंसी। स्टैंडर्ड कैपिटल मार्केट्स लिमिटेड (बीएसईः 511700), एक अग्रणी एनबीएफसी जो वैकल्पिक वित्तीय सेवाएं प्रदान करती है और सभी के लिए वित्तीय पहुंच और विकास को बढ़ावा देती है, यह घोषणा की कि एससीएमएल ने पैसालो डिजिटल लिमिटेड के साथ हाथ मिलाया है। पैसालो डिजिटल ग्रामीण भारत में वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देने के लिए समर्पित एक अग्रणी वित्तीय सेवा कंपनी है।

यह निवेश एससीएमएल की प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है जो वित्तीय अंतर को पाटने और कम सेवा वाले क्षेत्रों में आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के लिए नवीन समाधानों को उन्नत करता है। एससीएमएल का निवेश पैसालो डिजिटल को अपनी पहुंच और प्रभाव का विस्तार करने में सक्षम बनाएगा, जिससे अधिक ग्रामीण समुदायों को आवश्यक वित्तीय सेवाओं तक पहुंच प्रदान की जा सकेगी।

प्रौद्योगिकी और नवाचार में एससीएमएल की विशेषज्ञता का लाभ उठाते हुए, पैसालो डिजिटल अपने डिजिटल प्लेटफॉर्म को बेहतर बनाएगा, जिससे सेवा वितरण सुचारू और कुशल होगा। इस सहयोग में संभावित रूप से अधिक लक्षित और प्रतिस्पर्धी उत्पादों की पेशकश भी शामिल है, जिसमें उधारकर्ताओं के लिए अधिक लचीले ऋष्ा मानदंड शामिल हैं। स्टैंडर्ड कैपिटल मार्केट्स लिमिटेड के प्रबंध निदेशक श्री राम गोपाल जिंदल ने साझेदारी के बारे में अपना उत्साह व्यक्त करते हुए कहा, हम ग्रामीण भारत में वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देने के उनके मिशन में पैसालो डिजिटल लिमिटेड के साथ सहयोग करने के लिए उत्साहित हैं। यह निवेश वित्तीय समावेशन के लिए हमारी प्रतिबद्धता के अनुरूप है।

जो सकारात्मक सामाजिक और आर्थिक परिवर्तन को प्रेरित करता है।

एचएमए एग्रो इंडस्ट्रीज लि. ने एएलएम फूड प्रोडक्ट्स के साथ फेसिलिटी समझौता किया

मुंबई । एचएमए एग्रो इंडस्ट्रीज लिमिटेड (बीएसई : 543929, एनएसई : एचएमए एग्रो), प्रसंस्कृत खाद्य और कृषि उत्पादों में अग्रणी, ने घोषणा की है कि बफेलो मीट के लिए उसने एएलएम फूड प्रोडक्ट्स लिमिटेड (एएलएम फूड), पंजाब और एएलएम इंडस्ट्रीज लिमिटेड (एएलएम), सहारनपुर के साथ प्रसंस्करण, फ्रीजिंग और पैकेजिंग की सुविधाओं का लाभ उठाने के लिए सुविधा (फेसिलिटी) समझौते किए हैं। इससे पहले, कंपनी ने 31 मार्च 2024 को समाप्त तिमाही और के लिए अपनी आय की घोषणा की थी। 31 मार्च को समाप्त वर्ष के लिए, कंपनी ने अपने कुल राजस्व में 49त्न की वृद्धि दर्ज की, जो रु. 32,560.91 मिलियन (वित्त वर्ष 23) से बढ़कर रु. 48,618.72 मिलियन (वित्त वर्ष 24) हो गई। प्रभावशाली राजस्व वृद्धि के बावजूद, कंपनी के लाभ मार्जिन में गिरावट आई। यह गिरावट कच्चे माल की घरेलू कीमतों में वृद्धि और लाल सागर संकट के प्रभाव के कारण हुई है। हालांकि, प्रबंधन भविष्य के प्रति आशावादी है और अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों में स्थिरता आने पर लाभ मार्जिन में सुधार की उम्मीद कर रहा है। एचएमए एग्रो इंडस्ट्रीज लिमिटेड एक खाद्य व्यापार संगठन के रूप में कार्य करती है। कंपनी जमे हुए ताजा भैंस के मांस, तैयार और जमे हुए प्राकृतिक उत्पाद, फल, सब्जियां और अनाज सहित प्रसंस्कृत खाद्य और कृषि उत्पाद प्रदान करती है। एचएमए एग्रो इंडस्ट्रीज दुनिया भर के ग्राहकों की सेवा करती है। कंपनी की उत्पादन क्षमता प्रति दिन 1,472 मीट्रिक टन है। कंपनी की अत्याधुनिक विनिर्माण सुविधा आगरा, उन्नाव, पंजाब, अलीगढ़, मेवात और परभनी में 6 शहरों में फैली हुई है। इसमें पूर्ण स्वचालन के साथ विनिर्माण और खुदरा बिक्री के लिए पूरी तरह से एकीकृत बुनियादी ढांचा है।

सीखते हुए कमाएं' योजना को मजबूत और सार्थक बनाने की जरूरत है...

प्रियंका सौरभ

सार्थक व्यावसायिक शिक्षा और कौशल प्रशिक्षण के लिए 'सीखते हुए कमाएँ' योजना को मजबूत करना अनिवार्य है। यह दृष्टिकोण सैद्धांतिक शिक्षा के साथ व्यावहारिक अनुभव को एकीकृत करता है, जिससे रोजगार क्षमता बढ़ती है। पर्याप्त समर्थन, उद्योग सहयोग और नीति समायोजन इसकी प्रभावशीलता को बढ़ा सकते हैं, शिक्षा को वास्तविक दुनिया की माँगों के साथ जोड़ सकते हैं और कुशल रोजगार को बढ़ावा दे सकते हैं....

'सीखते हुए कमाएँ' योजना व्यावसायिक शिक्षा और कौशल प्रशिक्षण को नौकरी के व्यावहारिक अनुभव के साथ जोड़ती है, जिससे छात्रों को अपनी पढ़ाई जारी रखते हुए वास्तविक दुनिया में काम करने का अनुभव प्राप्त करने का अवसर मिलता है। व्यावसायिक शिक्षा और कौशल प्रशिक्षण को नौकरी बाजार की माँगों के लिए अधिक सार्थक और प्रासंगिक बनाने के लिए यह दृष्टिकोण आवश्यक है।

पर्यटन मंत्रालय वर्तमान में प्रशिक्षुओं के बीच मूल्यवान पर्यटन यात्रा कौशल और ज्ञान को बढ़ावा देने और उन्हें 'छात्र स्वयंसेवक' के रूप में सेवा करने में सक्षम बनाने के लिए 'सीखते हुए कमाएँ' नामक एक योजना को लागू कर रहा है। यह योजना विशेष रूप से यात्रा उद्योग पर केंद्रित अल्पकालिक प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रदान करती है, जो स्नातक पाठ्यक्रम करने वाले कॉलेज के छात्रों या 18 से 25 वर्ष की आयु के स्नातकों को लक्षित करती है। इसका उद्देश्य इन युवा व्यक्तियों को पर्यटन क्षेत्र में व्यावहारिक प्रशिक्षण प्राप्त करने का अवसर प्रदान करना है, साथ ही साथ आय अर्जित करना भी है।

'सीखते हुए कमाएँ' योजना के महत्त्वपूर्ण पहलू: ₹सीखते हुए कमाएँ₹ योजना में कई महत्त्वपूर्ण पहलू शामिल हैं जो इसे लाभकारी और प्रभावशाली बनाते हैं। इन पहलुओं में कौशल विकास शामिल है। यह योजना यात्रा उद्योग पर केंद्रित अल्पकालिक प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रदान करती है, जो ग्राहक सेवा, आतिथ्य और संचार जैसे क्षेत्रों में प्रतिभागियों के कौशल और ज्ञान को बढ़ाती है। प्रतिभागियों को प्रशिक्षण के दौरान आय अर्जित करने का अवसर मिलता है, जो उनकी शिक्षा का समर्थन करने और वित्तीय स्वतंत्रता प्रदान करने में मदद कर सकता है। इस योजना के माध्यम से, प्रतिभागी छात्र स्वयंसेवकों के रूप में जुड़ते हैं, व्यावहारिक अनुभव प्राप्त करते हैं और वास्तविक दुनिया की स्थितियों में अपने सैद्धांतिक ज्ञान को लागू करते हैं।

प्रतिभागी पर्यटन उद्योग के भीतर संपर्क स्थापित करते हैं, पेशेवरों के साथ बातचीत करते हैं और भविष्य के रोजगार के अवसरों के लिए अपने नेटवर्क का विस्तार करते हैं। यह योजना कॉलेज के छात्रों और युवा स्नातकों को कौशल और ज्ञान से लैस करके सशक्त बनाती है जो उनकी रोजगार क्षमता को बढ़ाती है और पर्यटन क्षेत्र में उपयुक्त नौकरियाँ हासिल करने की उनकी संभावनाओं को बढ़ाती है। इस योजना का उद्देश्य भारत में पर्यटन उद्योग के विकास और वृद्धि में योगदान देने में सक्षम एक कुशल और जानकार कार्यबल तैयार करना है।

'सीखते हुए कमाएँ' योजना व्यावसायिक शिक्षा और कौशल प्रशिक्षण को सुविधाजनक और मजबूत बनाती है: ₹सीखते हुए कमाएँ₹ योजना विभिन्न तरीकों से व्यावसायिक शिक्षा और कौशल प्रशिक्षण को महत्त्वपूर्ण रूप से सुविधाजनक और मजबूत बनाती है जैसे यह योजना प्रतिभागियों को व्यावहारिक सीखने के अवसर प्रदान करती है, जिससे उन्हें वास्तविक दुनिया के परिदृश्यों में सैद्धांतिक ज्ञान लागू करने की अनुमति मिलती है। यह व्यावहारिक अनुभव उद्योग प्रथाओं की उनकी समझ को बढ़ाता है और आवश्यक व्यावसायिक कौशल विकसित करता है। यह योजना विशेष रूप से यात्रा उद्योग पर केंद्रित है, यह सुनिश्चित करते हुए कि प्रतिभागियों को उद्योग की आवश्यकताओं और मांगों के साथ संरेखित प्रशिक्षण प्राप्त हो। यह उद्योग-केंद्रित दृष्टिकोण व्यावसायिक शिक्षा और कौशल प्रशिक्षण की प्रासंगिकता को बढ़ाता है, प्रतिभागियों को नौकरी के लिए तैयार बनाता है और उनकी रोजगार क्षमता बढ़ाता है।

यह योजना प्रतिभागियों को प्रशिक्षण के दौरान आय अर्जित करने में सक्षम बनाती है, जिससे व्यावसायिक शिक्षा तक पहुँचने में वित्तीय बाधाएँ कम होती हैं। यह वित्तीय सहायता न केवल भागीदारी को प्रोत्साहित करती है, बल्कि व्यक्तियों को अपने कौशल विकास में सक्रिय रूप से निवेश करने के लिए भी प्रेरित करती है। व्यावहारिक प्रशिक्षण और उद्योग प्रदर्शन प्रदान करके, यह योजना प्रतिभागियों की रोजगार क्षमता को बढ़ाती है। प्रतिभागी उद्योग-सम्बंधित कौशल और ज्ञान प्राप्त करते हैं, जिससे वे कार्यबल में प्रवेश करने और अपने चुने हुए क्षेत्र में सफल होने के लिए अच्छी तरह से तैयार हो जाते हैं। यह योजना शैक्षणिक संस्थानों और यात्रा उद्योग के बीच सहयोग को बढ़ावा देती है।

यह सहयोग सुनिश्चित करता है कि व्यावसायिक शिक्षा और कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम उद्योग के विशेषज्ञों के परामर्श से डिजाइन किए गए हैं, जिसमें उनकी अंतर्दृष्टि और आवश्यकताएँ शामिल हैं। यह शैक्षणिक संस्थानों और उद्योग की जरूरतों के बीच संरेखण को मजबूत करता है, जिससे व्यावसायिक शिक्षा अधिक प्रभावी और उद्योग के लिए तैयार हो जाती है। 'सीखते हुए कमाएँ' योजना को मजबूत करना सुनिश्चित करता है कि व्यावसायिक शिक्षा और कौशल प्रशिक्षण पाठ्यक्रम उद्योग की आवश्यकताओं के अनुरूप हैं। यह योजना छात्रों को उनके चुने हुए क्षेत्रों में व्यावहारिक, व्यावहारिक अनुभव प्राप्त करने की अनुमति देती है, जो कार्यबल में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए आवश्यक कौशल और आत्मविश्वास विकसित करने के लिए महत्त्वपूर्ण है।

अपनी शिक्षा जारी रखते हुए आय अर्जित करके, छात्र आंशिक रूप से या पूरी तरह से अपने शिक्षा व्यय का वहन कर सकते हैं। 'सीखते हुए कमाएँ' योजना को मजबूत करने से कुशल श्रमिकों का उत्पादन करके कौशल अंतर को पाटने में योगदान मिलता है, जो नौकरी बाजार की मांगों को पूरा करने के लिए बेहतर ढंग से सुसज्जित हैं। उद्योग-अकादमिक सहयोग को बढ़ाना: यह सहयोग सुनिश्चित करता है कि व्यावसायिक शिक्षा प्रणाली नवीनतम उद्योग प्रवृत्तियों और तकनीकी प्रगति के साथ अद्यतित रहती है, जिससे अंततः छात्रों और नियोक्ताओं दोनों को लाभ होता है। यह योजना आजीवन सीखने की संस्कृति को बढ़ावा देती है, क्योंकि छात्र नौकरी बाजार की लगातार बदलती मांगों के अनुकूल होते हैं।

'सीखते हुए कमाएँ' दृष्टिकोण छात्रों को सफल करियर के लिए आवश्यक कौशल और ज्ञान से बेहतर ढंग से लैस कर सकता है। अंततः, यह एक अधिक कुशल, अनुकूलनीय और प्रतिस्पर्धी कार्यबल में योगदान देगा जो आर्थिक विकास और समृद्धि को बढ़ावा देता है। इसलिए, 'सीखते हुए कमाएँ' योजना व्यावहारिक अनुभव, उद्योग प्रासंगिकता, आय सृजन, रोजगार क्षमता में वृद्धि, उद्योग के साथ सहयोग और कैरियर मार्ग अन्वेषण प्रदान करके व्यावसायिक शिक्षा और कौशल प्रशिक्षण को सुगम और मजबूत बनाती है। ये पहलू सामूहिक रूप से एक कुशल और नौकरी के लिए तैयार कार्यबल के विकास में योगदान करते हैं, जो भारत में व्यावसायिक शिक्षा और कौशल प्रशिक्षण के विकास को बढ़ावा देते हैं।

संपादकीय

अब गाजा की बारी

इस्राइल और लेबनान के हिज्बुल्लाह के बीच साठ दिनों के युद्ध विराम समझौते की घोषणा हो गई है। समझौते से पश्चिम एशिया क्षेत्रमें शांति और स्थिरता की संभावना प्रबल हो गई है। करीब दो महीनों से हिज्बुल्लाह के खिलाफ इस्राइल के हमले तेज हो गए थे। हमलों में लेबनान में करीब 8700 लोग मारे गए और लाखों लोग बेघर हो गए। इस्राइली सैनिकों ने हिज्बुल्लाह के समूचे नेतृत्व को समाप्त कर दिया जिसमें उसका सर्वोच्च नेता हसन नसरुल्लाह भी शामिल था। लेकिन ईरान समर्थित हिज्बुल्लाह ने पिछले दो महीनों से इस्राइल के उत्तरी हिस्से में रॉकेट दागने शुरू किए थे जिसमें वहां का जन-जीवन अस्त-व्यस्त हो गया। हजारों यहूदियों को विस्थापित होना पड़ा। स्थानीय अर्थव्यवस्था पटरी से उतर गई और बड़ी संख्या में लोग हताहत हुए। इसलिए युद्धरत दोनों पक्ष संघर्ष से बाहर निकलने और राहत की तलाश में थे। इस्राइल एक साथ कई मोर्चों पर लड़ाई लड़. रहा था। गाजा में उसका सैनिक अभियान चल रहा है। ईरान के साथ युद्ध कभी भी छिड़. सकता है। इस्राइल के सैनिक लगातार संघर्ष के बाद मानसिक थकान महसूस करने लगे हैं। मोर्चों पर संघर्ष जारी रखने के लिए इस्राइल को अतिरिक्त सैनिकों की जरूरत है, जो नहीं मिल पा रहे। हालांकि इस्राइल ने हिज्बुल्लाह और हमास की कमर तोड़. दी है। कहा जा सकता है कि उसने अपना लक्ष्य हासिल कर लिया है। युद्ध विराम समझौते के बाद अब गाजा में युद्ध विराम समझौते और बंधकों की रिहाई में मदद मिल सकती है जो समस्या की जड़. है। वास्तविकता है कि इस्राइल को अपनी सुरक्षा का पूरा अधिकार है, लेकिन सवाल है कि हमास जैसे आतंकी संगठन की अमानवीय कार्रवाई के लिए क्या गाजा की समूची आबादी को दंड़ित करना उचित है। इस सवाल पर इस्राइल के नेतृत्व को गंभीरता से विचार करना चाहिए नहीं तो युद्ध अनवरत चलता रहेगा और न इस्राइल सुरक्षित रह पाएगा और न ही फिलिस्तीन खत्म होगा। इसलिए इस्राइल को गाजा में शांति स्थापित करने के लिए आगे आने की जरूरत है।

भारत ने इस्राइल-हिज्बुल्लाह के बीच युद्धविराम का स्वागत किया है। विदेश मंत्रालय ने कहा है कि भारत हमेशा से संयम बरतने और संकट के समाधान के लिए बातचीत और कूटनीति में विश्वास करता है। अंतरराष्ट्रीय राजनीति के कुछ विशेषज्ञों का मानना है कि इस युद्ध विराम समझौते सें गाजा को शामिल किए बगैर कहना मुश्किल है कि यह समझौता कितना टिकाऊ होगा।

चिंतन-मनन

धन का भार

पाटलिपुत्र में नाभिकुमार की गिनती सबसे संपन्न लोगों में होती थी। लेकिन अपार धन-संपत्ति होते हुए भी उन्होंने कभी दान नहीं दिया था। कई लोगों ने उन्हें इस बारे में कहा था पर उन्होंने ध्यान नहीं दिया। एक रात उनके घर चोर ने सेंध लगाई। उसने सावधानी से घर का कीमती सामान एकत्र किया और उसकी एक बड़ी पोटली बनाई। पोटली सिर पर रखते ही वह गिर गई और आवाज होते ही नाभिकुमार की आंखें खुल गईं।

ह चोर के पास आए और पोटली उठाने में उसकी मदद करने लगे। चोर को डर से कांपते हुए देखकर नाभिकुमार ने उससे कहा-डरो मत, तुम यह सब ले जा सकते हो। मगर तुम भी मेरे ही जैसे लगते हो। मैंने भी अपने जमा धन से किसी और के लिए कुछ नहीं निकाला। इसलिए मेरा धन भी मुझ पर भार की तरह है। अगर तुम भी मेरी तरह नहीं करते और पोटली में से थोड़ा सामान निकाल लिए होते तो तुम्हारे लिए इसे उठाना आसान हो जाता। खैर, तुम अब यह सामान ले जा सकते हो। चोर यह सुनकर दंग रह गया।

उसने प्रायश्चित करने के उद्देश्य से कहा- आप यह सब वापस ले लीजिए और मुझे क्षमा कीजिए। नाभिकुमार ने कहा- तुम्हें एक ही शर्त पर क्षमा किया जा सकता है। तुम इसमें से कुछ धन ले लो और कोई काम-धंधा शुरू कर दो। इस प्रकार मेरा धन परोपकार के काम में लग जाएगा और तुम्हारा जीवन भी सुधर जाएगा। चोर ने वैसा ही किया। नाभिकुमार उस दिन से हर किसी की सहायता करने लगे।

चिन्मय दास की गिरफ्तारी और बांग्लादेश में मंदिरों पर बढ़ते हमले चिंता

बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदुओं पर हमले थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। मुहम्मद यूनुस की अगुवाई वाली बांग्लादेश सरकार में हिन्दुओं पर लगातार हमले किए जा रहे हैं। इस्कॉन भिक्षु चिन्मय कृष्ण दास की गिरफ्तारी के बाद भी चरमपंथी रुकने को तैयार नहीं हैं। इसी क्रम में एक बार फिर से एक और मंदिर पर हमला किया गया है। ताजा मामले में बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार के बीच चटगांव के तीन हिंदू मंदिरों को निशाना बनाया गया। जिसके बाद बांग्लादेश में जारी झड़प ने हिंसक रूप ले लिया। अभी जिन तीन मंदिरों को निशाना बनाया गया है उनमें चटगांव के फिरंगी बाजार में लोकनाथ मंदिर, मनसा माता मंदिर और हजारी लेन में काली माता मंदिर शामिल हैं। यह घटना बांग्लादेश में हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यकों के खिलाफ हो रही हिंसा का भाग है, जो कि पांच अगस्त को तत्कालीन प्रधानमंत्री शेख हसीना के तख्तापलट के बाद से अत्यंत खतरनाक स्तर तक बढ़ गई है। हिंदू समेत अन्य अल्पसंख्यकों के खिलाफ ये उग्र विरोध प्रदर्शन तब शुरू हुए जब हिंदुओं ने इस्लामिक कट्टरपंथियों की ओर से किए गए संगठित हमलों के जवाब में बड़ी संख्या में शांतिपूर्ण तरीके से विरोध प्रदर्शन शुरू किए। यह विरोध प्रदर्शन धार्मिक और सामाजिक संगठन इस्कॉन की ओर से आयोजित किए गए थे, जिसके अनुयायी दुनिया भर में फैले हुए हैं। इस विरोध प्रदर्शन को देखते हुए ढाका हवाई अड्डे पर प्रमुख हिंदू नेता और इस्कॉन भिक्षु चिन्मय कृष्ण दास को हिरासत में ले लिया गया।

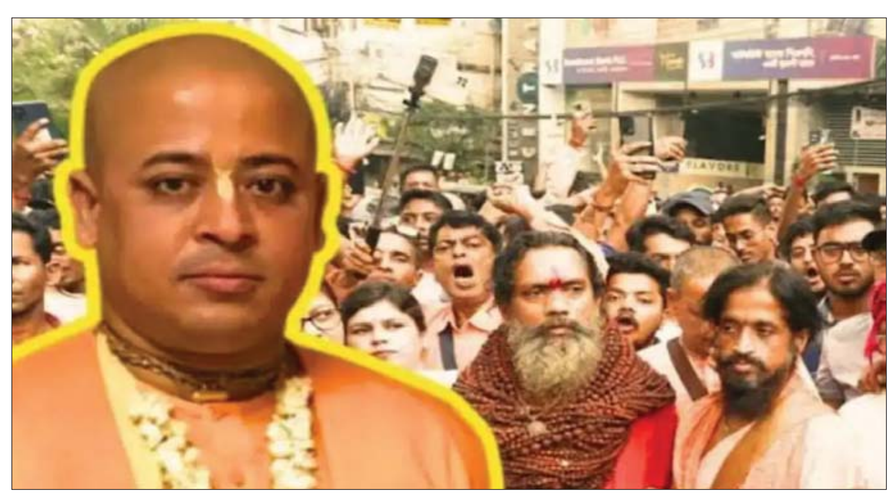

भारत सरकार ने हिंदू धार्मिक नेता चिन्मय कृष्ण दास ब्रह्मचारी की गिरफ्तारी और उन्हें जमानत नहीं दिए जाने के मामले पर गहरा रोष जताया। साथ ही पड़ोसी देश में हिंदुओं पर हो रहे हमलों के नहीं थमने का मुद्दा भी पुरजोर तरीके से उठाया है। भारत ने बांग्लादेश सरकार से आह्वान किया है कि वह हिंदुओं समेत हर तरह के धार्मिक अल्पसंख्यकों की सुरक्षा सुनिश्चित करे। भारत सरकार पिछले दो महीनों के दौरान कई बार ऐसे आग्रह कर चुकी है, लेकिन जब से शेख हसीना को सत्ता से बेदखल किया गया है तब से हिंदुओं के उत्पीड़न का मामला बढ़ता जा रहा है। अंतरिम सरकार के प्रमुख सलाहकार प्रोफेसर मोहम्मद युनूस इस बारे में उल्टा भारत पर ही आरोप लगाते रहे हैं कि हिंदुओं पर हमले के मुद्दे को भारतीय मीडिया बढ़ा-चढ़ा कर बता रहा है। विदेश मंत्रालय ने बयान में कहा कि बांग्लादेश सम्मिलिता सनातनी जोत के नेता चिन्मय कृष्ण दास ब्रह्मचारी की गिरफ्तारी और उनको जमानत नहीं दिए जाने के घटनाक्रम को लेकर हमें गहरी चिंता है। यह घटना हिंदुओं व दूसरे अल्पसंख्यकों पर हुए कई हमलों के बाद सामने आई है। अल्पसंख्यकों के घरों और उनके कारोबार को तबाह करने, लूटने, मंदिरों में मूर्तियों को खंडित करने आदि घटनाओं के ठोस साक्ष्य हैं। बांग्लादेश में हिंदू समूह सम्मिलिता सनातनी जोत के नेता एवं इस्कान ट्रस्ट के सचिव रहे चिन्मय कृष्ण दास ब्रह्मचारी की गिरफ्तारी के विरोध में राजधानी ढाका और चटगांव समेत कई जगहों पर लोग सडकों पर उतरे और उनकी रिहाई की मांग की। प्रदर्शनकारियों पर लाठियां बरसाईं और आंसू गैस के गोले दागे गए। एक वकील की मौत भी हो गई। एक अदालत ने चिन्मय को जमानत देने से इन्कार कर दिया। उनको देशद्रोह के आरोप में गिरफ्तार किया गया था।

बांग्लादेश हिंदू, बौद्ध, ईसाई एकता परिषद ने बताया कि हिंदुओं के साथ-साथ ईसाइयों और बौद्धों के खिलाफ हत्या, छेड़छाड़ और अपहरण समेत हमलों की 2010 घटनाएं हुई हैं। बांग्लादेश में हिंदू समूह सम्मिलिता सनातनी जोत के नेता एवं इस्कान ट्रस्ट के सचिव रहे चिन्मय कृष्ण दास ब्रह्मचारी की गिरफ्तारी के खिलाफ प. बंगाल में विपक्ष के नेता सुवेंदु अधिकारी के नेतृत्व में भाजपा विधायकों ने मंगलवार को राज्य विधानसभा के बाहर विरोध प्रदर्शन किया। विपक्षी भाजपा विधायकों ने चिन्मय दास की तस्वीर वाली तख्तियां लेकर विधानसभा परिसर से विरोध मार्च निकाला और उनकी तत्काल रिहाई की मांग करते हुए मुख्य गेट के बाहर एकत्रित होकर नारेबाजी की। इस दौरान विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष सुवेंदु ने चिन्मय दास की गिरफ्तारी की निंदा की और उन्हें बिना शर्त शीघ्र रिहा करने की मांग करते हुए बांग्लादेश सरकार को पेट्रापोल सीमा के जरिए सभी तरह के व्यापार और आवाजाही को ठप करने की कड़ी चेतावनी दी।

बांग्लादेश में आये राजनीतिक बदलाव के कारण वहां के हिन्दुओं सहित अन्य अल्पसंख्यकों के विरुद्ध हमले बढ़ते चले जा रहे हैं। गौरतलब है कि बांग्लादेश में राजनीतिक परिवर्तन से वहां कट्टरपंथियों का बोलबाला हो गया है और वर्तमान सरकार की विदेशी नीति में आये परिवर्तन के कारण सामरिक, आर्थिक व राजनीतिक दृष्टि से बांग्लादेश के पाकिस्तान के साथ काफी अच्छे संबंध हो गए हैं। बांग्लादेश में हिन्दुओं और भारत के विरुद्ध जो हो रहा है या कहा जा रहा है उसके पीछे पाकिस्तान ही है और पाकिस्तान के पीछे चीन है। उपरोक्त तथ्यों को देखते हुए भारत को अपनी विदेश नीति के साथ-साथ अपनी आर्थिक व राजनीतिक नीतियों पर भी समयानुसार परिवर्तन लाने की आवश्यकता है। चीन, पाकिस्तान, बांग्लादेश तीनों देश भारतीय सीमाओं पर और भारत के भीतर भी समस्याएं बढ़ाने की क्षमता रखते हैं। भारत को अति सतर्क होकर चलने की आवश्यकता है। तत्काल रूप से तो बांग्लादेशी हिन्दुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करना ही भारत की प्राथमिकता होनी चाहिए। बांग्लादेश की सरकार के साथ संपर्क कर अपना रोष प्रकट करने के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी बांग्लादेश में हिन्दुओं के साथ हो रहे अत्याचारों को उठाना चाहिए। वर्तमान परिस्थितियों को सम्मुख रखते हुए भारत को पाकिस्तान, बांग्लादेश तथा चीन के साथ संबंधों को लेकर भी पुनः विचार करने की आवश्यकता है।

मनोज कुमार अग्रवाल

रैगिंग : सख्त कानून के बावजूद नाउम्मीदी

योगेश कुमार गोयल

पिछले दिनों गुजरात के पाटन में एक मेडिकल कॉलेज में रैगिंग के कारण 18 साल के एक छात्र की मौत के बाद उम्मीद जगी थी कि कॉलेजों में रैगिंग के मामलों पर रोक लगेगी लेकिन उसके बाद भी जिस प्रकार आये दिन देश भर से रैगिंग के मामले सामने आ रहे हैं, उन्हें देखते हुए कॉलेजों में रैगिंग को लेकर तत्काल कड़े कदम उठाने की जरूरत महसूस होने लगी है।

पाटन मेडिकल कॉलेज में रैगिंग से छात्र की मौत के मामले में खुलासा हुआ है कि 15 सीनियर छात्रों ने उस जूनियर छात्र सहित कई छात्रों से लगातार तीन घंटे डांस करवाया, गाने गवाए और उन्हें शारीरिक-मानसिक रूप से प्रताड़ित किया। मानसिकझ्शारीरिक यातना दिए जाने के कारण अनिल मेथानिया आधी रात को बेहोश होकर गिर पड़ा। उसे अस्पताल ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मेडिकल कॉलेज के द्वितीय वर्ष के 15 छात्रों को गैर-इरादतन हत्या के आरोप में गिरफ्तार कर लिया। रैगिंग पर लगाम कसने को लेकर देश भर के तमाम शिक्षण संस्थानों में सख्ती बेहद जरूरी है

क्योंकि हर साल ऐसे अनेक मामले सामने आते हैं, जिनमें रैगिंग के शिकार छात्र अवसाद के शिकार हो जाते हैं, कुछ रैगिंग से डर कर पढ़ाई बीच में छोड़ देते हैं, तो कुछ मौत को गले लगा लेते हैं। रैगिंग रोकने के लिए सख्त अदालती दिशा-निर्देश हैं, लेकिन जिस प्रकार रैगिंग के मामले सामने आ रहे हैं, उससे चिंता बढ़ना स्वाभाविक है।

हिमाचल के एक मेडिकल कॉलेज में 2009 में रैगिंग से एक छात्र की मौत के बाद सुप्रीम कोर्ट ने देश के शिक्षण संस्थानों में रैगिंग विरोधी कानून सख्ती से लागू करने के आदेश दिए थे, जिसके तहत दोषी पाए जाने वाले छात्र को तीन साल के सश्रम कारावास और आर्थिक दंड का प्रावधान था। दोषी छात्र को कॉलेज तथा हॉस्टल से निलंबित या बर्खास्त किया जा सकता है। उसकी छात्रवृत्ति तथा अन्य सुविधाओं पर रोक, परीक्षा देने या परीक्षा परिणाम घोषित करने पर प्रतिबंध लगाने के अलावा अन्यत्र उसके दाखिले पर भी रोक लगाई जा सकती है। रैगिंग के मामले में कार्रवाई न करने अथवा मामले की अनदेखी करने पर कॉलेज के खिलाफ भी कार्रवाई हो सकती है, जिसमें कॉलेज पर आर्थिक दंड लगाने के अलावा कॉलेज की मान्यता रद्द करने का भी प्रावधान है।

अदालत के दिशा-निर्देशों के तहत किसी छात्र के रंग-रूप या उसके पहनावे पर टिप्पणी करके उसके स्वाभिमान को ठेस पहुंचाना, उसकी क्षेत्रीयता, भाषा या जाति के आधार पर उसका अपमान करना, उसकी नस्ल या पारिवारिक पृष्ठभूमि पर अभद्र टिप्पणी करना या उससे जबरन किसी प्रकार का अनावश्यक कार्य कराया जाना रैगिंग के दायरे में सम्मिलित किया गया है। सुप्रीम कोर्ट द्वारा देश के प्रत्येक उच्च शिक्षण संस्थान में रैगिंग के खिलाफ एक समिति बनाने से लेकर संबंधित नियमों का पालन नहीं करने पर संस्थान की मान्यता रद्द करने तक के सख्त निर्देश हैं, लेकिन रैगिंग के लगातार सामने आते मामलों को देख कर हैरानी होती है। सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस अरिजीत पसायत, जस्टिस डी. के. जैन तथा जस्टिस मुकुंदकम शर्मा की खंडपीठ ने रैगिंग रोकने के लिए 11 फरवरी, 2009 को पहली बार बेहद कड़ा रुख अपनाते हुए कहा था कि रैगिंग में मानवाधिकार हनन जैसी गंध आती है। खंडपीठ ने राज्य सरकारों और केंद्रशासित प्रदेशों को शिक्षण संस्थानों में रैगिंग पर रोक लगाने के लिए राघवन कमेटी की सिफारिशों को सख्ती से लागू करने का निर्देश देते हुए कहा था कि रैगिंग रोकने में विफल शिक्षण संस्थाओं की मान्यता रद्द करें। 2001 में भी सुप्रीम कोर्ट ने उन्नीकृष्णन समिति की सिफारिश के आधार पर रैगिंग पर प्रतिबंध लगाते हुए इसके लिए कठोर सजा का प्रावधान करते हुए अपने आदेश में स्पष्ट कहा था कि शिक्षा परिसरों में रैगिंग रोकना शिक्षा संस्थानों का नैतिक ही नहीं, कानूनी दायित्व भी है, जिसे न रोक पाना दंडनीय अपराध की श्रेणी में लाया जाएगा और ऐसे संस्थानों की संबद्धता तथा उन्हें प्रदत्त सरकारी वित्तीय सहायता समाप्त की जा सकती है।

कोर्ट का स्पष्ट कहना था कि रैगिंग के नाम पर दुर्व्यवहार रोकना कॉलेज प्रबंधन, प्राचार्य, अधिकारियों तथा छात्रावास अधीक्षकों की जिम्मेदारी बनती है। एक विद्यार्थी कितने सपने संजो कर कॉलेज की दहलीज पर पहला कदम रखता है, और उससे भी अधिक उसके माता-पिता या अभिभावकों की आशाएं और अरमान उससे जुड़े होते हैं किंतु रैगिंग रूपी दानव एक ही झटके में उन सपनों, आशाओं और अरमानों पर भारी पड़ जाता है। रैगिंग जिस प्रकार छात्रों में अच्छे संस्कारों का बीजारोपण करने की बजाय आपराधिक प्रवृत्ति को जन्म दे रही हैङ्क ऐसे में राज्य सरकारों और कॉलेज प्रशासन को समय रहते जागना होगा। जरूरत इस बात की है कि रैगिंग में लिप्त पाए जाने वालों के खिलाफ कठोर कदम उठाए जाएं।

स्वामी, प्रकाशक और मुद्रक डा0 सरवर जमाल ने आर0 डी0 प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स प्रा0 लि0 प्लाट नं0 16-17 पाटलिपुत्रा इंडस्ट्रीयल एरिया, रोड नं0 झ 09 पटना झ 800013 से छपवाकर कार्यालय 203 बी, ब्लाक रंजीत रेसीडेंसीज, साकेतपुरी, मछली गली, राजा बाजार पटना- 800014 से प्रकाशित किया ।सम्पादक: श्रीमती शबाना प्रवीन पी0 आर0 बी0 एक्ट के तहत खबरों की जिम्मेवार मैनेजिंग एडिटर: डा0 राजीव कुमार, स्थानीय सम्पादक: डा0 नूतन कुमारी, उप सम्पादक: तबस्सुम नवाज PRGI NO:- BIHHIN/2023/86924 E-mail- Newsindogulf730@gmail.com,Mob-9472871824/8544031786 समस्त विवादों का निवारण पटना न्यायालय के अधीन ही होंगे।

करिश्मा की वजह से मेरी फिल्मों में राह आसान हुई थी

करीना कपूर ने कपूर खानदान की महिलाओं के फिल्मों में काम करने के बारे में बात की है। उन्होंने कहा कि उनकी बहन करिश्मा कपूर ने 90 के दशक में कपूर परिवार के नाम को पुनर्जीवित किया था। करीना के मुताबिक, करिश्मा ने हिम्मत दिखाई और उन्हीं की वजह से कपूर खानदान की महिलाएं दोबारा फिल्मों में काम कर पाईं। दरअसल, ऐसा माना जाता है कि राज कपूर ये नहीं चाहते थे कि उनके खानदान की महिलाएं फिल्मों में काम करें। इसी वजह से शादी के बाद बबीता और नीतू कपूर ने भी कपूर खानदान की बहू बनने के बाद फिल्में छोड़ दी थीं। करीना ने कहा कि जब करिश्मा ने फिल्मों में काम करने की इच्छा जताई तो कई फैमिली मेंबर्स ने उनका सपोर्ट किया। खासकर मां बबीता ने उनसे कहा कि मैं चाहती हूं कि तुम जो करना चाहती हो, वो काम करो। पापा रणधीर कपूर जो हमेशा ये सोचते थे कि लोग क्या सोचेंगे, उन्होंने भी उस वक्त करिश्मा को सपोर्ट करते हुए कहा कि अगर तुम फिल्मों में काम करना चाहती हो तो करो लेकिन तुम्हें अपने आप मौके तलाशने होंगे क्योंकि मैं तुम्हारी किसी भी तरह से मदद नहीं करूंगा।

करीना ने आगे कहा, पापा ने करिश्मा को साफ कह दिया था कि कपूर खानदान से होने का मतलब ये नहीं है कि उन्हें फिल्मों में सक्सेस मिल जाएगी और तुम बड़ी स्टार बन जाओगी। तुम अपने दम पर मौके पाओ और आगे बढ़ो।

करिश्मा को कपूर खानदान की पहली महिला स्टार कहा

करीना ने आगे करिश्मा की तारीफ करते हुए उन्हें कपूर फैमिली की पहली फीमेल स्टार बताया। उन्होंने कहा, दादा जी (राज कपूर) का निधन हो चुका था, पापा (रणधीर कपूर) ने केवल एक फिल्म बनाई थी हिना, चिंटू अंकल (ऋषि कपूर) बड़े स्टार थे लेकिन उनके अलावा 90 के दशक में कोई इतना एक्टिव नहीं था, तो करिश्मा ही कपूर फैमिली की पहली बड़ी फीमेल स्टार और सेंसेशन थीं। सही मायनों में उन्होंने ही कपूर फैमिली को फिल्मों में पुनर्जीवित किया था। करीना ने ये भी कहा कि करिश्मा के फिल्मों में काम करने के बाद उनका फिल्मों में जगह बनाना आसान हो गया था क्योंकि सब करिश्मा की बहन को फिल्मों में देखना चाहते थे।'

लड़कियों को हर कोई राय देता है, अपने रूल खुद बनाने की जरूरत

श्वेता त्रिपाठी उन हीरोइनों में से हैं, जिन्होंने हमेशा से दमदार भूमिकाएं कीं। चाहे वो मसान हो, हरामखोर हो या फिर गौन केस। मगर इंडस्ट्री की इस क्यूट एक्ट्रेस का ट्रांसफॉर्मेशन हुआ मिर्जापुर की लेडी डॉन गोलू के रूप में। सीरीज के तीसरे सीजन तक आते-आते श्वेता काफी चर्चित हो चली हैं। हाल ही नवभारत टाइम्स संग खास बातचीत में श्वेता त्रिपाठी ने निजी जिंदगी, करियर के सफर के बारे में बात की। साथ ही एक मजबूत महिला होने के मायने बयान किए।

आज ओटीटी ही नहीं फिल्मों में भी औरतों की सेक्शुअलिटी पर खुल कर बातें हो रही हैं। इस बदलाव को कैसे देखती हैं?

आज तक हमारी इच्छाओं की बात ही नहीं हुई है। चाहे वो हमारे पॉलिटिकल डिजायर्स हों, सेक्शुअल हों या फिर पढ़ने-लिखने की इच्छाएं। हमें तो बस हांका गया है, मगर अब यह बदल रहा है और इसका श्रेय हमारी पिछली पीढ़ी को जाता है, जो ये परिवर्तन लाए हैं, हमारे लेखक और निर्देशकों को भी जाता है। अब जैसे हमारे निर्देशक गुरमीत सिंह ने ही तो इतनी मजबूत औरतों को रचा है। हमें इनका अहसानमंद होना होगा। इन्हीं का ही क्यों? हमारे पति, जैसे मेरे पति चीता (चैतन्य) या रसिका (रसिका दुग्गल) के पति मुकुल (एक्टर मुकुल चड्ढा)। हम ऐसे मर्दों के बीच में हैं, जो प्रतिभावान हैं और साथ ही सोच प्रेरक भी।

एक लड़की होने के नाते आप अपनी जिंदगी के कौन-से अहम फैसले ले पाई हैं?

मुझे एक्टिंग के फील्ड में आना था, मैं आई। बावजूद इसके कि मैं यहां किसी को जानती नहीं थी। कई बार मुझे लोग सलाह देते हैं कि इस तरह का काम करो, ऐसे कपड़े पहनो। अपने दिल की बात सुनना भी एक लड़की की बड़ी जीत होती है। ये आपको करना चाहिए, क्योंकि दुनिया और समाज आपके पास सलाह-मशवरे का एक भंडार लगा देता है। सब आपको बता रहे हैं कि आपको क्रीम कौन-सी लगानी चाहिए? शादी किस उम्र में करनी चाहिए? शादी में कौन-सा कलर आप पर सूट करेगा? जब मेरी शादी नहीं हुई थी, तो मुझसे लगातार पूछा जाता था कि शादी कब कर रही हो? और जब मैंने शादी कर ली, तो कहा जाने लगा कि इतनी जल्दी शादी क्यों की? तो समाज आपको अपनी राय देता जाएगा, मगर आपको अपने लिए खुद के नियम बनाने होंगे। मैं मात्र 6 साल की थी, जब मुझे एक्टिंग करनी थी और मैं अपनी उस इच्छा को पूरा कर पाई, तो वो मेरे लिए सबसे बड़ी जीत है।

आपकी सीरीज मिर्जापुर पर लगातार हिंसा और गाली-गलौज को ग्लोरिफाई करने के आरोप लगते रहे हैं?

आरोप लगाना बहुत आसान है। लोगों को इसमें सिर्फ हिंसा या गालियां ही क्यों दिखती हैं? हमारे सीरीज की हर महिला दमदार है, चाहे वो सीएम माधुरी हो, बीना भाभी हों अथवा जरीना। क्या कोई मेंटल हेल्थ पर बातें करता है, जो इसमें होती हैं? सीरीज में कई लेयर्स हैं। कई मुद्दे हैं। हां हिंसा इसका एक हिस्सा है, क्योंकि वो दुनिया ही मिर्जापुर की है।

मिर्जापुर की गोलू की भूमिका प्रतिशोध, हिंसा और बेरहमी से भरी है। इस जटिल किरदार को जीते हुए क्या कहीं आपकी निजी जिंदगी प्रभावित हुई?

हां, सीजन टू और फिर सीजन 3 के बाद भी हुआ। मैं हमेशा से अपने किरदार के इमोशनल सुर को पकड़ती हूं। मेरा गोलू का किरदार पहले सीजन में रसगुल्ले की तरह थी, मगर तीसरे सीजन तक आते-आते वो प्रतिशोध से भर गई। गोलू के किरदार में प्रवेश करने के लिए मैंने बहुत कुछ किया। फिर एक समय ऐसा आया, जब मुझे लगा कि मैं हैंडल नहीं कर पा रही हूं, मुझ पर गोलू का कुछ ज्यादा ही असर हो रहा है, तब मुझे थैरेपिस्ट से मिलना पड़ा।

शादी के सवाल पर श्रद्धा कपूर बोलीं

श्रद्धा कपूर ने जब से राहुल मोदी के साथ अपने रिलेशनशिप को कन्फर्म किया है, तब उनकी शादी की चर्चा हो रही है। श्रद्धा से अक्सर शादी को लेकर सवाल भी किया जाता है। फिल्म 'स्त्री 2' के ट्रेलर लांच के दौरान जब एक्ट्रेस से शादी से जुड़ा सवाल पूछा गया तो इसका जवाब उन्होंने फिल्मी अंदाज में दिया। उन्होंने कहा- वह स्त्री है, उसे जब दुल्हन बनना है वो बनेगी। बता दें कि श्रद्धा कपूर की मोस्ट अवेटेड फिल्म स्त्री 2, 15 अगस्त को रिलीज होगी। यह फिल्म स्त्री की सीक्वल है। इस फिल्म को लेकर श्रद्धा कपूर काफी एक्साइटेड है। पिछले कुछ समय से श्रद्धा कपूर स्क्रिप्ट राइटर राहुल मोदी को डेट कर रही हैं। पिछले महीने श्रद्धा ने इंस्टाग्राम पर राहुल मोदी के साथ अपने रिश्ते को आधिकारिक तौर पर जाहिर किया था। उन्होंने राहुल के साथ एक सेल्फी पोस्ट की और एक मजेदार कैप्शन भी लिखा था। उन्होंने लिखा था- दिल रख ले, नींद तो वापस दे दे यार। श्रद्धा ने इस पोस्ट के साथ बैकग्राउंड में फिल्म इश्क का गाना नींद चुराई मेरी भी इस्तेमाल किया था।

दो साल से सिंगल हूं और किसी को भी डेट नहीं कर रही हूं

पूर्व मिस यूनिवर्स और अभिनेत्री सुष्मिता सेन काम के साथ-साथ अपनी निजी जिंदगी को लेकर भी खूब सुर्खियां बटोरती हैं। ऐसी अफवाह है कि अभिनेत्री का अपने पूर्व प्रेमी रोहमन शॉल के साथ पैचअप हो गया है। हालांकि, इसी बीच सुष्मिता ने रिया चक्रवर्ती के पॉडकास्ट में दिए अपने बयान से प्रशंसकों का दिल तोड़ दिया है। सुष्मिता ने खुलासा किया है कि वह दो साल से सिंगल हैं और किसी को भी डेट नहीं कर रही हैं। अभिनेत्री रिया चक्रवर्ती के पॉडकास्ट के पहले एपिसोड में सुष्मिता ने खुलासा किया कि वह वास्तव में सिंगल हैं। उन्होंने यह साझा किया कि उनके बहुत अच्छे दोस्त हैं, लेकिन वह फिलहाल किसी को डेट नहीं कर रही हैं। सुष्मिता ने कहा, मेरे जीवन में कोई पुरुष नहीं है। मैं कुछ समय से अकेली हूं। लगभग दो साल हो गए हैं जब से मैं सिंगल हूं, सटीक रूप से कहूं तो 2021 से... मैं किसी रिलेशनशिप में नहीं हूं। सुष्मिता रोहमन के साथ रिलेशनशिप में थीं। दिसंबर 2021 में उन्होंने उनसे अलग होने की घोषणा की। हालांकि, उन्हें कई इवेंट्स में एक साथ देखा जाता है। उन्होंने कहा था, हमने दोस्त के रूप में शुरुआत की थी, हम दोस्त बने रहेंगे। रिश्ता काफी समय पहले खत्म हो चुका था... प्यार बना हुआ है।

25 जुलाई से आदित्य धर की अगली फिल्म की शूटिंग शुरू करेंगे रणवीर

बॉलीवुड में उरी द सर्जिकल स्ट्राइक और आर्टिकल 370 जैसी फिल्में बनाने वाले आदित्य धर अब अपनी अगली फिल्म को लेकर चर्चा में हैं। मीडिया रिपोर्ट्स में कहा जा रहा है कि आदित्य धर की अगली फिल्म में रणवीर सिंह नजर आने वाले हैं। यह एक स्पाई थ्रिलर फिल्म होगी। फिलहाल इस फिल्म की शूटिंग को लेकर अपडेट सामने आया है। बताया जा रहा है कि इस फिल्म की शूटिंग इसी महीने शुरू होगी। कहा जा रहा है कि आदित्य धर और रणवीर सिंह 25 जुलाई से थाइलैंड में फिल्म पर काम शुरू करने जा रहे हैं। इसके अलावा फिल्म से कुछ अन्य सितारों के जुड़ने की भी चर्चा है। मीडिया रिपोर्ट्स में कहा गया है कि फिल्म का पहला शेड्यूल एक इंटेल नेटवर्क के भीतर बातचीत पर केंद्रित होगा। इसके अलावा रणवीर सिंह के अलावा इस फिल्म में संजय दत्त, अक्षय खन्ना, अर्जुन रामपाल और आर माधवन के नाम जुड़ने की भी चर्चा है।

खलनायक के रोल में दिखेंगे संजय दत्त

आदित्य धर की अगली फिल्म में काम करने के लिए रणवीर सिंह उत्साहित हैं। रिपोर्ट्स में कहा जा रहा है कि इस फिल्म में संजय दत्त खलनायक की भूमिका निभाएंगे, जबकि रणवीर सिंह, अक्षय खन्ना, आर माधवन और अर्जुन रामपाल भारतीय खुफिया तंत्र का हिस्सा होंगे। सभी के लुक टेस्ट पूरे हो चुके हैं। इस फिल्म की शूटिंग छह महीने की अवधि में पूरी किए जाने की योजना है। फिल्म से जुड़े आधिकारिक एलान जल्द होंगे।

गुलशन देवैया के साथ नहीं बैठा था जान्हवी का तालमेल, फिर ऐसे पूरी हुई 'उलझ' की शूटिंग

जान्हवी कपूर अपनी आगामी फिल्म उलझ की रिलीज के लिए तैयार हैं, जिसमें उनके साथ गुलशन देवैया, राजेश तैलंग और रोशन मैथ्यू जैसे कलाकार अभिनय कर रहे हैं। फिल्म का ट्रेलर देखने के बाद प्रशंसक इसके रिलीज का इंतजार कर रहे हैं।

इस बीच जान्हवी कपूर के को-स्टार गुलशन देवैया ने सेट पर उनके साथ तालमेल न बैठाने के बारे में चौंकाने वाला खुलासा किया है।

एक साक्षात्कार में अभिनेता ने जान्हवी कपूर के साथ अपने तालमेल को लेकर बातचीत की। देवैया ने कहा, 'हम उस तरह से तालमेल नहीं बैठाते कि बैठ गए और बातें की। सच में हम इस तरह की वाइब साझा नहीं करते।' गुलशन की इस बात पर जान्हवी हंसने लगीं और कहा, 'यह आपकी अब तक की सबसे मजेदार बात है।' अभिनेता ने आगे कहा कि शुरू में उन्हें एक-दूसरे से जुड़ाव की कमी महसूस हुई। हालांकि, उन्हें साथ में करने के लिए कुछ दिलचस्प नहीं मिला, लेकिन उन्हें नहीं लगा कि इससे उनके सीन को प्रभावी ढंग से करने की क्षमता प्रभावित हुई।

'उलझ' एक जासूसी थ्रिलर फिल्म है जो एक युवा आईएफएस अधिकारी की कहानी है। वह घर से दूर एक महत्वपूर्ण पद पर काम करते हुए खुद को एक खतरनाक साजिश में फंसी हुई पाती है। सुधांशु सरिया द्वारा निर्देशित 'उलझ' में जान्हवी कपूर, रोशन मैथ्यू और गुलशन देवैया के साथ राजेंद्र गुप्ता, राजेश तैलंग, आदिल हुसैन, मेयांग चांग और जितेंद्र जोशी प्रमुख भूमिका में हैं। यह थ्रिलर फिल्म दो अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

मुंज्या निर्देशक की अगली फिल्म में नजर आएंगे राजीव खंडेलवाल

आदित्य सरपोतदार का सीजन आ गया है। पिछले महीने उन्होंने अपनी हॉरर कॉमेडी मुंज्या से बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा दिया था। पिछले हफ़्ते उन्होंने इसी जॉनर की एक और फिल्म ककुड़ा को ओटीटी पर पेश किया था। और अब, यह पता चला है कि उन्होंने अपनी अगली फिल्म पर काम शुरू कर दिया है और इसमें राजीव खंडेलवाल मुख्य भूमिका में हैं। बातचीत के दौरान, डैशिंग एक्टर ने खुलासा किया कि उन्हें प्रतिभाशाली फिल्म निर्माता की वेब सीरीज़ मिल गई है, जिसका प्रीमियर डिज्नी+ हॉटस्टार पर होगा। यह फिलहाल बिना शीर्षक वाली है और मराठी उपन्यास प्रतिपशचंद्र का रूपांतरण है। राजीव खंडेलवाल ने इस इंटरव्यू में आदित्य सरपोतदार के साथ काम करने को लेकर अपनी उत्सुकता साझा की, ऐसे लोग हैं जो स्क्रीन पर आपका दूसरा पक्ष लाना चाहते हैं। आदित्य उनमें से एक हैं। इस सीरीज़ में, वह हमसे ज़्यादा परफ़ॉर्म करेंगे क्योंकि यह सब कहानी कहने के बारे में है। मैं उनसे कहता रहता हूँ, तुम्हारे पास मुंज्या और काकुड़ा था। अब, इसे मुंज्या जितना बड़ा बनाओ। जून में एक अन्य साक्षात्कार में राजीव खंडेलवाल ने शो के बारे में अधिक जानकारी साझा की, यह एक बहुत ही दिलचस्प सीरीज़ है। मैं इसके सबसे नज़दीकी समानांतर इंडियाना जोन्स के बारे में सोच सकता हूँ।

टीम इंडिया से मिले ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री, विराट कोहली के पर्थ टेस्ट शतक की तारीफ की

पर्थ (एजेंसी)। टीम इंडिया मौजूदा समय में ऑस्ट्रेलिया के दौरे पर है। जहां दोनों टीमों के बीच बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी खेली जा रही है। वहीं इसका पहला टेस्ट मैच पर्थ में खेला जा चुका है जिसे भारत ने जीत लिया। वहीं दोनों टीमों के बीच 6 दिसंबर से दूसरा मैच खेला जाएगा लेकिन इससे पहले टीमें पिंक बॉल टेस्ट की तैयारी करेंगी। फिलहाल, टीम इंडिया कैनबरा पहुंची और ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री एंथोनी अल्बानीज से मिली। जहां ऑस्ट्रेलियाई पीएम ने विराट कोहली की तारीफ की।

इस दौरान ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री ने भारतीय खिलाड़ियों की तारीफ की और उनसे काफी बातचीत की। इसका एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें पीएम एंथोनी अल्बानीज भारतीय पेसर जसप्रीत बुमराह, विराट कोहली और अन्य खिलाड़ियों से मिल रहे हैं। इस दौरान विराट और अल्बानीज के बीच जो बातचीत हुई वह काफी मजेदार थी।

अल्बानीज ने विराट को देखा तो उनसे हाथ मिलाया और हाल चाल पूछआ। इसके बाद ऑस्ट्रेलियाई पीएम बोले कि, पर्थ में आपने शानदार सेंचुरी जड़ी। मानो उस समय हम पर्याप्त कष्ट नहीं झेल रहे थे। ये वाकई में शानदार था। इस पर विराट कहते हैं कि आप इसमें मसाला लगा रहे हैं। कोहली ने पर्थ में अपने टेस्ट करियर की 30वीं सेंचुरी ठोकी और इंटरनेशनल क्रिकेट में 81वां शतक जड़ा। वहीं प्रोफेशनल क्रिकेट में उनके शतकों की संख्या 100 हो चुकी है। वे दूसरे ऐसे बल्लेबाज हैं जिन्होंने ये मुकाम प्रतिस्पर्धा क्रिकेट में हासिल किया है। सचिन तेंदुलकर एकमात्र बल्लेबाज हैं जिन्होंने प्रोफेशनल क्रिकेट में 100 से ज्यादा शतक जड़े हैं।

नेशनल शूटिंग चैंपियनशिप में हिस्सा नहीं लेंगी मनु भाकर

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत की स्टार निशानेबाज और पेरिस ओलंपिक्स 2024 की डबल मेडल विजेता मनु भाकर ने दोबारा ट्रेनिंग शुरू कर दी है। लेकिन उनके फैंस के लिए एक निराशाजक खबर है क्योंकि मनु अगले महीने होने वाली नेशनल चैंपियनशिप का हिस्सा नहीं होंगी। ये पेरिस ओलंपिक्स के बाद ऐसा दूसरा बड़ा टूर्नामेंट होगा, जिसमें मनु भाकर ने भाग लेने से इनकार कर दिया है। इससे पहले उन्होंने अक्टूबर महीन में दिल्ली में हुए आईएसएसएफ शूटिंग वर्ल्ड कप फाइनल से भी अपना नाम वापस ले लिया था।

दरअसल, मनु भाकर के कोच जसपाल राणा का कहना है कि मनु भाकर नेशनल चैंपियनशिप में भाग नहीं लेंगी। कोच के मुताबिक मनु को ट्रेनिंग में वापस आए उतना समय नहीं हुआ है, जिससे वो अभी बड़े टूर्नामेंट में भाग ले सकें। अभी भारतीय निशानेबाज अपने कोच के साथ यूरोप में है, जहां वो अपनी ग्रिप को बेहतर बनाने पर जोर दे रही हैं।

वहीं टाइम्स ऑफ इंडिया से जसपाल राणा ने कहा कि, हम फिलहाल मनु भाकर की ग्रिप को बेहतर बनाने का प्रयास कर रहे हैं। जिस कारण हमने यूरोपीय दौरे का फैसला पहले ही कर लिया था। ऐसे कई पहलू हैं जिनपर हमें ध्यान देने की जरूरत है लेकिन अभी ज्यादा कुछ नहीं कह सकते। मैं आश्वस्त हूं कि इन बदलावों से भविष्य में मनु के प्रदर्शन में सुधार आएगा।

पाकिस्तान के लिए भारत में खेलना संभव नहीं है : पीसीबी अध्यक्ष मोहसिन नकवी

लाहौर (एजेंसी)। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने भारतीय टीम के पाकिस्तान यात्रा करने से इनकार करने का हवाला देते हुए कहा कि भविष्य में टूर्नामेंट के लिए पाकिस्तान के भारत जाने की संभावना नहीं होगी। चैंपियंस ट्रॉफी का भविष्य अधर में लटका है क्योंकि बीसीसीआई ने आईसीसी को टीम पाकिस्तान भेजने में असमर्थता जताई है और वैश्विक संस्था ने अंतिम निर्णय लेने के लिए शुक्रवार को अपने कार्यकारी बोर्ड के सदस्यों की वर्चुअल बैठक बुलाई है।

नकवी ने गद्दाफी स्टेडियम में कल रात निर्माण कार्य का निरीक्षण करने के बाद कहा, 'यह संभव ही नहीं है कि पाकिस्तान भारत में जाकर सभी टूर्नामेंट खेलता रहे और भारतीय अधिकारी अपनी टीम पाकिस्तान में खेलने के लिए भेजने को तैयार नहीं हों। हम ऐसी विषम स्थिति नहीं होने दे सकते।'

नकवी ने चैंपियंस ट्रॉफी के लिए 'हाइब्रिड' मॉडल के बारे में पूछे जाने पर हालांकि नरम रवैया अपनाया। उन्होंने इससे पहले उन्होंने कहा था कि पीसीबी इस तरह के प्रस्ताव को स्वीकार नहीं करेगा। उन्होंने कहा, 'मैं केवल इतना आश्वासन दे सकता हूं कि बैठक में जो भी होगा, हम अच्छी खबर और निर्णय लेकर आएंगे, जिसे हमारे लोग स्वीकार करेंगे।'

नकवी ने उम्मीद जताई कि पांच दिसंबर को आईसीसी के चेयरमैन का पद संभालने वाले जय शाह विश्व क्रिकेट और सभी सदस्य बोर्डों के हित में निर्णय लेंगे। उन्होंने कहा, 'जय शाह दिसंबर में कार्यभार संभालेंगे और मुझे यकीन है कि जब वह बीसीसीआई से आईसीसी में जाएंगे तो वह आईसीसी के लाभ के बारे में सोचेंगे और उन्हें यही करना चाहिए।' उन्होंने कहा, 'जब भी कोई ऐसी भूमिका निभाता है तो उसे केवल उस संगठन के हितों के बारे में सोचना चाहिए।'

आईसीसी बोर्ड मीटिंग : चैंपियंस ट्रॉफी की मेजबानी के लिए 'हाइब्रिड' मॉडल मुख्य विषय

दुबई (एजेंसी)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की शक्तिशाली बोर्ड की शुक्रवार को होने वाली अहम बैठक में अगले साल होने वाली चैंपियंस ट्रॉफी के लंबे समय से प्रतीक्षित कार्यक्रम को लेकर मुख्य चर्चा होगी। चैम्पियंस ट्रॉफी की मेजबानी पाकिस्तान के पास है और भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने आईसीसी को बता दिया है वह टीम को पाकिस्तान नहीं भेजेगा। पाकिस्तान दूसरी तरफ टूर्नामेंट को 'हाइब्रिड' मॉडल के तहत आयोजित नहीं करने पर अड़ा हुआ है।

आईसीसी बोर्ड की बैठक वर्चुअल तरीके से होगी और इसमें चैंपियंस ट्रॉफी के कार्यक्रम को लेकर कोई हल निकलने की संभावना है। इस मामले की जानकारी रखने वाले एक सूत्र ने कहा, 'इस समय 'हाइब्रिड' मॉडल सबसे अच्छा विकल्प है। हमें उम्मीद है कि टूर्नामेंट में शामिल सभी पक्ष टूर्नामेंट के हित में समझदारी भरा फैसला लेंगे। भारत और पाकिस्तान के बिना टूर्नामेंट का आयोजन करना अच्छा नहीं है।' आईसीसी के सदस्य पीसीबी को यह समझाने की कोशिश कर रहे हैं कि भारत और पाकिस्तान के बीच मैच के बिना चैंपियंस ट्रॉफी की चमक फीकी पड़ जाएगी और सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि इससे बड़े पैमाने पर वित्तीय नुकसान होगा। टूर्नामेंट के मुख्य प्रसारक 'जियो स्टार' ने पहले ही आईसीसी के शीर्ष अधिकारियों से संपर्क कर कार्यक्रम के बारे में अंतिम निर्णय पर पहुंचने में हो रही देरी पर अपनी निराशा व्यक्त की है। आईसीसी और

प्रसारणकर्ता के बीच हुए अनुबंध के अनुसार संचालन संस्था से अपेक्षा की गई थी कि वह टूर्नामेंट का कार्यक्रम कम से कम 90 दिन पहले दे, लेकिन यह समय सीमा पहले ही पार कर ली गई है। इस सूत्र ने भारत और पाकिस्तान को अलग-अलग ग्रुप में रखने की संभावना को खारिज करते हुए कहा, 'मुझे नहीं लगता कि टेलीविजन अधिकार धारक इस बात से सहमत होंगे। वे ग्रुप चरण में ही भारत बनाम पाकिस्तान मैच की मांग करेंगे, ताकि टूर्नामेंट की लोकप्रियता और मौद्रिक आय में वृद्धि हो सके। दोनों टीमों का सामना अगर नॉकआउट चरण में होगा तो यह उनके लिए किसी बोनस की तरह होगा।'

उन्होंने कहा, 'भारत ने पहले ही तय कर दिया है कि नॉकआउट चरण में पहुंचने पर भी टीम पाकिस्तान की यात्रा नहीं करेगी ऐसे में यह चर्चा हाइब्रिड मॉडल के इर्द-गिर्द होगी।' भारत ने 2008 के मुंबई आतंकी हमलों के बाद से पाकिस्तान का दौरा नहीं किया है, जिसमें 150 से ज्यादा लोग मारे गए थे। आईसीसी ने भी कई बार कहा है कि वह वह किसी भी सदस्य बोर्ड से सरकार की सलाह के विरुद्ध जाने की अपेक्षा नहीं करता है।

पाकिस्तान की स्थिति देश में जारी मौजूदा राजनीतिक विरोध से और कमजोर हुई है। इस्लामाबाद में बड़े पैमाने पर राजनीतिक विरोध के कारण कुछ दिन पहले श्रीलंका ए टीम का पाकिस्तान दौरा बीच में ही रोकना पड़ा था। यह उथल-पुथल पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ पार्टी के विरोध के कारण है, जो पूर्व कप्तान और प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी है। प्रदर्शनकारियों और सुरक्षाबलों के बीच झड़प और हिंसा की घटनाएं सामने आई है।

पीसीबी प्रमुख मोहसिन नकवी देश के गृह मंत्री भी है। उन्होंने घोषणा की थी कि अशांति को खत्म करने के लिए सेना को बुलाया गया था। लेकिन जब चैंपियंस ट्रॉफी की बात आती है, तो पीसीबी वहां आयोजन कराने पर अड़ा हुआ है। नकवी ने बुधवार रात को कहा कहा था, 'मैं केवल इतना आश्वासन दे सकता हूं कि बैठक में जो भी होगा, हम ऐसी अच्छी खबरें और निर्णय लेकर आएंगे जिन्हें हमारे लोगों द्वारा स्वीकार किया जाएगा।' ऐसे में आईसीसी बोर्ड के सदस्यों का प्राथमिक लक्ष्य पीसीबी को 'हाइब्रिड' मॉडल अपनाने के लिए प्रेरित करना होगा। इसमें लीग चरण के साथ भारत के नॉकआउट चरण के मैचों का आयोजन यूएई में होने का प्रावधान हो सकता है। पीसीबी अगर अड़ियल रवैया अपनाता है और आईसीसी द्वारा चैंपियंस ट्रॉफी को किसी तटस्थ स्थान पर आयोजित करने के निर्णय की स्थिति में इसका बहिष्कार करता है तो क्या होगा?

दक्षिण अफ्रीका-श्रीलंका टेस्ट के पहले दिन का खेल बारिश से धुला

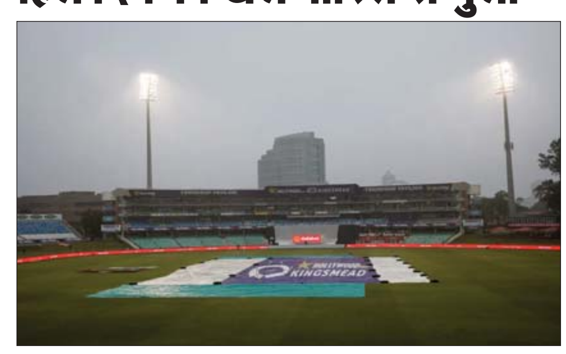

डरबन। दक्षिण अफ्रीका और श्रीलंका के बीच यहां पहले क्रिकेट टेस्ट मैच के पहले दिन का खेल बारिश के कारण नहीं हो पाया। इस मुकाबले में पहले सत्र में ही तेज बारिश आ गयी।इस कारया समय से पहले लंच-ब्रेक लेना पड़ा। इसके बाद बारिश नहीं रुकी जिससे खेल दोबारा शुरू नहीं हो पाया और अंत में दिनभर का खेल समाप्त घोषित करना पड़ा। पहले दिन का खेल समाप्त होने पर दक्षिण अफ्रीका का स्कोर 4 विकेट पर 80 रन था। मेजबान कप्तान तेम्बा बवूमा 28 रन बनाकर खेल रहे थे। वहीं काइल वरेन 9 रन बनाकर उनका साथ दे रहे थे। वहीं सलामी बल्लेबाज एडेन मार्करम 9 और टोनी डी जॉर्जी 4 रन बनाकर आउट हुए जबकि ट्रिस्टन स्टब्स 16 और डेविड बेडिंघम 4 रन बनाकर पैवेलियन लौटे। दक्षिण अफ्रीका के चार बल्लेबाजों में से 2 बल्लेबाजों को लाहिरु कुमार ने आउट किया। वहीं विश्वा फर्नांडो और असिथ फर्नांडो को एक-एक विकेट मिला।

आईपीएल नीलामी के बाद जमकर चला श्रेयस का बल्ला

हैदराबाद। आईपीएल नीलामी के बाद श्रेयस अय्यर का बल्ला जमकर चलता नजर आया। मुम्बई की कप्तानी कर रहे श्रेयस ने शानदार अर्धशतक लगाया जिससे मुम्बई टीम ने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के ग्रुप-सी के मैच में महाराष्ट्र को पांच विकेट से हरा दिया। श्रेयस ने 39 गेंद में आठ चौकों और तीन छक्कों की सहायता से 71 रन बनाए। वहीं रहाणे ने 34 गेंद में 52 रन बनाये। इसके बाद मुंबई ने जीत के लिए 172 रन का लक्ष्य 17.1 ओवर में हासिल कर लिया। वहीं इससे पहले गेंदबाजी करते हुए शार्दुल ठाकुर और मोहित अवस्थी ने दो दो विकेट लिए जिससे महाराष्ट्र की टीम 9 विकेट पर 171 रन ही बना सकी। आईपीएल की मेगा नीलामी में पंजाब किंग्स ने श्रेयस को 26 करोड़ 75 लाख रुपये में खरीदे था। इसका प्रभाव उनकी बल्लेबाजी पर भी दिखा। वहीं पंजाब किंग्स की सह मालकिन प्रीति जिंटा भी इस पारी को देखकर बेहद खुश नजर आयीं। अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से श्रेयस ने महाराष्ट्र के गेंदबाजों को कोई अवसर नहीं दिया। आईपीएल नीलामी के बाद ये श्रेयस का पहल मैच था जिसमें वह पूरी लय में दिखे। अब पंजाब की को-ओनर प्रीति जिंटा उनके प्रदर्शन से खुश होंगी।

भारतीय टीम अभ्यास मैच के लिए कैनबरा पहुंची, हर्षित को लॉलीपॉप देते दिखे ऋषभ

कैनबरा (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के पहले टेस्ट मैच में शानदार जीत के बाद अब एडीलेड में होने वाले दूसरे टेस्ट के लिए तैयारी कर रही है। दूसरा टेस्ट दिन-रात का होने के कारण आसान नहीं रहेगा। ऐसे में अपनी तैयारी को और बेहतर करने के लिए भारतीय टीम कैनबरा में दिन-रात का दो दिवसीय अभ्यास मैच भी खेलेगी।

जब भारतीय टीम पर्थ से कैनबरा के लिए रवाना हुई, तो खिलाड़ी मस्ती करते दिखे।ऋषभ पंत को हर्षल पटेल को लॉलीपॉप देते हुए भी देखा गया। इसका एक वीडियो भी बीसीसीआई ने जारी किया है। इसमें एयरपोर्ट पर भारतीय टीम को देखा जा सकता है।

कप्तान रोहित शर्मा भी टीम के साथ थे। वह दूसरे टेस्ट से एक बार फिर कप्तानी करेंगे। गुलाबी गेंद का अभ्यास मैच उनके लिए भी और भी अहम है क्योंकि वे अभी-अभी भारत से लौटे हैं और वे जल्द से जल्द अभ्यास करके ऑस्ट्रेलियाई हालातों के अनुसार ढ़लना चाहेंगे। बीसीसीआई के वीडियो में शुभमन गिल भी हैं पर उंगली की चोट के कारण उनके अभ्यास मैच से बाहर रहने की संभावना है। उनका दूसरे टेस्ट में खेलना भी संदिग्ध है और चूंकि रोहित शर्मा फिर से पारी शुरु करने की स्थिति में आ गए हैं, इसलिए राहुल दूसरे टेस्ट में नंबर 3 पर खेलेंगे। भारतीय टीम ने पहला टेस्ट मैच 295 रनों के बड़े अंतर से जीता था और अब वह एडिलेड ओवल में उसी लय को जारी रखना चाहेगी।

आईपीएल नियमों के कारण धोनी और ऋषभ की कमाई में आया भारी अंतर

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) नीलामी से जहां कई खिलाड़ी रातो रात करोड़पति बन गये। वहीं कई की कीमतें घटी हैं। लीग के नये रिटेंशन नियमों से भी कई खिलाड़ियों को नुकसान हुआ है। चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) के पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी को आईपीएल के पहले सीजन में जितने पैसे मिले थे। उससे कहीं कम इस बार मिले हैं। धोनी अपनी ही टीम में कीमत के मामले में नौवें नंबर पर आ गये हैं। वहीं अगर धोनी की तुलना 2025 के सबसे महंगे खिलाड़ी ऋषभ पंत से की जाती है तो जितनी धोनी की साल भर की कमाई है उतनी ऋषभ की दो मैचों की कमाई है। नीलामी में ऋषभ पंत पर सबसे बड़ी बोली लगी और उन्हें लखनऊ पर जायंट्स ने 27 करोड़ रुपये में खरीदा। वहीं धोनी को चेन्नई सुपरकिंग्स ने 4 करोड़ रुपए में रीटेन किया है। सीएसके ने आईपीएल के लिए 5 खिलाड़ी रीटेन किए, जिसमें सबसे कम पैसे धोनी को ही मिले हैं। इसका कारण आईपीएल का नया नियम है जिसमें धोनी को अनकैप्ड प्लेयर के तौर पर रीटेन किया जाना था और इसमें 4 करोड़ से अधिक नहीं दिये जा सकते। आईपीएल 2025 से पहले अनकैप्ड प्लेयर को लेकर कुछ नियम बदले थे, जिसमें 5 साल पहले संन्यास ले चुके क्रिकेटर को अनकैप्ड मानने पर सहमति बनी थी। इसी कारण ऋतुराज गायकवाड़, रवींद्र जडेजा, मथीशा पथिराणा और शिवम दुबे जैसे नये खिलाड़ियों को भी धोनी से ज्यादा पैसे देकर रीटेन किया गया है। वहीं सबसे महंगे खिलाड़ी ऋषभ और धोनी की कमाई में अंतर देखा जाये तो ऋषभ की टीम यदि फाइनल खेलती है तो वह पूरे सीजन में 16 या 17 मैच खेलेगी. अगर हम इसे 17 मैच मान लें कि पंत को एक मैच के औसतन 1.80 करोड़ रुपए मिलेंगे। इसी तरह अगर चेन्नई सुपरकिंग्स फाइनल में पहुंचे और धोनी 17 मुकाबलों में उतरें तो उनकी प्रति मैच कमाई 23.52 लाख रह जाएगी। धोनी और पंत की इस कमाई में मैच फीस शामिल नहीं है। आईपीएल में पहले मैच फीस नहीं मिलती थी। साल 2025 से अब खिलाड़ियों को मैच फीस भी मिलेगी. इसी तरह यदि सीएसके नॉकआउट राउंड में पहुंचने में नाकाम रहे और धोनी ग्रुप स्टेज के सारे मुकाबले खेलें तो उनकी प्रति मैच फीस 28.57 लाख रुपए रहेगी। अगर लखनऊ नॉकआउट राउंड से बाहर हो जाए और पंत सारे ग्रुप मैच खेलें तो उनकी प्रति मैच फीस 1.92 करोड़ रुपए रहेगी। यदि लखनऊ सुपर जायंट्स नॉकआउट राउंड से पहले ही बाहर हो जाती है तो ऋषभ को दो मैच में औसतन 3.84 करोड़ रुपए मिलेंगे। यह धोनी के पूरे साल के वेतन से थोड़े ही कम होंगे।

विलियम्सन की शानदार वापसी पर 33 वां शतक पूरा नहीं कर पाये

क्राइस्टचर्च (एजेंसी)। न्यूजीलैंड के अनुभवी बल्लेबाज केन विलियम्सन ने चोट से उबरकर टेस्ट क्रिकेट में अच्छी वापसी करते हुए. इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज के पहले टेस्ट मैच में 93 रन बनाये पर वह अपना 33 वां शतक पूरा नहीं कर पाये। इस मैच में दबाव के बीच ही विलयम्सन ने अच्छी बल्लेबाजी की। वह तेज गेंदबाज गट एटकिंसन का शिकार बने। विलियम्सन की पारी से उनकी टीम अच्छा स्कोर बनाने में सफल रही। ये साल 2018 के बाद पहला मौका है जब विलियम्स टेस्ट में नर्वस नाइंटीज का शिकार बने। इससे पहले वह पिछली पारियों में 90 रनों से ऊपर पहुंचने के बाद शतक लगाने में सफल रहे थे। विलियम्सन ने 197 गेंदों में 93 रन बनाए जिसमें 10 चौके शामिल थे। इस मैच में इंग्लैंड की टीम ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी की पर विलियम्सन की अच्छी पारी से मेजबान टीम पांच विकेट पर 225 रन बनाने में सफल रही।

वं इंग्लैंड के पूर्व कप्तान जो रूट ने इस मैच में उतरते ही अपना 150वां टेस्ट मैच खेला। रूट 150 टेस्ट खेलने वाले इंग्लैंड के चौथे बल्लेबाज हैं ! इससे पहले इंग्लैंड की ओर से जेम्स एंडरसन ने 188 जबकि स्टुअर्ट ब्रॉड ने 167 टेस्ट खेले हैं। विलियम्सन इस बार आईपीएल नीलामी में नहीं बिके। वहीं पिछले साल वह गुजरात टाइटंस की टीम में थे पर उनका प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा था। माना जा रहा है कि इसी कारण उन्हें कोई खरीददार नहीं मिला।

पढ़ाई से बचने के लिए हॉकी को चुना था लेकिन इसने करियर बना दिया: अभिषेक

नई दिल्ली (एजेंसी)। ओलंपिक कांस्य पदक विजेता फारवर्ड अभिषेक ने पढ़ाई से बचने के लिए हॉकी खेलना शुरू किया था लेकिन उन्हें इस फैसले पर कभी पछतावा नहीं हुआ क्योंकि इस खेल ने उन्हें पहचान, 'स्टारडम' और वह सब कुछ दिया जो वह जिंदगी में पाना चाहते थे। अभिषेक ने हालांकि पत्राचार के माध्यम से अपनी स्नातक की पढ़ाई पूरी करने में कामयाबी हासिल की, लेकिन इस खिलाड़ी को पता था कि हमेशा से पता था कि खेल से उन्हें बेहतर उद्देश्य मिलेगा।

पेरिस ओलंपिक में भारत के कांस्य पदक जीतने के अभियान में अहम योगदान निभाने वाले अभिषेक ने साक्षात्कार में कहा, 'मैंने 11 या 12 साल की उम्र में हॉकी खेलना शुरू किया था। सोनीपत में इसके अलावा मेरे पास कोई और विकल्प नहीं था।' उन्होंने कहा, 'मेरा एक दोस्त हॉकी खेलने के लिए काफी यात्रा करता था। मुझमें कभी पढ़ाई करने का धैर्य नहीं था और जब मैंने देखा कि मेरे दोस्त को हॉकी में व्यस्त होने के कारण स्कूल कम आना होता है, तो मैंने सोचा कि अगर मैं भी हॉकी खेलना शुरू कर दूं तो मैं भी ऐसा ही कर सकता हूं।'

हांगझोऊ एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतने वाली भारतीय टीम के इस सदस्य ने कहा कि वह पुर्तगाल के दिग्गज फुटबॉल खिलाड़ी क्रिस्टियानो रोनाल्डो और उनके काम करने के तरीके के बड़े प्रशंसक है। उन्होंने कहा, 'मैं रोनाल्डो का बहुत बड़ा प्रशंसक हूं। उनके मैदान के बाहर की दिनचर्या, उनका अनुशासन, खान-पान की आदतें... मैं उनके वीडियो देखता हूं और उन्हें (आदतों को) अपनी दिनचर्या में शामिल करने की कोशिश करता हूं।' अभिषेक ने कहा कि उनका लक्ष्य हॉकी स्वर्ण पदक जीतना है। उन्होंने कहा, ''मेरा लक्ष्य भारतीय हॉकी के स्वर्ण युग को पुनर्जीवित करना है। हमने ओलंपिक में पदक जीतने की प्रक्रिया शुरू कर दी है, लेकिन स्वर्ण युग अभी हासिल नहीं हुआ है। यही मेरा लक्ष्य है।' अभिषेक फिर से शुरू हो रही हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) की नीलामी में भारतीय कप्तान हरमनप्रीत सिंह (78 लाख रुपए) के बाद दूसरे सबसे महंगे खिलाड़ी रहे। उन्हें श्राची रार बंगाल टाइगर्स ने 72 लाख रुपये में खरीदा था। यह उनका पहला एचआईएल अनुभव होगा और उम्मीद है कि वह इस टूर्नामेंट को लेकर उत्साहित हैं।

उन्होंने कहा, 'यह अंतरराष्ट्रीय मैचों से अलग अनुभव होगा। एचआईएल भारतीय हॉकी के लिए भी एक बड़ी बात होने जा रही है क्योंकि हमें लीग में बहुत सारे खिलाड़ियों से मिलने का मौका मिलेगा। आईपीएल ने रास्ता दिखाया है क्योंकि वह भारतीय क्रिकेट के लिए नये खिलाड़ियों को तैयार कर रहा है। एचआईएल भी राष्ट्रीय टीम की मदद करेगा।' उन्होंने कहा, 'इससे बहुत फर्क पड़ेगा। हमारी एचआईएल टीम में बेल्जियम और जर्मनी के कुछ बेहतरीन खिलाड़ी हैं। एचआईएल के दौरान उनके साथ ड्रेसिंग रूम साझा करना और खेल से जुड़ी जानकारी प्राप्त करना बहुत महत्वपूर्ण होगा। हम उनसे छोटी-छोटी बातें सीखेंगे।' अभिषेक लीग के दूसरे सबसे महंगे खिलाड़ी है लेकिन उन्होंने कहा कि वह दबाव लेने की जगह इसका लुत्फ उठायेंगे। उन्होंने कहा, 'जिम्मेदारी तो होगी (लेकिन) मैं कोई दबाव नहीं लेना चाहता। मैं अपना खेल खेलूंगा। अगर मैं दबाव लूंगा तो अपना शत प्रतिशत नहीं दे पाऊंगा। मैं बस अपने खेल का लुत्फ उठाने की कोशिश करूंगा।'

आईएलटी 20 क्रिकेट लीग 11 जनवरी से शुरु होगा

दुबई। आईएलटी 20 क्रिकेट लीग के तीसरे सत्र का कार्याक्रम घोषित कर दिया गया है। इसमें पहला मुकाबला गत चैंपियन एमआई अमीरात और दुबई कैपिटल्स के बीच 11 जनवरी को होगा। इस टूर्नामेंट में दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में पंद्रह मैच खेले जाएंगे जबकि अबू धाबी में 11 मैच होंगे। शेष आठ मैचों का आयोजन प्रतिष्ठित शारजाह क्रिकेट स्टेडियम में किया जाएगा। एक महीने तक चलने वाले टूर्नामेंट में कुल 34 मैच खेले जाएंगे। इसका फाइनल 9 फरवरी को दुबई में खेला जाएगा। आईएलटी20 में छह फ्रेंचाइजी टीम एमआई अमीरात, दुबई कैपिटल्स, अबू धाबी नाइट राइडर्स, डेजर्ट वाइपर, गल्फजाइंट्स और शारजाह वारियर्स भाग लेंगी। आंद्रे रसेल, सुनील नारायण (अबू धाबी नाइट राइडर्स), डेविड वार्नर, निकोलस पूरन, जेसन रॉय, लॉकी फर्ग्यूसन जैसे विश्व के शीर्ष क्रिकेटर इस प्रतियोगिता में शामिल होंगे।

छात्र यहां बसने की उम्मीद लेकर ना आएं : कनाडा

ओटावा । कनाडा के इमिग्रेशन मिनस्टर ने भी एक बयान में कहा है कि स्टडी वीजा पर आने वाले छात्र यहां बसने की उम्मीद लेकर ना आएं। एक रिपोर्ट के मुताबिक, ब्रिटिश कोलंबिया विश्वविद्यालय, साइमन फेजर विश्वविद्यालय और विक्टोरिया विश्वविद्यालय जैसे प्रमुख संस्थानों का कहना है कि उनके अंतरराष्ट्रीय छात्र नामांकन स्तर पहले से ही 30 प्रतिशत की सीमा से नीचे हैं। ऐसे में नई गाइडलाइन से उन पर कोई सीधा प्रभाव नहीं पड़ेगा। हालांक क्वांटलेन पॉलिटेक्निक विश्वविद्यालय ने 2023-24 शैक्षणिक वर्ष के लिए अपने 36 प्रतिशत नामांकन के साथ नई सीमा को पार कर लिया है। इस महीने प्रभावी होने वाले दिशानिर्देशों में आगामी वर्ष से तय समय सीमा को फॉलो करना होगा। कनाडा सरकार वर्तमान में तेजी से जनसंख्या वृद्धि के बीच आप्रवासन को धीमा करने के प्रयास में विदेशी छात्रों के लिए दीर्घकालिक वीजा जारी करने की भी समीक्षा कर रही है। इमिग्रेशन मिनस्टर मार्क मिलर ने विदेशी छात्रों की संख्या को घरेलू बाजार की मांग के अनुपात में रखने पर जोर दिया है। कनाडा की नीति शिक्षित आप्रवासियों और छात्रों का स्वागत करने की रही है लेकिन हालिया समय में उसकी नीति में बदलाव आया है। मंत्री मिलर इस बात पर जोर दे रहे हैं कि स्टडी वीजा को कनाडा में बसने की गारंटी की तरह नहीं देखा जाना चाहिए। स्टडी वीजा पढ़ाई की इजाजत देता है और उसे उसी तरह से देखा जाना चाहिए। बता दें कि कनाडा में विदेशी छात्रों की संख्या को सीमित करने के लिए ब्रिटिश कोलंबिया (बीसी) प्रान्त की सरकार ने नए दिशा निर्देश जारी किए हैं। बीसी सरकार ने सार्वजनिक पोस्ट सेकेंडरी संस्थानों में अंतरराष्ट्रीय छात्र नामांकन को कुल छात्रों के 30 प्रतिशत तक सीमित कर दिया है। पोस्ट सेकेंडरी एजुकेशन एंड स्किल मिनिस्ट्री ने कहा है कि छात्रों के नामांकन की सीमा तय करने का मकसद संस्थानों पर दबाव कम करना है। गाइडलाइन में सार्वजनिक विश्वविद्यालयों और कॉलेजों को अंतरराष्ट्रीय शिक्षा रणनीतिक योजना प्रस्तुत करनी होगी। कॉलेजों की निगरानी प्रांत के प्रशासन की ओर से की जाएगी।

15 राज्यों के गवर्नर हेरिस के समर्थन में, लोकप्रियता में ट्रंप पिछड़े

न्यूयॉर्क । वर्तमान राष्ट्रपति वाइडेन के चुनाव मैदान से हटने और कमला हैरिस का नाम राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार के रूप में सामने आने के बाद, अमेरिका की राजनीति में जबरदस्त उतार चढ़ाव देखने को मिल रहा है। कमला हैरिस का नाम सामने आते ही रिपब्लिकन पार्टी के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप की लोकप्रियता में 10 फ़ीसदी की गिरावट देखी जा रही है। जिन राज्यों से ट्रंप को भारी समर्थन मिल रहा था। उन राज्यों में भी कमला हैरिस का नाम सामने आने के बाद ऑनलाइन सर्वे में ट्रंप की लोकप्रियता में गिरावट आई है। कमला हैरिस को 24 घंटे के अंदर 15 डेमोक्रेटिक गवर्नर तथा 55 सीनेटरों का समर्थन मिला है। राष्ट्रपति पद के लिए कमला हैरिस का नाम सामने आते ही, अब डोनाल्ड ट्रंप को अपनी रणनीति को बदलना पड़ रहा है। डोनाल्ड ट्रंप को कमला हैरिस के पक्ष में जो सहानुभूति की लहर चल रही है। उसका मुकाबला करना पड़ेगा। कमला हैरिस अमेरिका के इतिहास में राष्ट्रपति पद के लिए पहली अश्वेत महिला हैं। अमेरिका की 25 फ़ीसदी आबादी अश्वेत मतदाताओं की है। कमला हैरिस गर्भपात के अधिकार की समर्थक रही हैं। कमला हेरिस अटॉर्नी रह चुकी हैं। वह ट्रंप के क्रिमिनल रिकॉर्ड को चुनावी प्रचार का हथकंडा बनाएंगी। ट्रंप के लिए कमला हेरिस को घेरना अब मुश्किल हो जाएगा।

10 घंटे में 435 करोड़ का चंदा - कमला हैरिस की उम्मीदवारी घोषित होते ही 10 घंटे के अंदर 435 करोड रुपए का चंदा इकट्ठा हुआ। 2020 के चुनाव में एक दिन के अंदर 295 करोड रुपए का रिकॉर्ड चंदा एकत्रित हुआ था। इस बार 10 घंटे में ही 435 करोड रुपए इकट्ठे हो गए।

अमेरिका के फ्लोरिडा का फोर्ड लाडरडेल अरबपतियों का नया पसंदीदा शहर

न्यूयॉर्क । अमेरिका के फ्लोरिडा का फोर्ट लाडरडेल शहर अरबपतियों का नया ठिकाना बन रहा है। फ्लोरिडा के इस शहर में बड़ी संख्या में अरबपति आकर बस रहे हैं। यहां की प्रॉपर्टी में याटपार्क करने की सुविधा है। जैफ बेजोस,कैन ग्रिफिन,लियोनेल मेसी जैसे दिग्गज यहां पर प्रॉपर्टी ले चुके हैं। अन्य अरबपति और ख़रबपति भी यहां प्रॉपर्टी में निवेश कर रहे हैं। पिछले डेढ़ साल में यहां संपत्तियों की कीमतें बड़ी तेजी के साथ बढ़ रही है। डेढ़ साल पहले जो बंग्ला ढाई सौ करोड रुपए का था। अब वह 400 करोड रुपए में बिका है। कहा जा रहा है, अरबपतियों का यह नया गढ़ बन गया है। जिसके कारण आने वाले समय में यहां प्रॉपर्टी की कीमत और भी तेजी के साथ बढ़ेगी।

सऊदी सरकार का फैसला, अब स्थानीय लोगों को दी जाएगी नौकरी, भारतीयों पर मंडराने लगा खतरा

रियाद। सऊदी अरब की सरकार ने नौकरियों में स्थानीय लोगों को ज्यादा मौका देने का फैसला लिया है। सऊदी अरब ने निजी क्षेत्र में 25 फीसदी इंजीनियरिंग नौकरियां स्थानीय लोगों के लिए आरक्षित कर दी हैं। नौकरियों को लोकेलाइज करने का यह फैसला 21 जुलाई से लागू कर दिया गया है। देश के मानव संसाधन और सामाजिक विकास मंत्रालय, नगर निगम और आवास मंत्रालय ने इस संबंध में ये फैसला किया है। स्थानीयकरण का ये फैसला इंजीनियरिंग व्यवसायों में पांच या उससे ज्यादा कामगारों को रोजगार देने वाले निजी प्रतिष्ठानों पर लागू होगा। छोटे प्रतिष्ठानों, जिनमें कर्मचारियों की संख्या चार तक है, वहां ये नियम लागू नहीं होगा। मीडिया रिपोर्ट में बताया गया है कि ये फैसला कई क्षेत्रों में देश के पुरुष और महिला नागरिकों के लिए रोजगार के ज्यादा अवसर पैदा करेगा। सऊदी के इस फैसले से स्थानीय लोगों को नौकरी मिलने में आसानी होगी। देश में केमिकल इंजीनियर, सिविल इंजीनियर, फ्लाइट इंजीनियर, स्ट्रक्चरल इंजीनियर, मैकेनिकल इंजीनियर, इलेक्ट्रिकल इंजीनियर के जॉब काफी संख्या में हैं। सऊदी सरकार ने इंजीनियरिंग में रोजगार बढ़ाने के लिए भी कई कदम उठाए हैं। प्रतिष्ठानों को मदद के लिए मानव संसाधन विकास कोष एचएडीएएफ ने प्रोत्साहन और सहायता, भर्ती प्रक्रियाओं और उपयुक्त श्रमिकों की खोज, प्रशिक्षण और व्यावसायिक योग्यता, भर्ती प्रक्रिया और कैरियर निरंतरता का समर्थन का फैसला लिया है। पिछले कुछ सालों में सऊदी अरब ने 2030 तक बेरोजगारी को सात फीसदी तक कम करने के लिए कई क्षेत्रों में श्रमिकों के सऊदीकरण की घोषणा की है, जो आय स्रोतों में विविधता लाने और तेल पर निर्भरता को कम करने के विजन 2030 के लक्ष्य के अनुरूप है। सऊदी सरकार के इस फैसले का सीधा असर भारतीय कामगारों पर भी होगा। सऊदी में काम करने वालों की संख्या करीब 26 लाख है। सऊदी में भारतीय करीब हर क्षेत्र में नौकरियां कर रहे हैं। इसमें ड्राइवर, सफाईकर्मी, रसोइया, नर्स के अलावा इंजीनियरिंग क्षेत्र की नौकरियां शामिल हैं। सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस अपने महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट विजन 2030 के तहत सऊदी अरब के हर क्षेत्र में आमूलचूल परिवर्तन कर रहे हैं। इसी क्रम में सऊदी में नौकरियों में आरक्षण का फैसला लिया गया है।

ट्रम्प पर हमले में अमेरिकी सीक्रेट सर्विस ने माना हुई बड़ी चूक

वाशिंगटन। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प पर हुए हमले से जुड़ी एक बड़ी खबर आई है जिसमें बताया गया है कि सीक्रेट सर्विस से भारी चूक हुई है। सीक्रेट सर्विस के डायरेक्टर किम्बरली ने माना कि ट्रम्प पर हमला दशकों में

सबसे बड़ी चूक है। संसद में अपनी पेशी के दौरान किम्बरली चिटेल ने यह बयान दिया। डोनाल्ड ट्रम्प पर हमले को रोकने दशकों में सीक्रेट सर्विस की बड़ी नाकामी है। इसकी वजह से ट्रंप घायल हो गए थे। हालांकि पहली गोली चलाने के 26 सेकंड बाद एक सीक्रेट सर्विस स्नाइपर ने हमलावर को मार गिराया था। हमले के बाद डायरेक्टर किम्बली चीटल के खिलाफ सुनवाई चल रही है। रिपब्लिकन कमिटी के अध्यक्ष जेम्स कॉमर ने कहा कि इस घटना को रोका जा सकता था। राष्ट्रपति जो बाइडन ने डोनाल्ड ट्रंप की हत्या के प्रयास के बाद राष्ट्रपति पद के स्वतंत्र उम्मीदवार रॉबर्ट एफ. कैनेडी जूनियर की सुरक्षा करने का आदेश यू.एस. सीक्रेट सर्विस' को दिया था। कैनेडी के अभियान कार्यक्रमों ने समर्थकों और उनके संदेश में रुचि रखने वाले लोगों की बड़ी भीड़ को आकर्षित किया है। बता दें पेंसिल्वेनिया में गत शनिवार को एक रैली में हुई गोलीबारी में ट्रंप बाल-बाल बच गए और उन्हें गंभीर चोट नहीं आई थी। हमले की स्वतंत्र समीक्षा की गई।

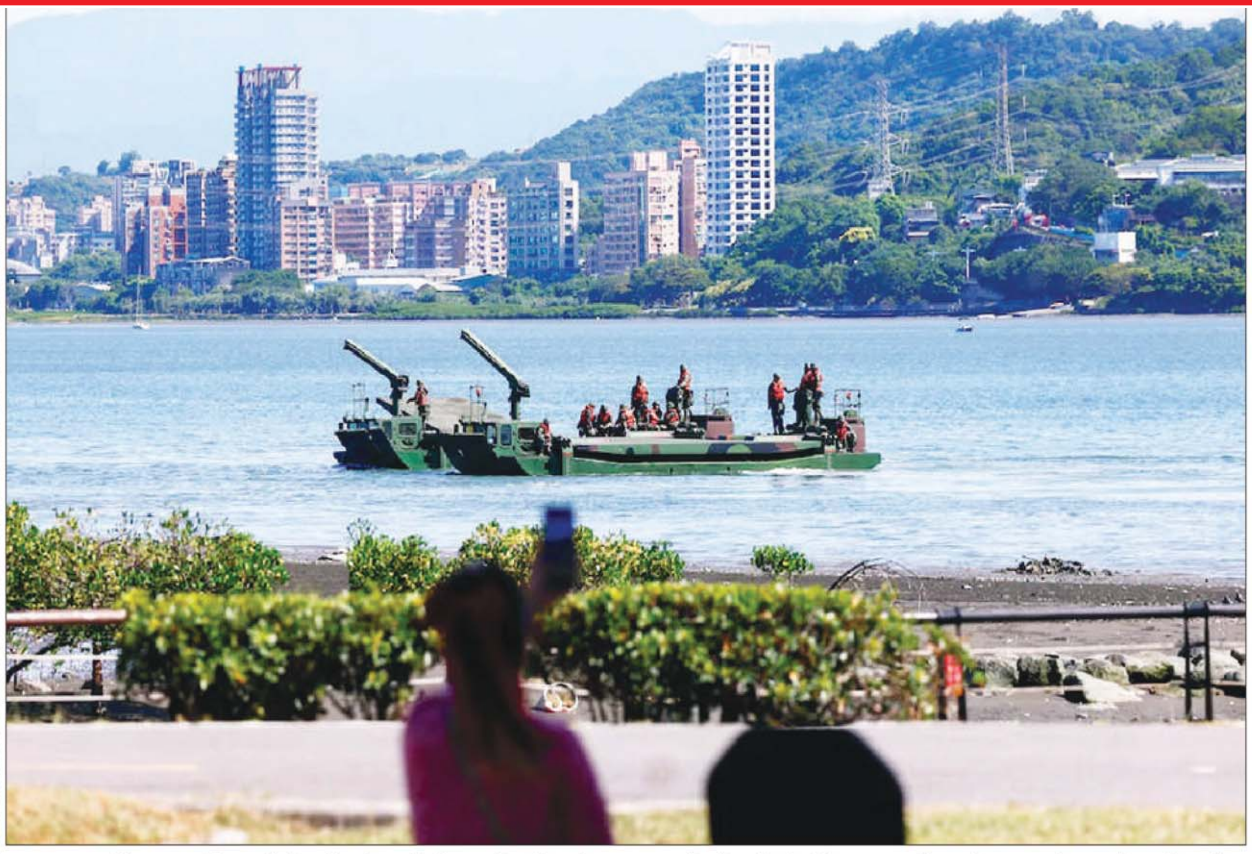

ताइवान में एक महिला सैनिकों को नदी के करीब किसी दुश्मन को रोकने के लिए बारुदी सुरंग लगाते हुए देखती हुई।

नेपाल अंतरराष्ट्रीय सीमा को लेकर 'स्पष्ट और दृढ़', भारतीय क्षेत्रों पर दावा

-पीएम बनते ही ओली ने उठाया सीमा विवाद का मुद्दा

काठमांडू। नेपाल के नवनियुक्त पीएम के.पी.ओली शर्मा ने कहा कि भारत के साथ सीमा से जुड़े मुद्दों को कूटनीतिक तंत्र के जरिए हल करने के लिए तैयार है और काठमांडू अपनी अंतरराष्ट्रीय सीमा के बारे में 'स्पष्ट और दृढ़' है। प्रतिनिधि सभा में विश्वास मत हासिल करने के एक दिन बाद सांसदों के सवालों का जवाब देते हुए ओली ने कहा कि सरकार इस बात पर दृढ़ और स्पष्ट है कि 1816 की सुगौली संधि के अनुसार, लिम्पियाधुरा, कालापानी और लिपुलेख समेत महाकाली नदी के पूर्व में स्थित क्षेत्र नेपाल के हैं। ओली ने कहा कि संघीय संसद और नेपाल सरकार का रुख देश की अंतरराष्ट्रीय सीमा से जुड़े मुद्दों को लेकर स्पष्ट और दृढ़ है। उन्होंने कहा कि नेपाल ने एक नया मानचित्र अपनाया है, जिसे 2017 में संविधान में दूसरे संशोधन के जरिए से शामिल किया गया है और इसके अनुलग्नक तीन में उल्लेख किया गया है और हमारी अंतरराष्ट्रीय सीमा के बारे में अभूतपूर्व राष्ट्रीय सहमति बनी है। ओली ने 15 जुलाई को नेपाल के प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ली थी। उन्होंने कहा कि नेपाल और भारत के प्रधानमंत्रियों के बीच उच्चस्तरीय यात्राओं के दौरान हुई मुलाकातों में दोनों देशों के बीच कूटनीतिक तंत्र के जरिए अंतरराष्ट्रीय सीमा से जुड़े मुद्दों को सुलझाने पर सहमति बनी है। ओली ने कहा कि 4 जनवरी को आयोजित नेपाल-भारत विदेश मंत्री स्तरीय संयुक्त आयोग की सातवीं बैठक के दौरान नेपाल-भारत सीमा से जुड़े मुद्दों पर भी चर्चा की गई थी और नेपाल-भारत सीमा के शेष हिस्सों पर लंबित कार्यों को जल्द से जल्द पूरा करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की गई।

चीनी भाई-भाई, इजरायल-यूएस की नाक के नीचे बीजिंग ने 17 साल पुराने 2 दुश्मनों की दोस्ती कराई

बीजिंग (एजेंसी)। इजरायल और फिलिस्तीन की जंग रूकने का नाम नहीं ले रही है। लगातार बढ़ती ही जा रही है। इन सब के बीच चीन से ऐसी खबर सामने आई है जो अमेरिका और इजरायल दोनों की टेंशन बढ़ा सकती है। हूती की लड़ाई अलग लेवल पर पहुंच गई है तो हिज्जबुल्ला ने भी अपने हमले बहुत तेज कर दिए हैं। इजरायल के ऊपर इसका असर दिखने लगा है। कुछ वक्त पहले की बात है जब रूस में हमास और फिलिस्तीन के अन्य संगठनों की मीटिंग हुई थी। इसके पीछे का मकसद था कि जंग के खत्म होने के बाद गाजा-वेस्ट बैंक के इलाके में सारे फिलिस्तीनी मिलकर काम करे। अब हाल में ही चीन में एक मीटिंग हुई है जो बहुत ही महत्वपूर्ण है। चीन की इस मीटिंग में फतह, हमास और इसके अलावा 14 अलग अलग आजाद फिलिस्तीन के एक्टिव संगठन मौजूद थे। इन सारे विभिन्न संगठनों में आपस में ही गतिरोध रहा है और जिसका फायदा इजरायल को मिलता रहा है। चीन के विदेश मंत्री और हमास के अधिकारियों ने कहा कि प्रतिद्वंद्वी फिलिस्तीनी गुटों हमास और फतह ने चीन की मध्यस्थता में हुई एक बैठक में इजराइल के साथ युद्ध के बाद कब्जे वाले वेस्ट बैंक और गाजा के लिए एक अंतरिम राष्ट्रीय सुलह सरकार बनाने पर सहमति व्यक्त करते हुए एक घोषणा पत्र पर हस्ताक्षर किए हैं।

बीजिंग में तीन दिनों की वार्ता के बाद 12 अन्य फिलिस्तीनी गुटों के साथ समूहों के प्रतिनिधियों ने एकता के लिए काम करने का वादा किया। यह हमास और फतह के बीच लंबे समय से खंडित संबंधों के बीच हुए कई सुलह समझौतों में से नवीनतम है, जिनमें से किसी के भी कारण अभी तक विवाद का अंत नहीं हुआ है। इज़राइल ने वहां शत्रुता समाप्त होने के बाद

गाजा पर शासन करने में हमास या फतह की भूमिका से भी इंकार कर दिया है। गहरा विभाजन 2007 में शुरू हुआ जब फतह को क्षेत्र से हिंसक तरीके से बेदखल करने के बाद हमास गाजा में एकमात्र शासक बन गया। यह फिलिस्तीनी राष्ट्रपति और फतह नेता महमूद अब्बास द्वारा हमास के नेतृत्व वाली एकता सरकार को भंग करने के बाद आया, जब हमास ने एक साल पहले राष्ट्रीय चुनाव जीता था। तब से, फतह-प्रभुत्व वाले फिलिस्तीनी प्राधिकरण को वेस्ट बैंक के केवल कुछ हिस्सों का प्रभारी छोड़ दिया गया है।

इजराइल-हमास युद्ध से क्या चाहता है चीन?

बीजिंग ने पहले अप्रैल में हमास और फतह के बीच वार्ता की मेजबानी की थी। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता माओ निंग ने मंगलवार को कहा चीन और फिलिस्तीन भरोसेमंद भाई और अच्छे साझेदार हैं। उन्होंने कहा कि चीन एकता और सुलह की दिशा में सभी संबंधित पक्षों के साथ अथक प्रयास करेगा। विदेश मंत्री वांग यी का कहना है कि सुलह फिलिस्तीनी गुटों के लिए एक आंतरिक मामला है, लेकिन साथ ही, इसे अंतरराष्ट्रीय समुदाय के समर्थन के बिना हासिल नहीं किया जा सकता है।

कनाडा में फिर हिंदू मंदिर को निशाना बनाया... भारत विरोधी टिप्पणियां लिखी गई

कनाडा (एजेंसी)। कनाडा भारत विरोधी गतिविधियों का गढ़ बन चुका है। खालिस्तान समर्थकों पर कनाडा में एक्शन ना होकर उन्हें बढ़ावा दिया जा रहा है। इस कड़ी में कनाडा के एडमोंटन में एक हिंदू मंदिर को निशाना बनाया गया। मंदिर की दीवारों पर भारत विरोधी टिप्पणियां लिख दी गई। हिंदू अमेरिकन फाउंडेशन ने बताया कि बीएपीएस स्वामीनारायण मंदिर की दीवारों पर भारत के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणियां की गई। साथ ही कहा कि ग्रैफिटी के द्वारा भारतीय मूल के कनाडाई सांसद चंद्र आर्य पर भी हमला किया गया।

हिंदू अमेरिकन फाउंडेशन ने पोस्ट में लिखा, कनाडा के एडमोंटन में मंदिर आज सुबह एक और हिंदू मंदिर पर हमला किया गया। मंदिर पर कनाडा के हाउस ऑफ कॉमन्स के कुछ हिंदू सदस्यों में से एक के खिलाफ अपशब्दों का प्रयोग किया गया। हम इस घटना की निंदा करते हैं जो पिछले कई हमलों का ही हिस्सा है जिनमें से ज्यादातर के लिए खालिस्तान समर्थक दोषी हैं।

सांसद आर्य ने कहा है कि कनाडा में हिंदू मंदिरों को नुकसान पहुंचाने की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। आर्य ने कहा, एडमॉन्टन में स्वामीनारायण मंदिर में फिर से तोड़फोड़ की गई है। पिछले कुछ सालों में ग्रेटर टोरंटो एरिया, ब्रिटिश कोलंबिया और कनाडा के दूसरे जगहों पर हिंदू मंदिरों को ग्राफिटी के जरिए नुकसान पहुंचाया जा रहा है।

सांसद चंद्र आर्य ने कहा, जैसा कि मैं हमेशा से कहता रहा हूं, खालिस्तानी चरमपंथी हिंसा फैलाने के बावजूद आसानी से बच जाते हैं। फिर से मैं इस रिकॉर्ड पर रखूंगा। हिंदू कनाडाई इससे चिंतित हैं। मैं फिर से कनाडा की कानूनी एजेंसियों से इस मुद्दे को गंभीरता से लेने की गुजारिश करता हूं, इससे पहले कि ये बयानबाजी लोगों के खिलाफ शारीरिक हिंसा में तब्दील हो जाए।

पाकिस्तानी सेना के खिलाफ कबाइलियों ने बुलाया जिरगा, ऑपरेशन का किया विरोध

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तानी सेना का देश में विरोध शुरू हो गया है। पश्तून कबाइलियों ने सेना के चरमपंथ विरोधी ऑपरेशन के खिलाफ आवाज उठाई है। खैबर-पख्तूनख्वा (केपी) के सीएम हाउस पर कबाइलियों का जिरगा (बैठक) बुलाया गया, जिसमें कई बड़े कबाइली नेता शामिल हुए। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक जिरगा में नेताओं ने ऑपरेशन अज्म-ए-इस्तेहकाम का विरोध किया। इसके साथ ही पाकिस्तान को गुड तालिबान और बैड तालिबान दोनों को खत्म करने को कहा गया है। गुड तालिबान पाकिस्तान में उन तालिबानी आतंकवादियों को कहा जाता है, जिनके पाकिस्तानी सेना से अच्छे संबंध हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक जिरगा की अध्यक्षता खैबर पख्तूनख्वा के सीएम अली अमीन गंडापुर ने की। इसमें केपी के मुख्य सचिव, आईजी पुलिस, बन्नू के कमिश्नर और क्षेत्रीय पुलिस अधिकारी, डिप्टी कमिश्नर ने भाग लिया। जिरगा में कबाइली नेताओं ने सीएम गंडापुर के सामने 11 मांगे रखी। उन्होंने मांग की कि तलाशी अभियान के दौरान मदरसों, घरों और व्यक्तियों के साथ अनुचित व्यवहार नहीं होना चाहिए।

जिरगा नेताओं ने कहा कि मदरसों और घरों पर रेड करना गलत होगा और इससे लोगों में गुस्सा बढ़ेगा। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि स्थानीय प्रशासन को क्षेत्र में तालिबान से निपटने के लिए पूर्ण अधिकार दिए जाने चाहिए। इसके साथ ही आतंकवाद निरोधक विभाग को पूरी तरह सक्रिय करने और आतंकवादियों और आपराधिक तत्वों के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए अधिकृत करने का आग्रह किया है।

पश्तूनों के विरोध का असर पाकिस्तान में दिखाई देने लगा है। लेफ्टिनेंट जनरल अहमद शरीफ चौधरी ने कहा कि ऑपरेशन अज्म-ए-इस्तेहकाम मिलिट्री ऑपरेशन नहीं है, बल्कि आतंकवाद विरोधी अभियान है। उन्होंने यह भी दावा किया कि एक मजबूत लॉबी नेशनल एक्शन प्लान को सफल नहीं होने देना चाहती है। उन्होंने कहा कि अज्म-ए-इस्तेहकाम की तुलना जर्ब-ए-अज्ब और राह-ए-निजात जैसे पिछले अभियानों से करना ठीक नहीं है।

सऊदी सरकार का फैसला, अब स्थानीय लोगों को दी जाएगी नौकरी, भारतीयों पर मंडराने लगा खतरा

रियाद (एजेंसी)। सऊदी अरब की सरकार ने नौकरियों में स्थानीय लोगों को ज्यादा मौका देने का फैसला लिया है। सऊदी अरब ने निजी क्षेत्र में 25 फीसदी इंजीनियरिंग नौकरियां स्थानीय लोगों के लिए आरक्षित कर दी हैं। नौकरियों को लोकेलाइज करने का यह फैसला 21 जुलाई से लागू कर दिया गया है।

देश के मानव संसाधन और सामाजिक विकास मंत्रालय, नगर निगम और आवास मंत्रालय ने इस संबंध में ये फैसला किया है। स्थानीयकरण का ये फैसला इंजीनियरिंग व्यवसायों में पांच या उससे ज्यादा कामगारों को रोजगार देने वाले निजी प्रतिष्ठानों पर लागू होगा। छोटे प्रतिष्ठानों, जिनमें कर्मचारियों की संख्या चार तक है, वहां ये नियम लागू नहीं होगा। मीडिया रिपोर्ट में बताया गया है कि ये फैसला कई क्षेत्रों में देश के पुरुष और महिला नागरिकों के लिए रोजगार के ज्यादा अवसर पैदा करेगा। सऊदी के इस फैसले से स्थानीय लोगों को नौकरी मिलने में आसानी होगी। देश में केमिकल इंजीनियर, सिविल इंजीनियर, फ्लाइट इंजीनियर, स्ट्रक्चरल इंजीनियर, मैकेनिकल इंजीनियर, इलेक्ट्रिकल इंजीनियर के जॉब काफी संख्या में हैं।

सऊदी सरकार ने इंजीनियरिंग में रोजगार बढ़ाने के लिए भी कई कदम उठाए हैं। प्रतिष्ठानों को मदद के लिए मानव संसाधन विकास कोष एचएडीएएफ ने प्रोत्साहन और सहायता, भर्ती प्रक्रियाओं और उपयुक्त

श्रमिकों की खोज, प्रशिक्षण और व्यावसायिक योग्यता, भर्ती प्रक्रिया और कैरियर निरंतरता का समर्थन का फैसला लिया है। पिछले कुछ सालों में सऊदी अरब ने 2030 तक बेरोजगारी को सात फीसदी तक कम करने के लिए कई क्षेत्रों में श्रमिकों के सऊदीकरण की घोषणा की है, जो आय स्रोतों में विविधता लाने और तेल पर निर्भरता को कम करने के विजन 2030 के लक्ष्य के अनुरूप है।

सऊदी सरकार के इस फैसले का सीधा असर भारतीय कामगारों पर भी होगा। सऊदी में काम करने वालों की संख्या करीब 26 लाख है। सऊदी में भारतीय करीब हर क्षेत्र में नौकरियां कर रहे हैं। इसमें ड्राइवर, सफाईकर्मी, रसोइया, नर्स के अलावा इंजीनियरिंग क्षेत्र की नौकरियां शामिल हैं। सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस अपने महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट विजन 2030 के तहत सऊदी अरब के हर क्षेत्र में आमूलचूल परिवर्तन कर रहे हैं। इसी क्रम में सऊदी में नौकरियों में आरक्षण का फैसला लिया गया है।

हमारा दृष्टिकोण भविष्य पर केंद्रित है, डोनाल्ड ट्रंप का अतीत पर: हैरिस

-मध्यम वर्ग का निर्माण मेरे राष्ट्रपति पद का एक निर्णायक लक्ष्य

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका की उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने अपने राष्ट्रपति पद के लिए चुनावी अभियान की शुरुआत कर दी है। हैरिस ने विलमिंगटन, डेलावेयर में जोरदार तरीके से अपनी बात रखी। उन्होंने डोनाल्ड ट्रंप पर व्यक्तिगत हमला करते हुए ट्रम्प को धोखेबाज, जालसाज और महिलाओं के साथ दुर्व्यवहार करने वाला इंसान बताया है। हैरिस ने कहा कि उनका दृष्टिकोण भविष्य पर केंद्रित है जबकि ट्रंप का अतीत पर। इस दौरान राष्ट्रपति जो बाइडेन फोन द्वारा इसमें शामिल हुए।

हैरिस ने बाइडेन के स्टाफ को ही अपने अभियान में लगा लिया है। बाइडेन ने भी अपने स्टाफ से कमला हैरिस के लिए दिल से काम करने को कहा है। हैरिस के अभियान ने केवल 24 घंटे में 81 मिलियन डॉलर जुटाए हैं। डेमोक्रेट उत्साहित दिख रहे हैं और पहली प्रेसिडेंशियल डिबेट में बाइडेन के खराब प्रदर्शन के बाद अब हैरिस के पीछे खड़े हैं। 20,000 से ज्यादा नए वालंटियर अभियान में जुड़ गए हैं। हैरिस ने अपने भाषण में एक जिला अदालत से लेकर कैलिफोर्निया के अटॉर्नी जनरल बनने तक के अपने करियर को याद करते हुए कहा कि उन्होंने उन लोगों का सामना किया जो महिलाओं के साथ दुर्व्यवहार करते हैं। ऐसे धोखेबाज जो कंज्यूमर्स को लूटते हैं, जो अपने लाभ के लिए नियम तोड़ते हैं। उन्होंने कहा मेरी बात सुनिए क्योंकि मैं डोनाल्ड ट्रंप टाइप लोगों को जानती हूं।

हैरिस ने कहा डोनाल्ड ट्रंप एक कॉलेज ट्रम्प यूनिवर्सिटी चलाते थे, जिसे छात्रों को ठगने के लिए 25 मिलियन डॉलर का भुगतान करना पड़ा। 2007-2008 के वित्तीय संकट का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि मैंने बड़े वॉल स्ट्रीट बैंकों से मुकाबला किया और कैलिफोर्निया के परिवारों के लिए 20 बिलियन डॉलर जीते। उन बैंकों को धोखाधड़ी के लिए जिम्मेदार ठहराया। ट्रंप को हाल ही में धोखाधड़ी के 34 मामलों में दोषी पाया गया है। हैरिस ने ट्रंप के साथ मुकाबले को अमेरिका के लिए दो विपरीत धाराओं की लड़ाई के रूप में परिभाषित किया। उन्होंने कहा कि ट्रंप देश को पीछे ले जाना चाहते हैं जब हमारे साथी अमेरिकियों को पूर्ण स्वतंत्रता और अधिकार नहीं थे। हम एक ऐसे

उज्जवल भविष्य में विश्वास करते हैं जो सभी अमेरिकियों के लिए जगह बनाए। हम एक ऐसे भविष्य में विश्वास करते हैं जहां हर व्यक्ति को न केवल गुज़र-बसर करने का बल्कि आगे बढ़ने का मौका मिले। इन सबका मतलब यह है कि मध्यम वर्ग का निर्माण मेरे राष्ट्रपति पद का एक निर्णायक लक्ष्य होगा।

भाजपा नेता टंडन का कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे पर तंज, ईवीएम को नहीं, बल्कि राहुल गांधी को बदलें

कांग्रेस की हार का कारण राहुल गांधी का बेकार मैनेजमेंट

शिमला (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश में भाजपा सह प्रभारी संजय टंडन ने संगठन पर्व की बैठक में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे द्वारा ईवीएम पर सवाल पर पलटवार किया है। भाजपा नेता टंडन ने कटाक्ष किया कि खराबी ईवीएम में नहीं, राहुल गांधी में है। कांग्रेस को महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में ईवीएम के कारण नहीं, बल्कि उसके नेतृत्व के खराब प्रबंधन के कारण हुई है। उन्होंने खरगे से कहा कि वह ईवीएम को नहीं, बल्कि राहुल को बदलें। वह उनकी जगह किसी अन्य को लाने पर विचार करें। ईवीएम को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की एनर्जी, विकास और मेहनत के रूप में परिभाषित करते हुए टंडन ने कहा कि कांग्रेस को आरबीएम यानी राहुल का बेकार मैनेजमेंट हरा रहा है। कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ईवीएम को साइड में रखने की बात कह रहे हैं, जबकि जनता ने कांग्रेस को ही साइड में रख दिया है। झारखंड में वह भाजपा से पीछे है और महाराष्ट्र में बर्बाद हो चुकी है।

भाजपा नेता टंडन ने तंज कसा कि कांग्रेस को न ईवीएम चाहिए, न न्यायपालिका चाहिए, न चुनाव आयोग चाहिए, न ईडी-सीबीआई चाहिए। कांग्रेस को कुछ नहीं चाहिए, तब कांग्रेस के लिए सर्वोच्च उपयुक्त स्थान मंगल ग्रह है। वहां कुछ नहीं है। वहां जाकर शहजादे को कुर्सी पर बैठाएं। खरगे का बयान याद दिलाया कि एससी, एसटी, ओबीसी और गरीबों के वोट ईवीएम के कारण खराब हो रहे हैं।

टंडन ने खड़गे के बयान पर कटाक्ष कर कहा कि खड़गे ने ईवीएम हटाकर बैलेट पेपर लाने की मांग की है। कांग्रेस पार्टी चाहे ईवीएम को साइड में रखे या न रखे, लेकिन महाराष्ट्र और देश की जनता ने कांग्रेस को पूरी तरह नकार दिया है। कांग्रेस पार्टी हर चुनावी राज्य में हाशिए पर पहुंच चुकी है। महाराष्ट्र में महायुती सरकार ने प्रचंड जीत दर्ज की है, जबकि कांग्रेस 288 विधानसभा सीटों में से मात्र 16 सीटें जीत सकी है। यह कांग्रेस के जनाधार के पतन को दिखाता है। झारखंड जैसे राज्य में भी कांग्रेस भारतीय जनता पार्टी से काफी पीछे है।

दरअसल,इस करारी हार ने पार्टी को हताश कर दिया है, इसकारण राहुल गांधी और कांग्रेस एवं विपक्ष के अन्य नेता गुस्से में बेतुके बयान दे रहे हैं। टंडन ने कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे ने कहा कि हम बैलेट पेपर किसी भी कीमत पर लेकर आएंगे और ईवीएम को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह के घर रखवा दिया जाएगा। पीएम नरेन्द्र मोदी के घर में ईवीएम पहले से मौजूद है, ई फॉर एनर्जी, वी फॉर विकास और एम फॉर मेहनत। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एक मशीन की तरह ही काम करते हैं और उनकी अतुलनीय मेहनत के

कारण ही भारतीय जनता पार्टी लगातार जीत रही है।

जम्मू-कश्मीर में आतंकी नेटवर्क पर हो रहा है दनादन एक्शन, कई लोग गिरफ्तार, हथियार और पैसा भी बरामद

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के कठुआ जिले में आतंकी नेटवर्क को खत्म करने के उद्देश्य से की गई व्यापक कार्रवाई के दौरान आतंकी समूहों से जुड़े 10 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के एक प्रवक्ता ने बताया कि आतंकी समूहों को रसद और वित्तीय मदद प्रदान करने वाले नेटवर्क का भंडाफोड़ करने के लिए पुलिस और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) द्वारा मल्हार, बानी और बिलावर के ऊपरी इलाकों के अलावा काना चक, हरिया चक, स्प्राल पेन और चक वजीर लाहबजू के सीमावर्ती क्षेत्रों में 17 स्थानों पर संयुक्त रूप से व्यापक अभियान चलाया गया। उन्होंने कहा कि मल्हार, बिलावर और बानी थानों में दर्ज आतंकी घटनाओं से संबंधित तीन प्राथमिकियों के सिलसिले में सवाधानी और योजनाबद्ध तरीके से की गई छापेमारी से आतंकी समूहों से जुड़े 10 लोगों की पहचान और गिरफ्तारी हुई। हम आपको बता दें कि पिछले कुछ दिनों में, जम्मू क्षेत्र में पुलिस ने राजौरी, पुंछ, उधमपुर और रियासी सहित कई अन्य जिलों में 56 से अधिक छापेमारी कर जैश ए मोहम्मद और लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े आतंकी नेटवर्क पर अपनी कार्रवाई तेज कर दी है। बड़े पैमाने पर अभियान के परिणामस्वरूप आतंकवादियों के कई मददगारों और आतंकी संदिग्धों की गिरफ्तारी हुई तथा साथ ही इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों, दस्तावेजों, बेहिसाबी नकदी, हथियारों और गोला-बारूद सहित अभियोजन योग्य सामग्री बरामदगी हुई। जम्मू जोन के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक आनंद जैन ने कहा, ''छापेमारी के दौरान जुटाई गई सामग्री और जानकारी के आधार पर जांच जारी रहेगी। क्षेत्र में शांति को बाधित करने का प्रयास करने वाले किसी भी शेष तत्व को लक्षित करने के लिए आगे के अभियानों की योजना बनाई गई है।'

ह्यूमन ट्रैफकिंग मामले में 6 राज्यों में 22 ठिकानों पर छापेमारी

नई दिल्ली। मानव तस्वकरी के मामले में नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी (एनआईए) ने बड़ी कार्रवाई की है। एनआईए की टीम ने देशभर में छापेमारी की है। सूत्रों के मुताबिक, 6 राज्यों में 22 ठिकानों पर सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है। इससे पहले एनआईएन ने बुधवार को देश में हथियार और गोला-बारूद की तस्करी संबंधी आतंकी संगठनों की साजिश की जांच के तहत कई राज्यों में नौ स्थानों पर छापेमारी की। एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई। एनआईए की ओर से जारी बयान के मुताबिक, एनआईए की कई टीम ने हरियाणा के पलवल, फरीदाबाद और गुरुग्राम जिलों, पंजाब के जालंधर जिले और उत्तर प्रदेश के मथुरा जिले में आतंकवादी-गैंगस्टर नेटवर्क मामले में संदिग्धों के परिसरों की तलाशी ली। जांच एजेंसी द्वारा जारी बयान में कहा गया है कि तलाशी के दौरान मोबाइल/डिजिटल उपकरण, बैंकों के लेनदेन और संपत्ति से संबंधित दस्तावेजों सहित कई आपत्तिजनक सामग्री जब्त की गई।

हिंदुओं के खिलाफ हिंसा और चिन्मय कृष्ण दास की गिरफ्तारी की गहलोत ने की निंदा

जयपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने बांग्लादेश में हिंदू समुदाय के खिलाफ हिंसा और इस्कान प्रमुख चिन्मय कृष्ण दास की गिरफ्तारी की निंदा की है। उन्होंने केन्द्र की मोदी सरकार से वहां रहे हिन्दू समुदाय की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की। कांग्रेस नेता गहलोत ने पोस्ट में लिखा, ''बांग्लादेश में हिंदू समुदाय के खिलाफ लगातार जारी हिंसा एवं हिंसा के खिलाफ लगातार बोल रहे चिन्मय कृष्ण दास की गिरफ्तारी निंदनीय है। उन्होंने कहा, बांग्लादेश में पीएम शेख हसीना सरकार के तख्तापलट के बाद से ही हिंदुओं के विरुद्ध हिंसा जारी है परन्तु नई अंतरिम सरकार ने हिंसा रोकने के लिए कोई सख्त कदम नहीं उठाए हैं। 1970 के दशक में जब ऐसी गतिविधियां हुई थीं तब तत्कालीन प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी ने सख्त कदम उठाकर वहां हिंदुओं एवं सभी अल्पसंख्यकों की सुरक्षा सुनिश्चित की थी। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि '' भारत सरकार को हस्तक्षेप कर वहां रह रहे हिंदू समुदाय की सुरक्षा सुनिश्चित करनी चाहिए।

दिल्ली में दिमागी बुखार का एक मामला सामने आया

नई दिल्ली। देश की राजधानी दिल्ली में दिमागी बुखार का एक मामला सामने आया है। आधिकारिक सूत्रों ने गुरुवार को इसकी जानकारी दी। सूत्रों ने कहा कि राष्ट्रीय वेक्टर जनित रोग नियंत्रण केंद्र (एनसीवीबीडीसी) के दिशानिर्देशों के अनुसार सभी सार्वजनिक स्वास्थ्य उपाय शुरू कर दिए गए हैं, और चिंता की कोई बात नहीं है। सूत्रों ने दिल्ली नगर निगम द्वारा जारी आदेश का हवाला देकर कहा कि पश्चिमी दिल्ली के 72 वर्षीय व्यक्ति को सीने में दर्द के बाद तीन नवंबर को अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में भर्ती कराया गया था। सूत्र ने कहा कि रोगी 20 साल से अनियंत्रित मधुमेह सहित विभिन्न रोगों से पीड़ित है और अस्पताल में भर्ती कराने दौरान रोगी की दिमागी बुखार (जापानी एंसेफलाइटिस) जांच की गई, जिसके लिए छह नवंबर को उसका रक्त का नमूना लिया गया था। सूत्र ने बताया कि वह 'आईजीएम एलिसा' से संक्रमित पाया गया, जिसके बाद 15 नवंबर को उस छुट्टी दे दी गई। आईडीएसपी डेटा के अनुसार, 2024 में 24 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में दिमागी बुखार के 1,548 मामले सामने आए, जिसमें सिर्फ असम से 925 मामले शामिल है।

राष्ट्रद्रोह मामले में कोर्ट में हाजिर नहीं हुई कंगना रनौत

आगरा। राष्ट्रद्रोह वाद में भाजपा सांसद एवं सिने तारिका कंगना रनौत के लिए स्पेशल कोर्ट एमपी-एमएलए अनुज कुमार सिंह ने धारा 200 सीआरपीसी के तहत अधिवक्ताओं के बयान दर्ज होने के बाद नोटिस भेजा था। जिसमें लिखा था कि अगर विपक्षी को अपना पक्ष रखना है तो व्यक्तिगत रूप से या अपने अधिवक्ता के माध्यम से अदालत में पेश हों। राजीव गांधी बार एसोसिएशन के अध्यक्ष एवं वरिष्ठ अधिवक्ता रमाशंकर शर्मा ने फिल्म अभिनेत्री और भाजपा सांसद कंगना रनौत के खिलाफ दायर वाद में गुरुवार को सुनवाई हुई। कंगना रनौत को आना था, लेकिन न तो वो आईं और नाहीं उनके अधिवक्ता। इसके बाद कोर्ट ने 12 दिसंबर की तारीख सुनवाई के लिए दी गई है। स्पेशल कोर्ट एमपी-एमएलए अनुज कुमार सिंह ने धारा 200 सीआरपीसी के तहत अधिवक्ताओं के बयान दर्ज होने के बाद विपक्षी को नोटिस भेजा था। वह उनके पते पर पहुंच गया, जिसमें लिखा था कि अगर विपक्षी को अपना पक्ष रखना है तो व्यक्तिगत रूप से या अपने अधिवक्ता के माध्यम से अदालत में पेश हों। वरिष्ठ अधिवक्ता ने वाद पत्र में लिखा था कि वह देश के किसानों के प्रति और राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के प्रति पूर्ण रूप से श्रद्धा भाव एवं सम्मान रखते हैं। 26 अगस्त 2024 को भाजपा सांसद कंगना रनौत ने टीवी चैनलों पर दिए साक्षात्कार में किसानों पर अभद्र टिप्पणी की। इसके पहले 16 नवंबर 2021 को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के अहिंसात्मक सिद्धांत का मजाक उड़ाया था।

यूपीआई फ्रॉड के मामले बढ़े, 485 करोड़ रुपए की ठगी

नई दिल्ली। यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) के जरिए होने वाले फ्रॉड के मामलों में वृद्धि देखने को मिली है। वित्त वर्ष 2024-25 में भारतीयों ने यूपीआई धोखाधड़ी के के चलते लगभग 485 करोड़ रुपए गंवा दिए हैं। वित्त मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, इस साल यूपीआई से धोखाधड़ी की घटनाएं छह लाख 32 हजार तक पहुंच चुकी हैं। ये आंकड़े सितंबर महीने तक के जारी किए गए हैं। वहीं 2022-23 से अब तक की अवधि में 27 लाख लोगों के साथ धोखाधड़ी की घटनाएं हुई है, जिसमें यूजर्स को 2145 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है। वहीं, सिर्फ साल 2023-24 में 13 लाख से ज्यादा लोगों के साथ यूपीआई की धोखाधड़ी हुई हैं, जिसमें इन लोगों ने कुल 1087 करोड़ रुपए गंवा दिए हैं।

बिहार: 'माई' और 'बाप' का फॉर्मूला पूरी तरह से हुआ फेल, अब आरक्षण पर चलेगी सियासत

पटना (एजेंसी)। बिहार की राजनीति में आए दिन बदलाव होते रहते हैं। यहां बिहार विधानसभा के शीतकालीन सत्र में आरजेडी नेता और बिहार के पूर्व डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव आरक्षण के मुद्दे पर खूब उछल रहे हैं। ये जानते हुए भी कि बिहार में उनका 'माई' और 'बाप' का फॉर्मूला पूरी तरह से फेल हो चुका है। अब तजस्वी यादव बिहार सरकार से वंचित जातियों और आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को '85 प्रतिशत' आरक्षण देने की मांग करने लगे हैं। मतलब साफ है कि अब आरक्षण के मुददे पर बिहार से सियासत चलेगी। तेजस्वी यादव ने मंगलवार को विधानसभा में इसको लेकर कार्य स्थगन का प्रस्ताव दिया था, जिसे विधानसभा अध्यक्ष नंद किशोर यादव ने स्वीकार नहीं किया। हालांकि, विधानसभा अध्यक्ष ने इस मुद्दे पर तेजस्वी यादव को बोलने का मौका दिया। लेकिन, इस दौरान तेजस्वी यादव और डिप्टी सीएम स्रमाट चौधरी में तीखी बहस शुरू हो गई। बात इतनी बढ़ गई कि पूर्व प्रधानमंत्री बीपी सिंह, लालू यादव और राबड़ी देवी का जिक्र होने लगा।

बता दें कि सम्राट चौधरी ने मंगलवार को विधानसभा में कहा था कि लालू यादव ने एक भी आदमी को आरक्षण नहीं दिया। इसी मुद्दे पर तेजस्वी यादव बुधवार को सम्राट चौधरी पर जोरदार हमला बोलते हुए कहा, 'उन्होंने कैसे बोल दिया कि लालू यादव ने आरक्षण नहीं दिया? सबसे पहले

आरक्षण लालू यादव की सरकार ने ही दिया था। सम्राट चौधरी को शर्म आनी चाहिए। अज्ञानी आदमी हैं। झूठ बोल रहे हैं। संगत का असर है या पार्टी का? लालू यादव ने ही 12 प्रतिशत अति पिछड़े के आरक्षण को बढ़ाकर 14 प्रतिशत किया था। फिर राबड़ी देवी की सरकार ने 14 प्रतिशत के आरक्षण को 18 प्रतिशत कर दिया। तेजस्वी यादव ने आगे कहा, 'सम्राट चौधरी कहते हैं कि पंचायत में आरक्षण नीतीश कुमार ने दिया है। वो अपनी गलती सुधार लें। पंचायत में जो आरक्षण मिला है उसका मसौदा राबड़ी देवी की सरकार में तैयार हुआ था। मामला कोर्ट में चला गया था, जिसे बाद में नीतीश कुमार ने लागू किया। सम्राट चौधरी को यह जानना चाहिए कि लालू यादव के कारण ही आरक्षण को लेकर बीपी सिंह को गाली सुननी पड़ी थी।

उत्तर प्रदेश में कांग्रेस की खुद के दम पर खड़े होने की योजना

सपा के भरोसे नहीं है कांग्रेस का मिशन-2027

नई दिल्ली (एजेंसी)। यूपी विधानसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस ने अभी से रणनीति बनाना शुरू कर दिया है। चुनाव को भले ही दो साल से ज्यादा का समय है, लेकिन कांग्रेस अभी से खुद की सियासी जमीन तलाशना शुरू कर दिया है। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में कांग्रेस खुद के दम पर खड़े होने की योजना बना रही है। कांग्रेस का मिशन 2027 समाजवादी पार्टी के भरोसे नहीं है। इसके लिए कांग्रेस राज्य की सभी 403 सीटों को तीन हिस्सों में बांटकर अभी से चुनावी योजना पर काम कर रही है, जिसमें पहले 160 सीट पर खास फोकस करने की योजना है। इसके बाद 243 सीटों को दूसरे और तीसरे नंबर पर रखकर पार्टी आगे बढ़ेगी। उत्तर प्रदेश कांग्रेस के संगठन महासचिव अनिल यादव ने कहा कि लोकसभा चुनाव के बाद से कांग्रेस ने 2027 के विधानसभा चुनाव की तैयारी

शुरू कर दी है। कांग्रेस यूपी की 160 सीटों पर पहले फोकस करने रणनीति बना रही है। राज्य के हर जिले में कम से कम दो सीटों पर कांग्रेस 2027 का विधानसभा चुनाव लड़ेगी। इस संबंध में यूपी के 13 जिलों में बैठकें हो चुकी हैं। देवीपाटन मंडल से जिला स्तरीय बैठक में विधानसभा सीटों का चयन पर विचार किया जाएगा।

हम गठबंधन के भरोसे नहीं बैठे रहेंगे: अनिल यादव

अनिल यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी के साथ मिलकर 2024 का लोकसभा चुनाव लड़े थे और अभी भी हमारा गठबंधन है, लेकिन हम सिर्फ गठबंधन के भरोसे नहीं बैठे रहना चाहते। सीटों के चयन के साथ-साथ संगठन को भी मजबूत करने की कवायद चल रही है। ऐसे में 160 सीटों का चयन पार्टी नेताओं के सलाह करने के लिए ही जिला स्तर पर बैठकें कर रहे हैं। यूपी में कांग्रेस का मुख्य फोकस दलित, ओबीसी और मुस्लिम बहुल विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ने का है। 160 सीटों के चयन के बाद कांग्रेस जनहित से जुड़े मुद्दों लेकर अलग-अलग कार्यक्रम शुरू करेगी. इन सीटों पर कांग्रेस जातिगत जनगणना और आरक्षण के मुद्दे को धार देने की स्ट्रैटेजी भी बना रही है ताकि, दलित, ओबीसी और मुस्लिम वोटों को विश्वास जीता जा सके। अनिल यादव का कहना है कि सामाजिक न्याय के मुद्दे पर लोकसभा के चुनाव में इंडिया गठबंधन को जीत मिली थी, उसे लेकर हम विधानसभा चुनाव में उतरेंगे।

बिरसा मुंडा के परपोते का हाल जानने रिम्स पहुंचे हेमंत सोरेन, पत्नी भी थी साथ

रांची। झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के कार्यकारी अध्यक्ष और मनोनीत सीएम हेमंत सोरेन राजेंद्र आयुर्विज्ञान संस्थान (रिम्स) पहुंचे। रिम्स में उन्होंने आदिवासी नेता बिरसा मुंडा के परपोते मंगल मुंडा के स्वास्थ्य की जानकारी ली। मंगल मुंडा पिछले दिनों एक दुर्घटना में घायल हो गए थे। अस्पताल के अधिकारी ने बताया कि हेमंत सोरेन अपनी पत्नी कल्पना सोरेन के साथ रिम्स के नए ट्रॉमा सेंटर पहुंचे और उन्होंने चिकित्सकों से मंगल मुंडा के स्वास्थ्य के बारे में जानकारी ली। रिम्स के 'चीफ सीनियर रेजिडेंट' ने बताया कि हादसे में मंगल मुंडा के मस्तिष्क में गंभीर चोट थी और मस्तिष्क के दोनों तरफ खून के थक्के जम गए थे। दुर्घटना में काफी खून बह गया था और उन्हें तत्काल ऑपरेशन की जरूरत थी। मंगलवार को उनका सफल ऑपरेशन किया गया। अब वह खतरे से बाहर हैं।

कांग्रेस ने कहा-सेबी जैसी संस्थाओं की जांच हो और अडानी के खिलाफ सदन में चर्चा हो

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस ने धोखाधड़ी और रिश्वत देने के आरोपों को लेकर अमेरिका में हुए खुलासे पर उद्योगपति अडानी को गिरफ्तार करने की मांग की है। कांग्रेस प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने अडानी के खिलाफ आरोपों पर सदन में विस्तृत चर्चा के साथ जांच एजेंसियों और सेबी जैसे संस्थान द्वारा निष्पक्ष जांच करने की भी मांग उठाई है। कांग्रेस प्रवक्ता ने तथ्यों के साथ अमेरिकी जांच में गौतम अडानी का नाम कहीं नहीं होने के भ्रामक दावों पर भी पलटवार किया।

कांग्रेस मुख्यालय में पत्रकार वार्ता करते हुए कांग्रेस प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने तंज कसा कि अमेरिका में वारंट जारी होने के बाद से दुनिया भर में अडानी के कारनामों का डंका बज रहा है। विदेशों में अडानी की परियोजनाएं रद्द की जा रही हैं, निवेश पर रोक लगाई जा रही है और उनका विरोध हो रहा है। कई देशों में अडानी से जुड़ी डील की जांच हो रही है। मूडीज और फिच जैसी बड़ी रेटिंग एजेंसियों ने अडानी समूह की कंपनियों के लिए अपना आउटलुक

'नकारात्मक' कर दिया है। कांग्रेस प्रवक्ता ने केंद्र सरकार और भाजपा पर अडानी को बचाने के आरोप लगाते हुए कहा कि संसद में चर्चा तो दूर अडानी का नाम लेने पर ही सदन स्थगित कर दिया जाता है। उन्होंने कहा, गौतम अडानी को नरेंद्र मोदी के दखल के बाद अलग-अलग देशों में प्रोजेक्ट मिलते हैं। आज अडानी सिर्फ भारत में ही सेफ हैं, जांच एजेंसियां मूकदर्शक बनी बैठी हैं। क्योंकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के चलते कोई उनका कुछ नहीं कर सकता।

अमेरिकी जांच में गौतम अडानी का नाम कहीं नहीं होने के दावों की पोल खोलते हुए श्रीनेत ने कहा, इन मूर्खतापूर्ण दलीलों से अमेरिकी एजेंसियों और वहां के डिपार्टमेंट ऑफ़ जस्टिस द्वारा लगाए गए गंभीर आरोप नहीं धुलने वाले। आज सुबह अडानी के तंत्र द्वारा एक शिगूफा छोड़ा गया कि डिपार्टमेंट ऑफ जस्टिस के दस्तावेज में काउंट एक से पांच में अडानी का नाम नहीं है। लेकिन वो ये बताना भूल गए कि अमेरिका का विदेशी भ्रष्ट आचरण अधिनियम वहीं के नागरिकों पर लागू होता है, वो विदेशी नागरिकों पर लागू नहीं होता। उन्हीं काउंट में अडानी की पार्टनर अमेरिकी कंपनी का नाम है; अमेरिकी न्याय विभाग ने अडानी को दोषी ठहराने वाले सबूत पेश किए हैं। अमेरिका में लगे आरोपों पर भारत में क्यों कार्रवाई हो इस सवाल के जवाब में श्रीनेत ने कहा, सच्चाई ये है कि अमेरिका में लगे आरोपों के आधार पर इसी मोदी सरकार के कार्यकाल में सीबीआई ने दो मामलों की जांच की है। हिंदुस्तान की सेबी और अमेरिका की एसईसी के बीच एक द्विपक्षीय समझौता है। अगर एसईसी की जांच में इतने गंभीर आरोप सामने आए हैं, तो यह सेबी की जिम्मेदारी है कि वह भी जांच करे।

कड़कड़ाती ठंड से परेशान दिल्ली में स्मॉग का भी बढ़ा खतरा

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली-एनसीआर के निवासियों को ठंड, धुंध और बढ़ते प्रदूषण की दोहरी मार का सामना करना पड़ रहा है। राजधानी में वायु गुणवत्ता लगातार बहुत खराब श्रेणी में बनी हुई है। वहीं, बुधवार की रात इस मौसम की दूसरी सबसे ठंडी रात के रूप में दर्ज की गई। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के मुताबिक, दिल्ली का न्यूनतम तापमान सामान्य से 0.1 डिग्री अधिक, यानी 10.4 डिग्री सेल्सियस पर दर्ज हुआ। इस सीजन की सबसे ठंडी रात 21 नवंबर को थी, जब तापमान 10.2 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया था।

दिल्ली में वायु गुणवत्ता बहुत खराब श्रेणी में बनी हुई है। सिस्टम ऑफ एयर क्वालिटी एंड वेदर फोरकास्टिंग एंड रिसर्च के अनुसार, गुरुवार सुबह 6 बजे वायु गुणवत्ता सूचकांक 302 दर्ज किया गया। हालांकि, इसमें मामूली सुधार देखा गया है, क्योंकि बुधवार को एक्यूआई 312 दर्ज किया गया था। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार सुबह 6 बजे विभिन्न क्षेत्रों में वायु गुणवत्ता सूचकांक निम्न प्रकार दर्ज किया गया: आनंद विहार में 357, अशोक विहार में 318, बवाना में 341, बुराड़ी क्रॉसिंग में 320, जहांगीरपुरी में 354, चांदनी चौक में 293, द्वारका सेक्टर 8 में 332, आईजीआई एयरपोर्ट पर 301, आईटीओ में 284, जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में 267, लोधी रोड पर 261, मुंडका में 364, नरेला में 312, नेहरू नगर में 331, पटपड़गंज में 325, पंजाबी बाग में 311, पूसा में 281, आरके पुरम में 310, रोहिणी में 317, शादिपुर में 351, विवेक विहार में 328 और वज़ीरपुर में 330। मौसम विभाग ने गुरुवार के लिए मध्यम स्तर के कोहरे का पूर्वानुमान जताया है। इस दौरान अधिकतम तापमान 27 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान नौ डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की संभावना है। इसके अलावा, दिल्ली में 28 नवंबर के लिए घने कोहरे को लेकर येलो अलर्ट जारी किया गया है।

दहेज प्रताड़ना मामले में रिश्तेदारों पर बिना सबूत केस चलाना न्याय प्रक्रिया का दुरुपयोग

सुप्रीम कोर्ट ने पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट का आदेश पलटा, मामला किया खारिज

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने दहेज प्रताड़ना मामलों में दूर के रिश्तेदारों को अनावश्यक रूप से शामिल किए जाने पर सख्त रुख अपनाते हुए एक अहम फैसला सुनाया है। कोर्ट ने कहा कि ऐसे मामलों में आरोपों का गहराई से परीक्षण किया जाना चाहिए ताकि यह तय हो सके कि किसी को बिना वजह आरोपी न बनाया जाए। यह टिप्पणी जस्टिस सीटी रविकुमार की अध्यक्षता वाली बेंच ने एक मामले की सुनवाई करते हुए दी।

सुप्रीम कोर्ट ने पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट के एक आदेश को पलटते हुए एक महिला के पति के चचेरे भाई और उसकी पत्नी के खिलाफ दर्ज आपराधिक मामले को खारिज कर दिया। महिला के पिता ने दहेज प्रताड़ना की शिकायत दर्ज करवाई थी, जिसमें पति, सास-ससुर के अलावा दूर के रिश्तेदारों को भी आरोपी बनाया था। कोर्ट ने कहा कि जब शिकायत में मुख्य आरोपी के अलावा अन्य लोगों, विशेषकर दूर के रिश्तेदारों के खिलाफ आरोप लगाए जाते हैं, तो कोर्ट का दायित्व है कि वह यह तय करे कि क्या आरोप साक्ष्यों पर आधारित हैं या सिर्फ दबाव बनाने के लिए लगाए गए हैं।

कोर्ट ने प्रीति गुप्ता, झारखंड (2010) और गीता मेहरोत्रा, यूपी (2012) जैसे मामलों का हवाला देते हुए कहा कि झूठे मामलों में आरोपी को बरी कर दिए जाने के बाद भी उससे हुई बदनामी के घाव मिटाए नहीं जा सकते। कोर्ट ने कहा कि बिना किसी ठोस सबूत के मुकदमा चलाना न्याय प्रक्रिया का दुरुपयोग है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि 'रिश्तेदार' शब्द को कानून में स्पष्ट रूप से परिभाषित नहीं किया गया है, लेकिन इसे सामान्यतः पति, पत्नी, माता-पिता, भाई-बहन या अन्य निकट संबंधियों तक सीमित माना जाना चाहिए। ऐसे व्यक्ति, जो ब्लड रिलेशन, विवाह, या गोद लेने के जरिए परिवार से जुड़े नहीं हैं, उनके खिलाफ लगाए गए आरोपों का कोर्ट द्वारा विशेष सतर्कता से परीक्षण किया जाना चाहिए।

इस मामले में महिला जालंधर में रहती थी जबकि पति के चचेरे भाई और उनकी पत्नी मोहाली में। अदालत ने पाया कि दूर के रिश्तेदारों के खिलाफ लगाए गए आरोप सामान्य और आधारहीन थे। यह आरोप सिर्फ मुख्य आरोपी पर दबाव बनाने के उद्देश्य से लगाए गए प्रतीत होते हैं। एफआईआर दिसंबर 2020 में तब दर्ज की गई थी, जब महिला के पति ने तलाक की कार्यवाही शुरू की थी। शिकायत में पति, सास-ससुर के साथ चचेरे भाई और उनकी पत्नी को भी आरोपी बनाया था। सुप्रीम कोर्ट ने इसे न्यायिक प्रक्रिया का दुरुपयोग बताते हुए केस खारिज कर दिया।

सुप्रीम कोर्ट का यह फैसला दहेज प्रताड़ना के झूठे मामलों को रोकने में एक नजीर के रूप में काम करेगा। कोर्ट ने यह साफ कर दिया कि ऐसे मामलों में सिर्फ सबूतों के आधार पर ही कार्रवाई की जानी चाहिए, ताकि न्याय प्रणाली का दुरुपयोग न हो और निर्दोष लोगों को अनावश्यक परेशानी से बचाया जा सके।